3 राजधानी
अगस्त से मिलेंगे ई-हेल्थ कार्ड

6 अभिमत
बच्चों की अनुचित अनदेखी

10 स्पोर्ट्स
10आईपीएल टीमों की मिलेगी मंजूरी

11 विदेश
आठ माह तक रहती है प्रतिरोधक क्षमता

RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 9 अंक 50
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 24 दिसंबर, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

2021 में भी व्यस्त रहेंगी यामी गौतम
विविध-12

www.dailypioneer.com

सरकार बातचीत को तैयार, किसान नेता समय व तिथि तय करें: तोमर

● केंद्र खुले मन से सुनेगा प्रदर्शनकारियों की बात, वार्ता से ही निकलता है समस्या का समाधान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आंदोलनरत किसानों के साथ गतिरोध तोड़ने की कोशिश करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को उन्हें फिर बातचीत का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी आंदोलन का समाधान सिर्फ बातचीत के जरिये ही हो सकता है। उन्होंने आंदोलनरत संगठनों से अगले दौर की वार्ता के लिए कोई तिथि और समय तय करने के करने का अनुरोध किया। तोमर ने कहा कि किसानों को यह बताना चाहिए कि सरकार द्वारा दिए गए प्रस्ताव में वे क्या जोड़ना या हटाना चाहते हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार कृषि क्षेत्र में सुधार जारी रखेगी, क्योंकि अभी भी कई क्षेत्रों में सुधार किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा कि किसी भी आंदोलन का समाधान सिर्फ वार्ता के जरिए ही निकाला जा सकता है और इतिहास इसका साक्षी रहा है। ज्ञात हो कि तीन कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर पिछले लगभग चार हफ्ते से किसान संगठन दिल्ली की विभिन्न सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे हैं। पांच दौर की वार्ता विफल होने के बाद पिछले दिनों केंद्र सरकार ने फिर से किसानों के संगठनों को पत्र भेजकर वार्ता के लिए आमंत्रित किया था। तोमर ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मुझे पूरी उम्मीद है कि हमारे किसान संगठन वार्ता करेंगे...यदि वे एक तिथि और समय सुनिश्चित करते हैं तो सरकार अगले दौर की वार्ता के लिए तैयार है...मुझे उम्मीद है कि हम समाधान के रास्ते पर आगे बढ़ेंगे।'' प्रदर्शन कर रहे किसानों के संगठनों और सरकार के बीच पांच दौर की वार्ता के बाद शाह से भी एक मुलाकात हो चुकी है। इस बीच कुछ अन्य किसान संगठनों से भी सरकार की वार्ता हुई है। इन संगठनों ने कृषि कानूनों का समर्थन किया है। तोमर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि किसान संगठन जल्द ही आपस में चर्चा कर सरकार को अपने फैसले से अवगत कराएंगे ताकि सरकार अगले दौर की वार्ता तत्काल शुरू कर सके। उन्होंने कहा कि सरकार (शेष पेज 9)

गतिरोध तोड़ने की कोशिश

नई दिल्ली में 20 राज्यों के 3,13,363 किसानों द्वारा कृषि कानूनों के समर्थन में भेजे गए हस्ताक्षर युक्त पत्रों के छह बक्से प्राप्त करते कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर

'वार्ता को राजी पर केंद्र ठोस प्रस्ताव दे'

नई दिल्ली। किसान संघों ने बुधवार को सरकार से कहा कि वह नए कृषि कानूनों में 'निरर्थक' संशोधन करने की बात को नहीं दोहराए, क्योंकि इन्हें पहले ही खारिज किया जा चुका है, बल्कि वार्ता के एक और दौर के लिए लिखित में ठोस प्रस्ताव दे। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एक किसान नेता ने कहा कि वे बातचीत के लिए राज़ी हैं, लेकिन सरकार को ठोस प्रस्ताव भेजना चाहिए जिस पर अमल होना है। किसान नेता शिवकुमार कक्का ने बताया, 'हम पहले ही गृह मंत्री अमित शाह को बता चुके हैं कि प्रदर्शनकारी किसान संशोधनों को स्वीकार नहीं करेंगे।' स्वराज अभियान के नेता योगेंद्र यादव ने कहा, 'किसान संघ सरकार के साथ बातचीत करने को तैयार हैं और सरकार के मेज़ पर खुले दिमाग से आने का इंतज़ार कर रहे हैं।' ऑल इंडिया किसान सभा के नेता हन्नान मोल्ला ने दावा किया कि सरकार किसानों को थकाना चाहती है ताकि प्रदर्शन खत्म हो जाए।

मौजूदा वैक्सीन कोरोना के नए स्ट्रेन पर भी प्रभावी

● विशेषज्ञों ने कहा- संभावना है कि कोरोना का नया स्वरूप पहले ही भारत आ गया हो

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना के नए स्ट्रेन से घबराने की जरूरत नहीं है। मौजूदा वैक्सीन नए और अधिक घातक संक्रमण पर भी प्रभावी होगी। ऐसा चिकित्सा विशेषज्ञों का माना है। हालांकि अभी सरकार यह पता नहीं लगा पाई है कि ब्रिटेन से लौटे यात्रियों में कोरोना का कौन सा स्वरूप पाया गया है। पिछले दो-तीन दिन में ब्रिटेन से लौटे देशभर के यात्रियों में करीब दो दर्जन पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें 11 लोग आईजीआई एयरपोर्ट पर उतरे हैं। यहां 50 यात्रियों को संस्थागत क्वॉरंटीन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने बुधवार को इंग्लैंड से भारत के विभिन्न राज्यों में उतरीं फ्लाइट से आने वाले यात्रियों का जायजा लिया। उन्होंने पाया कि दस राज्यों- महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, गोवा, पंजाब, गुजरात, केरल, तेलंगाना और दिल्ली में ब्रिटेन से आए लोग पॉजिटिव मिले। सरकार ने जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए दिल्ली, हैदराबाद, भुवनेश्वर, बेंगलुरू, कल्याणी और पुणे में प्रयोगशालाओं की पहचान कर ली है। मंत्रालय के अनुसार प्रयोगशालाओं की संख्या जरूरत के हिसाब से बढ़ती जाएगी। ब्रिटेन में कोरोना के नए स्ट्रेन के बारे में जानकारी मिलते ही भारत सरकार ने 23 से 31 दिसंबर तक ब्रिटेन के विभिन्न षहरों से आने और जाने वाली सभी उड़ानों पर रोक लगा दी है। बताया गया है कि यह वायरस सामान्य कोरोना से 70 गुना अधिक घातक है। इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी) के निदेशक डॉ. अनुराग अग्रवाल ने कहा कि हालांकि वायरस में अधिक संक्रमण पाया गया है, लेकिन राहत की बात यह है कि यह संक्रमण तभी फैलता है जब लोग मास्क नहीं पहनते हैं। डब्ल्यूएचओ ने भी संकेत दिया है कि यदि सावधानी नहीं बरती गई तो नये स्ट्रेन से तेजी से आम जन में संक्रमण फैलने का खतरा है। अशोक विश्वविद्यालय में त्रिवेदी स्कूल ऑफबायोसाइंसेज के निदेशक और डॉ. शाहिद जमील ने कहा कि यह संभावना है कि कोरोना का नया स्ट्रेन पहले ही भारत आ चुका हो। इसका पता तभी चल सकता है जब आप इसे खोजने की कोषिष करेंगे। यही कारण है कि हमें जीनोम सिक्वेंसिंग की संख्या को बढ़ाने की आवश्यकता है। भारत इस समय दुनिया में कोविड-19 मरीजों के मामले में दूसरे नंबर पर है। ऐसी भी संभावना है कि देष में कोरोना के इस तरह के और भी कई रूप विकसित हो गए हों। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने कहा कि भारत ज्यादा से ज्यादा सैंपल का सिक्वेंस करने के लिए आईसीएमआर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद के तहत आने वाली प्रयोगशालाओं के अपने नेटवर्क का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करेगा। खासकर ब्रिटेन से आए उन लोगों पर फोकस रहेगा, जो पॉजिटिव पाए गए हैं। प्रयोगषालाओं को भी नए स्ट्रेन पर फोकस करने के लिए कहा गया है।

एयरपोर्ट पर खालिस्तानी आतंकी निज्जर गिरफ्तार

● साइप्रस से किया गया निर्वासित, दिल्ली पहुंचते ही एनआईए ने दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

खालिस्तानी आतंकवादी गुरजीत सिंह निज्जर को एनआईए ने फरार दिल्ली स्थित आईजीआई एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। आतंकी साइप्रस से निर्वासन के बाद दिल्ली पहुंचा था। निज्जर को कथित तौर पर अलग खालिस्तान राज्य बनाने के लिए भारत में फिर से सिख आतंकवाद को जन्म देने की आपराधिक साजिश रचने के मामले में पकड़ा गया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। एनआईए ने पिछले साल जनवरी में आरोपी हरपाल सिंह के खिलाफशस्त्र अधिनियम, महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा कि निज्जर, मुख्य साजिशकर्ता हरपाल और मोइन खान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय थे और उन्होंने कथित तौर पर अलग खालिस्तान राज्य बनाने के मकसद से सिख आतंकवाद को जन्म देने की आपराधिक साजिश रची थी। अधिकारी के अनुसार साजिश के तहत तीनों आतंकवादी ऐसे वीडियो और तस्वीरें पोस्ट करते थे जिनमें जगतार सिंह हवारा (पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के दोषी) की तारीफ होती थी। इसमें 1984 के ऑपरेशन ब्लू स्टार, बब्बर खालसा इंटरनेशनल से संबंधित सामग्री होती थी। उनका एकमात्र इरादा तथाकथित खालिस्तान आंदोलन में समान विचारों वाले सिख युवकों को जोड़ना था।

एनआईए प्रवक्ता ने कहा कि मोइन 2013 से 2016 तक तिहाड़ जेल में था। इस दौरान उसने हवारा के साथ तालमेल बढ़ाया और उसके साथ काम करने की इच्छा जताई। उसने हवारा के साथ अपना संपर्क नंबर भी साझा किया। अधिकारी के मुताबिक इसके बाद मोइन ने साजिश के तहत अपने अकाउंट से (शेष पेज 9)

डीटीएच सेवा गाइडलाइन में संशोधन को मंजूरी

नई दिल्ली(पीएनएस)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को डायरेक्ट टू होम (डीटीएच) सेवा प्रदान करने के लिए दिशा-निर्देशों में संशोधन को मंजूरी दी जिससे अब 20 साल के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने संवाददाताओं को बताा कि दिशा-निर्देशों में संशोधन करने से डीटीएच क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेश निवेश (एफडीआई) का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। उन्होंने बताया कि वाणिज्य मंत्रालय ने डीटीएच क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेश निवेश की बात कही थी लेकिन सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के दिशा निर्देशों के कारण ऐसा नहीं हो पा रहा था, अत: इन दिशा निर्देशों में सुधार की जरूरत (शेष पेज 9)

जनादेश अलगाववादियों के मुंह पर तमाचा: भाजपा

● शाह बोले, परिणाम लोकतंत्र में लोगों की आस्था का प्रतीक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के पहले डीडीसी चुनाव के नतीजों पर प्रसन्नता जताई और कहा कि यह लोकतंत्र में लोगों की आस्था को दर्शाता है तथा अलगाववादियों के चेहरे पर एक तमाचा है। शाह ने कहा कि जम्मू एवं कश्मीर में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र की बहाली के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हरसंभव काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस केंद्र शासित प्रदेश में पहली बार हुए जिला विकास परिषद (डीडीसी) के चुनाव इसकी गवाही देते हैं। शाह ने सिलसिलेवार ट्वीट कर बड़ी संख्या में मतदान के लिए जम्मू एवं कश्मीर की जनता को बधाई दी और सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराने के लिए सुरक्षा बलों के प्रयासों की जमकर सराहना की। बड़ी संख्या में मतदान में भागीदारी के लिए केंद्र शासित की जनता और सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराने के लिए सुरक्षा बलों और स्थानीय प्रशासन को बधाई देते हुए शाह ने कहा कि इससे लोकतंत्र के प्रति जम्मू एवं कश्मीर की जनता के विश्वास और हौसले को और बुलंद करेगी। पिछले साल अगस्त में अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद जम्मू कश्मीर में यह पहला चुनाव था। नतीजों के मुताबिक भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। उसे 74 सीटें मिली हैं जबकि नेशनल कांफ्रेंस को 67, पीडीपी को 27 और कांग्रेस को 26 सीटें मिली हैं। इससे पहले केंद्रीय कानून मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में जम्मू एवं कश्मीर के जिला विकास परिषद चुनावों के परिणामों को इस केंद्र शासित प्रदेश के भविष्य को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच की जीत करार दिया और दावा किया कि जनादेश जनता द्वारा अलगाववादियों, आतंकवादियों, चरमपंथियों और उनके संरक्षकों पर लगाया गया ''जोरदार तमाचा'' है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला के नेतृत्व में बने सात दलों के गुपकर गठबंधन द्वारा नतीजों को अपनी जीत बताने के दावे को भी खारिज (शेष पेज 9)

जम्मू-कश्मीर डीडीसी चुनाव नतीजे

जम्मू में बुधवार को पत्रकार वार्ता करते केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और जम्मू कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष रवींदर रैना

केंद्र सरकार को सुननी चाहिए लोगों की आवाज: उमर अब्दुल्ला

● जनता ने पीजीडीए को समर्थन देकर अपना विचार कर दिया है स्पष्ट

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर

नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को वापस लिये जाने के खिलाफ प्रदेश के लोगों की आवाज को केंद्र सरकार को सुननी चाहिये। नेशनल कांफ्रेंस मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये अब्दुल्ला ने कहा कि जिला विकास परिषद के चुनावों में लोगों ने पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकर डिक्लेरेशन (पीएजीडी) का समर्थन कर अपना विचार स्पष्ट कर दिया है। नेकां नेता ने यह भी कहा कि (डीडीसी) चुनाव परिणाम को देखते हुये उन्हें नहीं लगता कि केंद्र शासित प्रदेश में निकट भविष्य में जल्दी चुनाव कराये जायेंगे। प्रदेश में सात दलों के गठबंधन पीएजीडी ने डीडीसी चुनावों में 276 सीटों में से 110 पर जीत हासिल की है जबकि भारतीय (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	46,444	↑ 437	
निफ्टी	13,601	↑ 134	
सोना	49,506	↓ 252	/10g
चांदी	66,493	↓ 933	/kg

क्विक न्यूज

उत्तर भारत के अधिकतर भागों में शीत लहर का प्रकोप जारी

नई दिल्ली। उत्तर भारत के अधिकतर हिस्सों में बुधवार को कड़ाकेसर्दी जारी रही एवं कोहरा भी छाया रहा। वही कश्मीर और हिमाचल के ज्यादातर इलाकों में पारा शून्य से नीचे दर्ज किया गया। पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और बिहार में कुछ स्थानो पर घना कोहरा छाया रहा। ओडिशा लगातार तीसरे दिन भी शीतलहर की चपेट मे रहा जबकिदिल्ली मे न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस कम रिकॉर्ड किया गया। कश्मीर के अधिकतर क्षेत्रो में न्यूनतम पारे मे गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि समूची घाटी में मौसम शुष्क और सर्द रहा। रात का पारा शून्य से कई डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया है। विभाग ने 25 दिसंबर तक शुष्क और सर्द मौसम का अनुमान जताया है।

कैथोलिक पादरी और नन को आजीवन कारावास

सिस्टर अभया मामला

पायनियर समाचार सेवा। तिरुवनंतपुरम

सीबीआई की यहां एक विशेष अदालत ने केरल के कोट्टायम में 28 साल पहले हुई सिस्टर अभया की हत्या के दोषी पाए गए कैथोलिक पादरी और नन को बुधवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश के सनल कुमार ने कैथोलिक चर्च के फादर थॉमस कोट्टूर को आजीवन कारावास की दोहरी सजा सुनाई और उस पर 6.5 लाख रुपए जुर्माना लगाया, जबकि मामले की दूसरी दोषी सिस्टर सेफी को आजीवन कारावास और 5.5 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई। अदालत ने पादरी एवं नन को सिस्टर अभया की हत्या का मंगलवार को दोषी पाया था। यह मामला 21 वर्षीय अभया की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत से संबंधित है। उनका शव 27 मार्च 1992 को सेंट पायस कॉन्वेंट के एक कुएं से मिला था। पादरी और नन को सबूतों से छेड़छाड़ करने के मामले में भी सात-सात साल की सजा सुनाई गई है। अदालत ने हालांकि कहा कि दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी। अभियोजन के मुताबिक, कोट्टूर और पूथ्रीक्कईल का कथित रूप से सेफी से अवैध संबंध था। सीबीआई के आरोप पत्र के मुताबिक, 27 मार्च 1992 की रात को अभया ने कोट्टूर और सेफी को कथित रूप से आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया जिसके बाद आरोपियों ने अभया पर कुल्हाड़ी से हमला किया और उसे कुएं में फेंक दिया। फादर कुट्टूर को आईपीसी की धाराओं 302 और 449 के तहत हत्या और अपराध के लिए अवैध रूप से घर में घुसने के मामलों में आजीवन कारावास की दोहरी सजा सुनाई गई। अदालत ने धारा 302 के तहत पांच लाख और अपराध के लिए अवैध रूप से घर में घुसने के मामले में पादरी पर एक लाख रुपए जुर्माना लगाया। उसे सबूतों से छेड़छाड़ करने के कारण आईपीसी की धारा 201 के तहत सात साल की कैद और 50,000 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई। सिस्टर सेफी को आईपीसी की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई और उस पर पांच लाख रुपए जुर्माना लगाया गया। उसे सबूतों से छेड़छाड़ करने के कारण सात साल कारावास और 50,000 रुपए जुर्माने की सजा भी सुनाई गई। अदालत ने मंगलवार को कहा था कि पादरी और नन के खिलाफ हत्या के आरोप साबित हुए हैं। विस्तृत फैसला अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। दोषी जमानत पर रिहा थे और उन्हें कोविड-19 की जांच कराने के बाद न्यायिक हिरासत में ले लिया गया था। पुलिस ने फादर कोट्टूर को पूजापुरा की केंद्रीय जेल और सिस्टर सेफी को यहां अत्ताकुलनगारा महिला जेल भेजा था। अभया कोट्टयम के बीसीएम कॉलेज में द्वितीय वर्ष की छात्रा थी और कॉन्वेंट में (शेष पेज 9)

तिरुवनंतपुरम में सीबीआई कोर्ट से बाहर आते सजायाफ्ता फादर थामस कोट्टूर

यह था मामला

अभियोजन के मुताबिक फादर थॉमस कोट्टूर के सिस्टर सेफी से अवैध संबंध थे। 27 मार्च 1992 की रात को अभया ने कोट्टूर और सेफी को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। जिसके बाद आरोपियों ने अभया पर कुल्हाड़ी से हमला किया और उसे कुएं में फेंक दिया।

इफको संयंत्र में गैस रिसाव से सहायक प्रबंधक व उप प्रबंधक की दर्दनाक मौत

● 16 अन्य कर्मचारियों की भी तबीयत खराब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली, प्रयागराज, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में फूलपुर स्थित इफको के उर्वरक संयंत्र में अमोनिया गैस के रिसाव की घटना में सहायक प्रबंधक और उप प्रबंधक की मौत हो गई तथा 16 अन्य कर्मचारियों की तबीयत खराब हो गई। कंपनी ने बुधवार को बताया कि हालांकि, रिसाव को जल्द रोक दिया गया और कुछ ही समय में स्थिति सामान्य हो गई। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपए की सहायता का ऐलान किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि गैस रिसाव से 16 अन्य कर्मचारी प्रभावित हुए और इनमें से तीन संविदा कर्मियों समेत 14 लोगों का उपचार विभिन्न अस्पतालों में किया जा रहा है। इन सभी की हालत स्थित है। जबकि दो कर्मचारियों को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। इफको ने कहा, हमारे आपात प्रतिक्रिया समूह, अग्निशमन, सुरक्षा टीम और संयंत्र परिचालन करने वाले कर्मचारियों ने बहादुरी से काम किया और रिसाव को एक छोटे इलाके तक ही सीमिति किया और कुछ समय में ही स्थिति सामान्य हो गई। कंपनी ने कहा कि कार्यकारी निदेशक स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में जांच समिति बनाई गई है जो मंगलवार रात को हुई इस घटना के कारण का पता करेगी। इस बीच, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गैस रिसाव से कंपनी के दो अधिकारियों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दुर्घटना के कारणों की जांच करने के निर्देश भी दिए हैं। इफको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 24 दिसंबर 2020

कृषि कानूनों के विरोध में किसानों का धरना जारी

भाकियू (लोकशक्ति) ने प्रधानमंत्री को खून से लिखा पत्र, किसान आयोग की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर 95 स्थित दलित प्रेरणा स्थल में भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) के नेता और कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान भाकियू लोक शक्ति के नेता और कार्यकर्ताओं द्वारा केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए इन कानूनों के विरोध में अब अपना प्रदर्शन और तेज कर दिया है। वही, भाकियू लोक शक्ति ने अपने खून से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग की है।

इसके अलावा भाकियू लोक शक्ति ने किसान आयोग का गठन करने की भी मांग अब तेज कर दी है। इस मौके पर भाकियू लोक शक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्यौराज सिंह ने बताया कि भाकियू लोक शक्ति द्वारा करीब 4 सप्ताह से दलित प्रेरणा स्थल पर कृषि कानूनों का विरोध कर रहे हैं। केंद्र सरकार की ओर से किसान संगठनों को बातचीत का प्रस्ताव भी भेजा जा रहा है। लेकिन, जब केंद्रीय कृषि मंत्री और कृषि मंत्रालय के अधिकारी बातचीत करने आते हैं तो कोई ठोस एजेंडा लेकर सामने नहीं बैठते हैं।

प्रधानमंत्री को खून से लिखा पत्र दिखाते भाकियू (लोकशक्ति) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्यौराज सिंह। फोटो : दीपक यादव

चौधरी चरण सिंह की जयंती पर किया हवन

नोएडा। केंद्र सरकार के नए कृषि कानूनों के विरोध में चिल्ला बॉर्डर पर धरना दे रहे भारतीय किसान यूनियन भानु के पदाधिकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर हवन का आयोजन किया। चिल्ला बॉर्डर पर पिछले 23 दिनों से भाकियू भानु के पदाधिकारियों द्वारा कृषि कानूनों के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इस मौके पर भाकियू भानु के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह ने बताया कि भाकियू भानु के पदाधिकारी 24 घंटे केंद्र सरकार से बात करने के लिए तैयार हैं।

सांसद आवास घेरने जा रहे कांग्रेसी हिरासत में

- नए कृषि कानूनों का कर रहे थे विरोध

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ ताली और थाली बजाते हुए नोएडा महानगर कांग्रेस के कार्यकर्ता गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ महेश शर्मा के आवास जा रहे थे। नोएडा पुलिस ने सभी लोगों को एपीजे इंटरनेशनल स्कूल के सामने गिरफ्तार कर लिया है। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को थाना सेक्टर-20 ले जाया गया है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि केंद्र सरकार किसानों को तबाह करने में जुटी है। बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री और किसान नेता चौधरी चरण सिंह की जयंती पर सांसद के घर विरोध जाहिर करने जा रहे थे।

नोएडा महानगर कांग्रेस ने को किसान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह की जयंती किसान दिवस पर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने थाली और ताली बजाकर विरोध प्रदर्शन किया। ये लोग प्रदर्शन करते हुए गौतमबुद्धनगर के सांसद के घर सेक्टर 15ए की तरफ जा रहे थे। एपीजे स्कूल के सामने पुलिस गिरफ्तार करके सेक्टर-20 थाने ले गई है। महानगर कांग्रेस के प्रवक्ता पवन शर्मा ने बताया कि यह प्रदर्शन भाजपा की केंद्र के खिलाफ है। सरकार द्वारा पारित किसान विरोधी तीन काले कृषि कानूनों के खिलाफ किया गया है।

गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा के आवास सेक्टर-15ए पर प्रदर्शन करने जा रहे कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को पकड़कर थाने ले जाती पुलिस।

ट्यूबवेल लगाने-रिबोर करने में एक करोड़ के घपले का आरोप

बिना ई-निविदा निकाले जल निगम को कर दिया गया ढाई करोड़ रुपए का अग्रिम भुगतान

- नगर निगम अधिकारियों ने नहीं किया किसी भी मानक का पालन : पार्षद राजेन्द्र त्यागी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

भाजपा के वरिष्ठ पार्षद राजेन्द्र त्यागी ने नगर निगम में नए ट्यवेल लगाने और पुराने ट्यूवेल को रिबोर कराने के मामले में एक करोड़ से अधिक का भ्रष्टाचार का मामला उजागर किया है। उनका आरोप है कि निगम के जलकल विभाग ने दिसंबर में ही 9 टयूवेल रिबोर करने और 1 नया टयूवेल लगाने के मामले में ढ़ाई करोड़ से अधिक का अग्रिम भुगतान कर दिया।

इस मामले में ई-निविदा प्रणाली के मानकों को ताक पर रखा गया। इस भुगतान से निगम को एक करोड़ से अधिक का आर्थिक नुकसान हुआ है। निगम ने यह भुगतान ट्यूवेल लगाने वाली संस्था जल निगम को किया है। जबकि बीते वर्ष जिन ठेकेदारों ने नगर निगम में ट्यूवेल लगाने और रिबोरिंग का काम किया उन्हें नगर निगम ने काम होने के बाद भुगतान किया और जमानत राशि के साथ सभी टेंडर प्रक्रियाओं का पूरा पालन किया।

भाजपा के वरिष्ठ पार्षद राजेंद्र त्यागी ने बुधवार को एक प्रेसवार्ता में कहा कि नगर निगम ने जल निगम को नया ठेका देकर निगम को आर्थिक नुकसान हुआ है। इसमें निविदा प्रक्रिया का पूरी तरह से उल्लंघन किया गया है। उन्होंने बताया कि नगर निगम के जलकल विभाग द्वारा 2020-21 में अब तक 19 ट्यूवेल रिबोर किए गए हैं। इसके लिए जलकल विभाग एक ट्यूवेल लगाने की अनुमानित राशि 18 लाख रुपये निर्धारित करते हुए ई निविदा निकाली गई। ठेकेदारों ने 8 प्रतिशत से 25.85 प्रतिशत तक तक राशि पर टेंडर डाला। इसी तरह तीन नए ट्यूवेल लगाने के लिए 32 लाख रुपये निर्धारित किए गए। इसमें ठेकेदारों ने 5.05 प्रतिशत से लेकर 23.85 प्रतिशत कम तक राशि पर टेंडर डाला। इस टेंडर प्रक्रिया में पूरे मानकों का पालन किया गया। इनमें ठेकेदारों से 10 प्रतिशत धरोहर राशि जमा कराई गई। जबकि शर्तों के अनुसार काम लेट होने पर 100 रुपए प्रतिदिन की दर से अर्थदंड लगाने का प्रावधान किया गया था।

उन्होंने बताया कि इसके उलट इसी महीने नई टेंडर प्रक्रिया में नियमों को ताक पर रखा गया। निगम ने स्थानीय ठेकेदारों की बजाय मेरठ जल निगम को 9 ट्यूवेल लगाने और 1 नया ट्यूवेल लगाने का ठेका दे दिया। इसमें कोई ई-निविदा का पालन नहीं किया गया। यही भ्रष्टाचार की हद पार करते हुए अधिकारियों ने जल निगम को 2 करोड़ 58 लाख 52 हजार का अगिम भुगतान कर भी कर दिया।

नोएडा में कोविड-19 से 80 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

नोएडा। जनपद में बुधवार को कोविड-19 के संक्रमण की वजह से 80 वर्षीय एक वृद्ध की ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई और अब तक कोविड-19 की वजह से 89 लोगों की मौत हो चुकी है, वहीं जिले में संक्रमण के 61 नए मामले सामने आए हैं।

जिला निगरानी अधिकारी डॉक्टर सुनील दोहरे ने बताया कि बुधवार को जनपद में कोरोना संक्रमण की वजह से 80 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मरीज ग्रेटर नोएडा के शारदा अस्पताल में उपचाराधीन थे। दोहरे के अनुसार बुधवार को जिले में संक्रमित 61 मरीज पाए गए हैं और कुल संक्रमितों की संख्या 24,673 हो गई है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 59 मरीज ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं।

फर्नीचर बाजार में आग से करोड़ों का माल राख

दमकल विभाग की 6 गाड़ियों ने 4 घंटे बाद आग पर पाया काबू

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना सेक्टर 39 क्षेत्र में सेक्टर 94 ए स्थित पुराने फर्नीचर के बाजार में बुधवार सुबह आग लग गई जिसमें करोड़ों रुपए का फर्नीचर जलकर खाक होने की आशंका है। एक दमकल अधिकारी ने यह जानकारी दी।

मुख्य दमकल अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार सुबह सूचना मिली कि सेक्टर 94 स्थित पुराने फर्नीचर के बाजार में आग लग गई है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर दमकल विभाग की दर्जनभर गाड़ियां भेजी गईं। उन्होंने बताया कि आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। फर्नीचर मार्केट में आग तेजी से फैल गई थी। उन्होंने बताया कि करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

सिंह के अनुसार आग में करोड़ों रुपए का फर्नीचर जल जाने का अंदेशा है। उन्होंने बताया कि समय रहते दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया, अन्यथा आग और भी भयावह रूप ले सकती थी। सेक्टर 94 ए में पुराने फर्नीचर तथा सामान की दर्जन भर से ज्यादा दुकानें हैं। यहां पर आग लगने की वजह से दिल्ली से कालिंदी कुंज के रास्ते नोएडा आने वाले लोगों को काफी देर तक जाम का सामना करना पड़ा।

फर्नीचर मार्केट में आग बुझाते दमकल विभाग के कर्मचारी। फोटो : दीपक यादव

रावली गांव स्थित तालाब में पड़ा कूड़ा-कचरा।

प्रशासन की लापरवाही से कूड़े का डंपिंग ग्राउंड बना तालाब

- जिलाधिकारी को ग्रामीणों ने लिखा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मुख्यालय से लगभग 14 किमी दूर गांव रावली कलां का पुराना परंपरागत तालाब प्रशासन की लापरवाही के कारण कूड़ा डंपिग का स्थान बन गया है। राज्य सरकार एक तरफ जिले के गिरते जलस्तर को उठाने के लिए पुराने तालाबों को खोजकर उनका जीर्णोद्वार कर रही है। वहीं दूसरी तरफ प्रशासन की लापरवाही के कारण पुराने तालाबों को नासमझ लोगों ने कूड़ा घर में तब्दील कर दिया है।

तालाब का पानी बिल्कुल सूख गया है। वहां केवल जंगली घास और कूडा आदि पड़ा हुआ है। हालांकि तालाब के अस्तित्व को बचाने के लिए प्रशासन ने उसकी चार दीवारी जरूर कर दी है। इस संबंध में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर इस तालाब के अस्तित्व को बचाने का आग्रह किया है।

लोगों ने बताया कि गांव में स्थित तालाब पर लोगों ने अवैध कब्जा करना भी शुरू कर दिया है, जिसके चलते तालाब की सफाई नहीं हुई है। रास्तों में गड्ढे होने के कारण गंदा पानी बीच रास्ते में बह रहा है व घर में घुस रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए तालाबों की सफाई व अतिक्रमण हटाने के अभियान में तालाब से अवैध कब्जे नहीं हटे हैं।

दुष्कर्म के आरोपी किशोर को बाल सुधार गृह भेजा

नोएडा। सेक्टर 9 में रहने वाली 12 वर्षीय किशोरी से कथित बलात्कार के मामले में पुलिस ने बुधवार को आरोपी किशोर को गिरफ्तार कर किशोर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

सेक्टर 20 थाना प्रभारी निरीक्षक आर के सिंह ने बताया कि मंगलवार को एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी 12 वर्षीय बेटी के साथ पड़ोस में रहने वाले 15 वर्षीय किशोर ने दो दिन तक रेप किया। सिंह ने बताया कि पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले में जांच शुरू की और किशोर को गिरफ्तार कर लिया।

फर्जी स्टीकर लगाकर शराब बेचने का आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना दनकौर क्षेत्र में स्थित शराब के एक ठेके पर हरियाणा मार्का शराब पर फर्जी स्टिकर लगाकर यूपी मार्का बनाकर बेचने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को बुधवार को थाना दनकौर पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक अनिल पांडे ने बताया कि आबकारी विभाग ने थाना दनकौर क्षेत्र में स्थित शराब के एक ठेके पर छापा मारा था। उक्त ठेके पर हरियाणा मार्का शराब के ऊपर फर्जी तरीके से यूपी मार्का शराब का स्टीकर लगाकर बेचा जा रहा था। उन्होंने बताया कि घटना के समय पुलिस ने भारी मात्रा में ऐसी शराब बरामद की थी जिसे हरियाणा मार्का से यूपी मार्का बनाया गया था।

उन्होंने बताया कि इस मामले में फरार चल रहे सुंदर पुत्र रामचंद्र को बुधवार को थाना दनकौर पुलिस ने गलगोटिया यूनिवर्सिटी के पास से गिरफ्तार किया है।

बस से हुई डेढ़ लाख की चोरी, दो धरे गए

नोएडा। दिल्ली के कश्मीरी गेट से जनपद गोंडा जा रही एक निजी बस में थाना जेवर क्षेत्र के जेवर टोल के पास हुई डेढ़ लाख रुपए की चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

थाना जेवर के प्रभारी निरीक्षक उमेश बहादुर सिंह ने बताया कि मंगलवार को एक डीलक्स बस कश्मीरी गेट से गोंडा जनपद जा रही थी। जेवर टोल के पास बस चालक ने नाश्ता करने के लिए बस को रोका। सवारियां भी बस से उतर कर नाश्ता कर रहीं थीं, इसी बीच अवधेश नामक व्यक्ति के बैग से डेढ़ लाख रुपए चोरी हो गए।

शासन से नहीं मिल रही एंटीजन किट, बंद हो सकती है जांच

- 10 दिसंबर से सप्लाई है प्रभावित

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

एंटीजन किट के जरिए कोरोना जांच अगले कुछ दिनों में पूरी तरह से बंद हो सकती है। एंटीजन जांच किट खत्म हो चुकी हैं और शासन स्तर से भी किट की सप्लाई नहीं मिल रही है। जो किट बची हैं, उनके जरिए प्रतिदिन 200 से 250 जांच ही जा रही हैं।

अधिकारियों का कहना है कि यदि किट की सप्लाई नहीं मिली तो जिले में केवल आरटी-पीसीआर जांच ही की जाएंगी। पिछले 10 दिनों से एंटीजन किट का जिले में टोटा चल रहा है। जिसके चलते यहां सरकारी स्तर पर की जाने वाली एंटीजन जांच की संख्या को लगातार कम किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से मंडल और शासन से एंटीजन किट की मांग की जा रही है, लेकिन सप्लाई नहीं मिल पा रही। विभागीय सूत्रों के अनुसार शासन स्तर से तो सप्लाई मिल ही नहीं रही है और मंडल मुख्यालय पर स्पेशल वाहन भेजा गया था, जहां से केवल 1000 किट की मिल सकीं। शासन स्तर से जिले में प्रतिदिन 2500 एंटीजन जांच के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन 10 दिसंबर से जिले में एंटीजन किट की सप्लाई नहीं आने से जांच प्रभावित हो रही है।

10 से 17 दिसंबर तक जिले में प्रतिदिन औसतन 1500 एंटीजन जांच की जा रही थीं। किट लगभग खत्म होने पर 18 दिसंबर से जिले में महज 200 से 250 एंटीजन जांच की जा रही हैं।

विभागीय सूत्रों ने बताया कि एंटीजन किट के लिए शासन स्तर पर बात की गई तो कहा गया कि आरटी-पीसीआर जांच की संख्या बढ़ाई जाए। एंटीजन किट मिलने में समय लग सकता है। आशंका जताई जा रही है कि जल्द ही जिले में एंटीजन जांच बंद की जा सकती है। इसके स्थान पर केवल आरटी-पीसीआर जांच ही की जाएंगी। इसमें भी जांच के लिए प्रयोग होने वाली वॉयल भी जिले में सीमित संख्या में ही हैं। वॉयल की सप्लाई भी नहीं मिल पा रही है। अधिकारियों का कहना है कि वॉयल के लिए भी शासन को पत्र लिखा गया है।

भौतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय:** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नं- 23, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली - 110005

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तिय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्जदार/सह-कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा भौतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्जदार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम/ खाता क्र.	सम्पति का विवरण/ भौतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	कन्हाई लाल/ वरुण गुप्ता/ LBGUR00003218096	एफएफ -74, फर्स्ट फ्लोर, एसएस ओमनिया, एसएस सिटी, सेक्टर 86- गुड़गांव 122001 हरियाणा / 21 दिसंबर, 2020	अगस्त 21, 2019 ₹. 1232526/-	दिल्ली / एनसीआर
2.	यतिंदर शर्मा/ LBDEL00002982538	फ्लैट नंबर 2366, 23 वीं मंजिल, महागुनपुरम फेस 2, एमआईजी 1 ब्लॉक कावेरी, ग्राम डासना महरौली, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश / 22 दिसंबर, 2020	जून, 29, 2019 ₹. 2548244/-	दिल्ली / एनसीआर

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह-कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक: दिसम्बर 24, 2020
स्थान: दिल्ली / एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

बंदर पकड़ने के अभियान पर रोक से नाराजगी

सांसद के दखल के बाद वन विभाग ने रद्द किया अनापत्ति प्रमाणपत्र

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

सुल्तानपुर की भाजपा सांसद मेनका गांधी के दखल पर बंदरों को पकड़ने का अभियान रोक दिया गया है। वन विभाग द्वारा मोदीनगरनगरपालिका को सशर्त जारी किया गया अनापत्ति प्रमाणपत्र रद्द कर दिया है।

जो सामाजिक संगठन बंदरों के आतंक से निजात दिलाने के लिए आंदोलन करते आ रहे थे, उन्हें भी नगरपालिका ने पूरी स्थिति से अवगत करा दिया है। बंदर पकड़ने के अभियान पर रोक लगाने पर समाजिक संगठनों- ऊर्जा फाउंडेशन, टीम शक्ति में भारी रोष व्याप्त है।

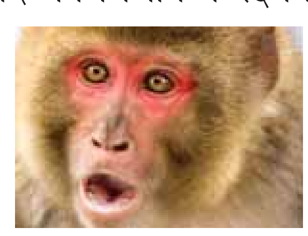

गौरतलब है कि क्षेत्र में बंदरों का आतंक कुछ ज्यादा ही बढ़ने लगा था। पिछले दो-तीन दिन में ही बंदरों ने 20 से ज्यादा लोगों को काट लिया था। यहां तक कि तेल मिल कॉलोनी में आटा चक्की संचालक की बंदर के हमले में जान भी चली गई थी। इसको देखते हुए लोगों ने नगरपालिका पर हंगामा किया था। टीम शक्ति अन्याय निवारण ट्रस्ट की अध्यक्ष एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य डॉ. दीपा त्यागी के नेतृत्व में वन विभाग के कार्यालय पर भी लोगों ने हंगामा किया था। हंगामे को लेकर वन विभाग ने नगरपालिका को सशर्त अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी कर दिया था। नगरपालिका ने बंदरों को पकड़वाने का अभियान शुरू कर दिया था।

इसी बीच सुल्तानपुर की सांसद और पशु, जीव-जंतुओं को बचाने के क्षेत्र में कार्य कर रहीं मेनका गांधी ने इसको लेकर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने वन विभाग द्वारा जारी किए गए अनापत्ति प्रमाणपत्र को भी रद्द करा दिया और अभियान को बंद करने की बात कही। नगरपालिका ने अभियान को तत्काल प्रभाव से रोक दिया।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह की जयंती मनाते सपाई।

किसान दिवस के रूप में मनाई चौ. चरण सिंह की जयंती

गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह की 118वीं जयंती को किसान दिवस के रूप में मनाया। इस मौके पर पार्टी कार्यालय पर जिला अध्यक्ष राशिद मलिक और महानगर अध्यक्ष राहुल चौधरी के नेतृत्व में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष राशिद मलिक ने पार्टी कार्यकर्ताओं से चौधरी साहब के पद चिन्हों पर चलने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक तरफ पूरा देश चौधरी साहब की जयंती मना रहा है वहीं दूसरी तरफ पिछले एक महीने से देश का किसान, देश का अन्नदाता सड़कों पर भूखा प्यासा धरना दे रहा है। कई किसानों की जान जा चुकी है। कई किसान आत्महत्या कर चुके हैं, मगर केंद्र और प्रदेश की सरकार जबरन किसानों पर इन बिलों को थोपने पर आमादा है।

कम्बल वितरित करतीं मेयर आशा शर्मा।

महापौर ने गरीबों को बांटे कंबल और स्वेटर

गाजियाबाद। बढ़ती सर्दी को देखते हुए महापौर आशा शर्मा ने कविनगर स्थित पार्क में गरीब लोगों को कंबल और स्वेटर वितरित किए। इस दौरान महापौर आशा शर्मा ने बताया की इस समय सर्दी बहुत है आपकी सुविधा के लिए यह कम्बल और स्वेटर दिए गए है जिससे कि आप स्वयं एवं अपने परिवार को सर्दी से बचा सकें और सही सलामत रहें। उन्होंने बताया कि आप सभी आसपास मजदूरी करके अपने परिवार का पालन करते हैं लेकिन जब आप कार्य करने जाएं तो सर्दी से बचाव के लिए सही रूप से कपड़े पहनकर कर जाएं। इस दौरान सभी मजदूर लोगों ने महापौर का धन्यवाद कर उत्साह प्रकट किया।

वर्चुअल स्पोर्टस मीट का आयोजन

गाजियाबाद। कोरोना के कारण स्कूलों में अब वार्षिक खेलकूद आयोजित करने की मॉडस -आपरेन्डी प्रबंधकों ने बदल दी है। नर्सरी से लेकर कक्षा आठ के विद्यार्थियों के लिए वर्चुअल स्पोर्टस प्रतियोगिताएं घर पर ही आयोजित कराई जा रही हैं ताकि बच्चो में खेलों के प्रति उत्साह कम न हो। इसी कड़ी में संजयनगर स्थित रामकिशन इन्स्टीटयूट स्कूल परिसर में बुधवार को वर्चुअल स्पोर्टस डे मीट का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूल के अध्यापक व अध्यापिकाओं ने ऑनलाइन आकर विभिन्न खेलों के बारे में दिशा-निर्देश दिए और बच्चों ने ऑनलाइन परफॉर्मेन्स देकर अपने-अपने वर्ग में खेलों का प्रदर्शन किया। इस दौरान रस्सीकूद, योगा, जम्पिंग जैक, पीटी व नृत्य से जुड़े खेल गतिविधियां आयोजित की गई।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

दिल्ली वालों को अगस्त से मिलेंगे ई-हेल्थ कार्ड

सीएम केजरीवाल ने स्वास्थ्य मंत्री समेत अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

- हर मरीज की जनसांख्यिकीय, बुनियादी क्लीनिकल जानकारी प्राप्त की जा सकेगी
- फरवरी 2021 में जारी होगा टेंडर

ई–हेल्थ कार्ड के लिए प्रस्तावित गतिविधियां

इसके तहत वोटर आईडी और जनसंख्या रजिस्ट्री के आधार पर दिल्ली के सभी निवासियों को क्यूआर कोड आधारित ई–हेल्थ कार्ड जारी किए जाएंगे। जिससे प्रत्येक मरीज की जनसांख्यिकीय और बुनियादी क्लीनिकल जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। सभी पात्रों को स्वास्थ्य योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए ई–हेल्थ कार्ड के माध्यम से पूरे परिवार की मैपिंग की जाएगी। निर्बाध सूचना आदान–प्रदान के लिए दिल्ली एचआईएसएस के साथ एकीकरण किया जाएगा। सत्यापन के बाद हर व्यक्ति को क्यूआर कोड के साथ कार्ड बांटे जाएंगे। साथ ही, लोगों के अनुरोध पर संशोधित या डुप्लिकेट कार्ड जारी करने के भी प्रावधान होगा।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रहने वालों को अगस्त 2021 से मिलेंगे ई–हेल्थ कार्ड। इसके तहत लोगों के स्वास्थ्य के डेटा को एकत्रित करने के लिए वेब पोर्टल व मोबाइल एप जैसी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की महत्वाकांक्षी योजना स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली (एचआईएमएस) को अगस्त तक दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों में लागू कर दिया जाए। मरीजों के देखभाल की सभी सेवाएं मसलन अस्पताल प्रशासन, बजट और योजना, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, बैक एंड सेवा और प्रक्रियाओं को इस व्यवस्था के अंदर लाया जाएगा।

ई–हेल्थ कार्ड सिस्टम के माध्यम से जारी किए जाएंगे और ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। घर–घर सत्यापन कर कार्ड बॉंटे जाएंगे। यह पूरी व्यवस्था डिजीटल और क्लाउड पर आधारित होगी। इससे लोगों को एक ही छत के नीचे सभी जानकारी हासिल करने और आपातकालीन मामलों में मदद मिल सकेगी। एचआईएमएस लागू होने के बाद दिल्ली देश का एकमात्र राज्य बन जाएगा, जहां क्लाउड आधारित स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली होगी। मुख्यमंत्री अरविंद केरीवाल ने बुधवार को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री सतेंद्र जैन और विभागीय अधिकारियों के साथ इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली (एचआईएमएस) की समीक्षा की। इसमें एचआईएमएस, स्वास्थ्य कार्ड और स्वास्थ्य हेल्पलाइन की प्रगति पर भी विस्तार से बातचीत हुई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने सीएम को बताया कि तय समय सीमा के अनुसार काम किए जा रहे हैं।

वेंडर का चयन फरवरी 2021 तक कर लिया जाएगा और अगस्त तक इसे लागू कर दिया जाएगा। केजरीवाल ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए कि हेल्थ कार्ड के टेंडर को जल्द से जल्द अंतिम रूप दिया जाए और फरवरी 2021 तक वेंडर का चयन कर लिया जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि इन कार्डों का वितरण जल्द शुरू किया जाए।

सीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अगले साल (2021) के मध्य तक इस मुहीम को अंतिम रूप दिया जाए। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन ने विभाग द्वारा एचआईएमएस, ई–हेल्थ कार्ड और हेल्पलाइन पर तेजी से किए जा रहे काम पर प्रसन्नता और समय सीमा के अंदर इसे पूरा करने के निर्देश दिए।

कोविड के नए स्ट्रेन के फैलाव की आशंका को लेकर सरकार चौकन्नी

- राजधानी में पॉजिटिविटी दर देशभर में सबसे कम 1.14 फीसदी : जैन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि ब्रिटेन से यहां आए लोगों का जोरशोर से पता लगाया जा रहा है और कोविड–19 जैसे कोई भी लक्षण होने पर जांच की जा रही है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि शहर में कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार की स्थिति नियंत्रण में है और जांच में संक्रमण की पुष्टि होने की दर एक प्रतिशत से कम है। जैन ने पत्रकारों से कहा कि ब्रिटेन आने–जाने वाली उड़ानों को निलंबित करना केन्द्र का एक त्वरित कदम था और इससे वहां कोरोना वायरस के एक नए प्रकार (स्ट्रेन) को फैलने से रोकने में मदद मिलेगी। जैन ने कहा, हम अपनी ओर से पूरी तरह सतर्क हैं।

ब्रिटेन से पिछले कुछ दिनों में आए लोगों का जोरशोर से पता लगाया जा रहा है और कोविड–19 का कोई मामूली लक्षण होने पर भी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, एक दल का गठन किया गया है और वह घर–घर जाकर लोगों का पता लगाया जा रहा है और उन्हें (ब्रिटेन से आए लोगों को) पृथक रहने का सुझाव भी दिया गया है। जैन ने मंगलवार को कहा था कि दिल्ली ने कोविड–19 की मुश्किल जंग लड़ी है और यह सुनिश्चित करने के सभी प्रयास किए जाएंगे कि महामारी के प्रबंधन में हासिल की गई प्रगति पूर्व स्थिति में नहीं पहुंच जाए। उन्होंने कहा, दिल्ली में स्थिति नियंत्रण में है और लगातार तीन दिनों से 1000 से कम मामले सामने आए हैं। नमूनों में संक्रमण की पुष्टि होने की दर एक प्रतिशत से भी कम है, जो कि पिछले आठ महीने में सबसे कम है। हम स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए सब कुछ करेंगे।

कोविड–19 के नए प्रकार (स्ट्रेन) के खतरे और दिल्ली सरकार के उससे निपटने की तैयारी के बारे में पूछे जाने पर जैन ने कहा, केवल आईसीएमआर (भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद) और वैज्ञानिक ही इस नए स्ट्रेन के बारे में बता सकते हैं। उनका कहना है कि यह कहीं अधिक तेजी से फैलता है और कुछ वैज्ञानिकों का अनुमान है कि भारत में कोरोना वायरस के प्रसार का स्तर पहले ही नए म्यूटेटिव स्तर तक पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि वायरस के किसी भी स्ट्रेन से बचने का सबसे उचित तरीका मास्क पहनना और सुरक्षा नियमों का पालन करना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने कोविड–19 के टीके के लिए आवश्यक भंडारण गृह तथा साजो–सामान की तैयारी कर ली है और टीकारकण के लिए कर्मचारी भी प्रशिक्षित कर लिए गए हैं।

कोविड-19 टीके के लिए सरकारी अस्पताल तैयार

नई दिल्ली। कोविड–19 का टीका लोगों में लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है।

इस बाबत सरकार ने सरकारी अस्पतालों में कोविड–19 टीके पहुंचने से पहले इनके रखरखाव के लिए फ्रीजर लगाने समेत विभिन्न प्रबंध किए जा रहे है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने हाल ही में कहा था कि भंडारण और ढुलाई से संबंधित तैयारियां चल रही है ताकि टीके उपलब्ध होने पर जल्द से जल्द अगली प्रक्रिया शुरू की जा सके। रोगियों का इलाज कर रहे राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के सूत्रों ने कहा कि कुल 90 फ्रीजर आने हैं जिनमें से अधिकतर पहले ही आ चुके हैं। इसके अलावा, भंडारण के लिए दो तापमान संतुलित बनाए रखने वाले उपकरणों का भी प्रबंध किया गया है। 4,700 वर्ग फुट के क्षेत्रफल वाले अस्पताल के भूतल और प्रथम तल को भंडारण केन्द्र के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।

पीएनबी के चीफ मैनेजर समेत तीन गिरफ्तार

लोन धोखाधड़ी

- कार धोने वाले शख्स के नाम पर फर्जी कंपनी बनाकर 2.5 करोड़ का लोन दिया

तीनों आरोपी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने बैंक लोन में फर्जीवाड़े में पंजाब नेशनल बैंक के पूर्व मुख्य प्रबंधक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों ने मिलीभगत कर कंपनी के फर्जी दस्तावेज पर 2.50 करोड़ रुपये का लोन ले बैंक को चूना लगाया था। इन लोगों की पहचान पूर्व मुख्य प्रबंधक शैलेंद्र कुमार, कार साफ करने वाले सुनील सरकी और ट्रक चालक अंकित सांगवान के रूप में हुई है। शैलेंद्र ने सामान तरीके से कई ठगी कर रखी है। उसके खिलाफ पुलिस में अलग–अलग छह मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अन्य की संलिप्तता की जांच कर रही है।

संयुक्त आयुक्त ओपी मिश्रा के अनुसार पंजाब नेशनल बैंक की तरफ से आर्थिक अपराध शाखा को ठगी की शिकायत मिली थी। इस शिकायत में बताया गया कि सरकी ट्रेडिंग कंपनी के मालिक सुनील ने वर्ष 2013 में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 2.5 करोड़ रुपये का लोन लिया। उसने बताया कि वह कपड़ों का कारोबार करता है। उसने जिस प्रॉपर्टी के दस्तावेज गिरवी रखे थे। वे जांच में फर्जी पाए गए। ना तो उन्हें लोन लेने वाले का बाद में पता चला और ना ही उसकी गारंटी देने वालों का। इसकी वजह से वर्ष 2014 में यह खाता एनपीए हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए इस बाबत नजफगढ़ थाने में वर्ष 2015 में मामला दर्ज किया गया था।

इसकी जांच नवंबर 2018 में आर्थिक अपराध शाखा को सौंपी गई। छानबीन में पता चला कि बैंक के चीफ मैनेजर शैलेंद्र कुमार उपाध्याय को बैंक के कामकाज के बारे में अच्छी जानकारी है। उसने अंकित सांगवान और सुनील के साथ मिलकर इस खाता को खोला और फर्जी दस्तावेजों पर उन्हें लोन दे दिया। उसमें मौजूद सभी क्रेडिट लिमिट लेने के बाद आरोपी फरार हो गए थे। असल में आरोपी सुनील एक दिहाड़ी मजदूर था जो कार सफाई का काम करता था। आर्थिक अपराध शाखा के एसीपी अनिल समोटा की देखरेख में इंस्पेक्टर मुकेश कुमार और एसआई निखिल की टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की।

पुलिस टीम ने इस मामले में बैंक के मुख्य प्रबंधक शैलेंद्र कुमार, ट्रक चालक अंकित सांगवान और कार धोने वाले सुनील को गिरफ्तार कर लिया है। फर्जीवाड़े का साजिशकर्ता मुख्य प्रबंधक है। दूसरा आरोपी अंकित सांगवान सभी फर्जी दस्तावेज तैयार करने में शामिल रहा है। रुपये निकालने की जिम्मेदारी भी उसके पास थी। तीसरा आरोपी सुनील फर्जी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने में शामिल रहा है।

बेकाबू डीटीसी बस ने मारी कई गाड़ियों में मारी टक्कर, तीन गंभीर

नई दिल्ली। मंगोलपुरी इलाके में बुधवार को तेज रफ्तार दिल्ली परिवहन निगम की लो फ्लोर बस ने कई वाहनों में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में उसमें सवार कई लोग भी घायल हो गए। उन्हें संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायलों में दो लोगों की हालत गंभीर है। जानकारी के मुताबिक डीटीसी की बस माजरा डबास गांव से कर्मपुरा जा रही थी। बस मंगोलपुरी वाई ब्लॉक स्थित रोड से गुजर रही थी। तभी चालक ने बस पर अपना नियंत्रण खो दिया। जिससे बस ने दुपहिया वाहन, आटो, जीप, ई–रिक्शा आदि को टक्कर मार दिया हादसे में कई लोग बाल–बाल भी बच गए। दुर्घटना के दौरान मौके पर अफरातफरी मच गई। इस बीच बस चालक मौके से भागने की कोशिश करने लगा तो लोगों ने उसे पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी और बस में भी तोड़फोड़ की। पुलिस ने लोगों को शांत कराकर चालक को गिरफ्तार किया।

ब्रिटेन से आने वाले यात्रियों की जांच और आइसोलेसन की सुविधा दे सरकार: कोर्ट

- पोस्ट कोविड से उत्पन्न परेशानियों के लिए एसओपी बनाने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड–19 के ठीक होने के बाद अकसर देखा गया है कि मरीजों को कुछ अन्य परेशानियों में भी आ रही है। इस बाबत दिल्ली उच्च न्यायालय ने आम आदमी पार्टी सरकार को निर्देश दिया कि एक ठीक हुए मरीजों के लिए मानक संचालन प्रकिया (एसओपी) बनाई जाए और ब्रिटेन से आने वाले यात्रियों की जांच और उन्हें पृथक–वास में भेजने की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। वकील राकेश मल्होत्रा द्वारा दायर की गई जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने यह निर्देश दिया। याचिका में कहा गया था कि राष्ट्रीय राजधानी में कोविड–19 की जांच में वृद्धि की जाए और नतीजे जल्दी दिए जाएं।

सुनवाई के दौरान मल्होत्रा ने अदालत को बताया कि मरीजों की शरीर में कोविड–19 के बाद पैदा होने वाली जटिलताओं के प्रबंधन के लिए कुछ एसओपी होनी चाहिए। इसके बाद पीठ ने दिल्ली सरकार की ओर से पेश हुए वकील सत्यकाम से कहा कि एसओपी बनाई जाए। अदालत ने दिल्ली सरकार की ओर से दिए गए जिलेवार कोविड–19 के आंकड़ों का भी संज्ञान लिया। सरकार संक्रमितों के संपर्क में आने वालों का पता लगाने की प्रक्रिया तेज कर रही है और जिन क्षेत्रों में संक्रमण के मामले अधिक सामने आ रहे हैं वहां ज्यादा निषिद्ध क्षेत्र बना रही है।

कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर बॉर्डर पर बैठे किसानों के परिवार।

कानूनी लड़ाई में आप देगी किसानों का साथ

पायरियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और विधायक राघव चड्ढ़ा ने किसान आंदोलन को लेकर भाजपा नेताओं को घेरा।

उन्होंने भाजपा नेताओं पर किसानों के खिलाफ बयानबाजी और आंदोलन को कलंकित करने की कोशिश का आरोप मढ़ा। साथ ही आप की तरफ से ऐलान किया कि जो भी किसान भाजपा नेताओं के झूठे आरोपों के खिलाफ कोर्ट में जाना चाहते हैं। आम आदमी पार्टी उनकी इस कानूनी लड़ाई में हर कदम पर मदद करेगी। राघव चड्ढ़ा ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि तीनों नए कृषि कानूनों की वजह से किसान परेशान और आहत हैं।

मोदी सरकार ने किसानों की खेती, उनकी पूरी आजीविका को बर्बाद करने का मसौदा पूरे देश में लागू कर दिया है। जिसके चलते देश के किसानों ने दिल्ली आकर प्रदर्शन करने का फैसला किया। जब किसान अपनी बात रखने के लिए राजधानी की तरफ बढ़ा तो उसके साथ दुश्मन की तरह व्यवहार किया गया। उन पर आंसू गैस के गोले छोड़े गए, पानी की बौछारें फेंकी, डंडे बरसाए, सड़कें खोद दी गईं।

इसके बाद भी बहादुर किसान सीमाओं पर आकर डट गए। उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन शुरू किया, तो भगवा पार्टी के नेताओं ने उन्हें अपमानित करना शुरू कर दिए। पार्टी के नेता लगातार आरोप लगा रहे हैं कि उन्हें कनाडा, पाकिस्तान से फंडिंग हो रही है।

आंदोलन के साथ-साथ बॉर्डर पर बच्चे करतब कर लोगों का मनोरंजन करते हुए।

लोक गायक बढ़ा रहे किसानों का हौसला

नई दिल्ली। *टीकरी बॉर्डर पर किसान आंदोलन स्थल पर हरियाणा की तरफ रोजाना लोक गायक गीतों के जरिए संघर्ष की कहानियां बयां कर रहे हैं और प्रदर्शनकारी किसानों का हौसना बढ़ा रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग पर छोटी सी जगह में एक अस्थाई मंच बनाया गया है, जहां हरियाणवी गायकों का समूह हर दिनर अपने गीत संगीत के माध्यम से उनका मनोरंजन भी करते हैं। हिसार से आए स्थानीय लोक कलाकार रामदिया कोट प्रदर्शन स्थल पर पिछले 10 दिन से अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने अपने प्रेरणास्रोत जाट मेहर सिंह द्वारा लिखा गया हरियाणवी गीत किसान प्रस्तुत किया था। अन्य कलाकारों ने गढ़वा (मिट्टी के पात्र), पट्टा (चमड़े का टुकड़ा) इत्यादि बजाकर उनका साथ दिया। रामदिया ने कहा, किसी भी आंदोलन में कला और संगीत ने अहम भूमिका निभाई है। हरियाणा से आए हम कलाकार किसानों के समर्थन में खड़े हैं। वे भी किसानों की संतान हैं क्योंकि वे लोगों का पेट भरते हैं। आज उन्हें अपने ही देश में धरने पर बैठना पड़ रहा है। सरकार को उनकी बात सुननी चाहिए। जाट मेहर सिंह ने जब जमींदारों के दमन के खिलाफ गीत लिखे थे तब उन्होंने भविष्य देख लिया था कि अन्य शोषण करने वाले खेती की जमीन ले जाएंगे। उनके गीत हमें प्रेरणा देते हैं और वह अपने गाने से प्रदर्शन कर रहे किसानों को प्रेरित करना चाहते हैं।*

युवक ने शादी करने की जगह प्रदर्शन को दी तरजीह

नई दिल्ली। सतनाम सिंह को यूएई में उसकी कंपनी से दो साल के बाद दो महीने की छुट्टी मिली। वह भारत शादी करने आया था, लेकिन यहां आकर उसकी योजना बदल गई।

सिंह को 29 नवंबर को पंजाब के जालंधर जिले में अपने घर पहुंचने के बाद पता चला कि उसके बड़े भाई और उसके गाँव के किसान तीन कृषि कानून के खिलाफ सिंघू बॉर्डर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं 29 वर्षीय सतनाम ने अपने माता–पिता के साथ सिर्फ दो दिन बिताए, एक नई मोटरसाइकिल खरीदी और एक दोस्त के साथ दिल्ली–हरियाणा सीमा के लिए निकल पड़े। अबू धाबी की एक कंपनी में प्लम्बर का काम करता है।

12 कॉलेजों का बकाया वेतन जारी, मिले 68.75 करोड़ रुपए

- शिक्षक संघ ने पिछले दिनों डिप्टी सीएम से की थी मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के वित्त पोषित 12 कॉलेजों का बकाया और मौजूदा वेतन जारी कर दिया गया है। दिल्ली सरकार ने इसके लिए 68.75 करोड़ रुपये की ग्रांट जारी किया। इसमें मूलरूप से 3 महीने का वेतन और अडजेसमेंट की अलग ग्रांट है।

दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन के प्रभारी प्रोफेसर हंसराज सुमन ने बताया है कि उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया से जब डीटीए का प्रतिनिधि मंडल मिला था तो उन्होंने आश्वासन दिया कि जिन कॉलेजों में दिल्ली सरकार की गवर्निंग बॉडी बन गई है। इसके अलावा दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन जिन 6 कॉलेजों में उनके सदस्यों के नामों को भेज देगा उन कॉलेजों को सरकार की ओर से ग्रांट / सैलरी रिलीज कर दी जाएगी। सुमन को उन्होंने बताया कि जिन कॉलेजों को ग्रांट रिलीज की जा रही हैं उनमें भीमराव अंबेडकर कॉलेज, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, इंदिरा गांधी फिजिकल एजुकेशन, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, भाष्कराचार्य कॉलेज, आचार्य नरेंद देव कॉलेज , महर्षि वाल्मीकि कॉलेज , केशव महाविद्यालय ,दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज , भगिनी निवेदिता कॉलेज ,अदिति महाविद्यालय ,शहीद सुखदेव कॉलेज है। शिक्षक संगठन दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन (डीटीए) के पदाधिकारी पिछले दो सप्ताह से ग्रांट रिलीज कराने की मांग को लेकर दिल्ली के कई मंत्रियों और सोमवार को आप पार्टी के राज्यसभा सांसद श्री सुशील कुमार गुप्ता से उनके निवास पर प्रभारी प्रोफेसर हंसराज सुमन व उपाध्यक्ष डॉ. नरेंद्र कुमार पांडेय के नेतृत्व में मिला था।

सुबह के घने कोहरे बीच जारी है ठंड का प्रकोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दिल्ली में बुधवार सुबह शहर के कुछ हिस्सों में कोहरा छाने के साथ ही न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आईएमडी के एक अधिकारी ने बताया कि मध्यम कोहरा छाने से सफदरजंग में दृश्यता 201 मीटर और पालम में 350 मीटर दर्ज की गई। आईएमडी के अनुसार शून्य से 50 मीटर के बीच दृश्यता होने पर कोहरा बेहद घना , 50 से 200 मीटर के बीच घना , 201 से 500 के मीटर के बीच मध्यम और 501 से 1000 के बीच दृश्यता होने पर कोहरे को हल्का माना जाता है। आईएमडी के अनुसार सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम चार डिग्री सेल्सयस दर्ज किया गया। वहीं लोधी रोड मौसम केन्द्र में न्यूनतम तापमान 3.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पश्चिमी विक्षोभ के हिमालय के ऊंचाई वाले इलाकों को प्रभावित करने के कारण सोमवार और मंगलवार को न्यूनतम तापमान मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई थी।

आईएमडी के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केन्द्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, पश्चिमी विक्षोभ लौट चुका है। इसलिए तापमान में फिर गिरावट दर्ज की जा रही है। दिल्ली में अगले तीन दिनों तक शीतलहर चलने का भी पूर्वानुमान है। तापमान के शुक्रवार को तीन डिग्री सेल्सियस पर पहुंचने का भी अनुमान है।

जन रसोई में एक रुपए में परोसा जाएगा भोजन

गणतंत्र दिवस के मौके पर दिल्ली के अशोक नगर में पहला भोजनालय खुलेगा

- गौतम गंभीर ने अपने संसदीय क्षेत्र में दस जन रसोई खोलने की बनाई योजना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के जरूरतमंदों की मदद के लिए पूर्वी दिल्ली के सांसद गौतम गंभीर आगे आए है। उनके संसदीय क्षेत्र में एक रुपए में दोपहर का भोजन दिया जाएगा। रसोई की शुरूआत गणतंत्र दिवस पर होगी और पूर्वी दिल्ली की सभी दस विधानसभाओं में एक–एक भोजनालय बनाने की योजना है। गंभीर ने कार्यालय ने कहा कि वह बृहस्पतिवार को गांधी नगर में पहले भोजनालय की शुरुआत करेंगे, जिसके बाद गणतंत्र दिवस पर अशोक नगर में भी ऐसा ही भोजनालय खोला जाएगा। गंभीर ने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि जाति, पंथ, धर्म और वित्तीय हालात से परे सभी को स्वस्थ और स्वच्छ भोजन करने का अधिकार है। यह देखकर अफसोस होता है कि बेघर और बेसहारा लोगों को दिन में दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं हो पाती। गंभीर ने पूर्वी दिल्ली के दस विधानसभा क्षेत्रों में कम से कम एक जन रसोई भोजनालय खोलने की योजना बनाई है।

सांसद के कार्यालय की ओर से बयान में कहा गया है, देश के सबसे बड़े थोक कपड़ा बाजारों में शुमार गांधी नगर में खोली जाने वाली जन रसोई पूरी तरह आधुनिक होगी, जिसमें जररूतमंदों के एक रुपए में भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। बयान के अनुसार इसमें एक समय में 100 लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी लेकिन कोविड–19 महामारी के चलते केवल 50 लोगों को ही बैठने की अनुमित दी जाएगी। दोपहर के भोजन में चावल, दालें और सब्जी दी जाएगी। इस परियोजना का वित्तपोषण गौतम गंभीर फाउंडेशन तथा सांसद के निजी संसाधनों से किया जाएगा और सरकार की मदद नहीं ली जाएगी।

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (प्रोजैक्ट-II) पश्चिम जोन
डाबरी फ्लाईओवर के नीचे (स्पैन सं. 3 से 5), पंखा रोड, नई दिल्ली-110058
एनआईटी सं. : ई.ई.(प्रोजैक्ट-II)डब्ल्यूजैड/टीसी/2020-21/06 दिनांक : 22.12.2020
निविदा आमंत्रण सूचना
आयुक्त, दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की ओर से ईई (पीआर.-II) डब्ल्यूजैड द्वारा दो लिफाफा प्रणाली के अंतर्गत निगम के साथ पंजीकृत ठेकेदारों तथा पात्रता मापदण्ड पूरा करने वाले निगम के साथ पंजीकृत नहीं ठेकेदारों से भी पश्चिम जोन में सुभाष नगर सामुदायिक हॉल पर मल्टीलेवल भूमिगत कार पार्किंग का निर्माण तथा भूमिगत कार पार्किंग के ऊपर सामुदायिक हॉल का निर्माण। (उप शीर्ष : शेष सिविल एवं विद्युत कार्य) के कार्य हेतु ऑनलाइन खुली निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। कार्य की अनुमानित लागत रु. 10,63,34,334/- है।
विस्तृत एनआईटी, समय कार्यक्रम, पात्रता मापदण्ड तथा अन्य नियमों एवं शर्तों अथवा कार्यक्रम में किसी परिवर्तन/शुद्धि पत्र एमसीडी पोर्टल : www.tenderwizard.com/SOUTHDMCETENDER तथा http://www.mcdonline.gov.in/tri/sdmc_mcdportal/ पर देखा जा सकता है।
आर.ओ. नं. 56/डीपीआई/दक्षिणी/2020-21 ईई(प्रोजैक्ट-II)डब्ल्यूजैड

कला और कलाकारों को खत्म कर रही केंद्र सरकार: त्रिखा

ओपन यूथ फेस्टिवल में नाटकों की समय सीमा कम करने से कलाकारों में भारी रोष

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विश्व दीपक त्रिखा

प्रसिद्ध एवं वरिष्ठ रंगकर्मी विश्वदीपक त्रिखा ने कहा कि सरकार कला व कलाकारों को खत्म करने पर तुली हुई है। खेल एवं युवा विभाग कार्यक्रम द्वारा आयोजित होने वाले यूथ फेस्टिवल में समय कटौती करके सरकार ने कला व कलाकारों के साथ खिलवाड़ किया है।

विश्वदीपक त्रिखा ने कहा कि खेल एवं युवा विभाग हरियाणा सरकार द्वारा हर साल ओपन यूथ फेस्टिवल युवा समारोह आयोजित किया जाता रहा है। जिसमें कला क्षेत्र में कदम रखने वाले प्रतिभागियों को एक अच्छा मंच मुहैया होता था। जिसके माध्यम से वे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर पाते थे। लेकिन मौजूदा सरकार इस यूथ फेस्टीवल के लिए तरह-तरह की गाइडलाइंस जारी कर इसके महत्व को ही खत्म करने पर उतारू है। उन्होंने कहा कि इस बार सरकार द्वारा युवा महोत्सव को ऑनलाइन करने की गाइडलाइंस विभाग ने जारी की हैं। जिससे जितने भी आइटम्स इस युवा महोत्सव में प्रस्तुत किए जाएंगे उनमें थिएटर यानी रंगमंच को एक मजाक बना दिया गया है।

उन्होंने बताया कि जारी गाइडलाइंस के अनुसार नाटक प्रस्तुति की जो अवधि अब रखी गई है, वो सिर्फ चार मिनट की है। जबकि यह अवधि पहले 30 से 45 मिनट तक हुआ करती थी। इतने कम समय में कोई भी नाटक प्रस्तुति नहीं हो पायेगी। जिससे यह यूथ फेस्टिवल मजाक का पात्र बन जायेगा।

नगर परिषद की सड़कों पर 25 लाख में लगेंगे ब्रेकर्स

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

यातायात में बाधा बनने वाले कोहरे और अंधेरे में सड़क हादसे रोकने को लिया निर्णय

नगर परिषद की सड़कों पर अब तेज गति से चलने वाले वाहनों पर लगाम लगेगी। परिषद ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों से लेकर स्कूल, सरकारी कार्यालय और अधिक आबादी वाले क्षेत्र में सड़कों के ऊपर स्पीड ब्रेकर लगाने की योजना तैयार की है। जिस को अमलीजामा पहनाने पर करीब 25 लाख रुपये खर्च होंगे।

सोहना नगर परिषद ने सर्दी के मौसम में यातायात में बाधा बनने वाले कोहरा व रात के अंधेरे में सड़क हादसे न हो। वाहन अधिक तेज गति से परिषद सीमा क्षेत्र में न दौड़े। इसके लिए परिषद ने अपने ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में रिफ्लेक्टर स्पीड़ ब्रेकर लगाने की योजना तैयार की है। अधिक भीड़भाड़ वाले क्षेत्र, स्कूल, धार्मिक स्थल के आस-पास स्पीड ब्रेकर लगाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

फर्रूखनगर को उपमंडल का दर्जा दिलाने की मांग पकड़ रही जोर

फर्रूखनगर। ऐतिहासिक शहर फर्रूखनगर को उपमंडल का दर्जा दिलाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। स्थानीय लोगों की माने तो फर्रूखनगर का गौरवमय इतिहास होने के बावजूद भी उन्हें उपेक्षा का दंश झेलना पड़ रहा है। फर्रूखनगर को विधानसभा का दर्जा मिलना चाहिए था, लेकिन अभी तक उसे उपमंडल का दर्जा भी नहीं दिया गया है। क्षेत्र को उप मंडल का दर्जा दिलाने के लिए क्षेत्रवासी शीघ्र की मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, गुरुग्राम के सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह, राजस्थान से राज्य सभा सांसद भूपेंद्र यादव, हल्का बादशाहपुर के विधायक एवं कृषि उद्योग के चेयरमैन राकेश दौलताबाद, पटौदी विधायक सत्यप्रकाश जरावता के नाम ज्ञापन सौंप कर मांग करेंगे। ताकि क्षेत्र के लोगों को न्याय के लिए लम्बा सफर तय न करना पड़े। उपमंडल बनने से क्षेत्र के विकास का चार चांद लग जाएंगे। युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। जिला पार्षद राव विजय पाल संटी, किसान नेता राव मानसिंह, पूर्व नगर पार्षद नीरू शर्मा, राव बाल किशन ताजनगर, पूर्व सरपंच राव बिरेंद्र सिंह खैंटावास हरिनगर, राव अजीत सिंह चंदू आदि का कहना है कि फर्रूखनगर शहर का अपना एतिहासिक गौरव है। अंग्रेजी शासन के दौरान फर्रूखनगर शहर व क्षेत्र के रणबाकुरों ने अपने बहादुरी का परिचय देते हुए अंग्रेजी हुकमरानों का न केवल विरोध किया, बल्कि उनका डट कर मुकाबला किया और 1857 का गदर इस बात का साक्षी है। फर्रूखनगर शहर के साथ 53 ग्राम पंचायतें और करीब 500 छोटी बड़ी ढाणियां जुड़ी हुई हैं। क्षेत्र करीब ढाई लाख की आबादी को अपनी गोद में समेटे हुए हैं। प्राचीन काल में क्षेत्र में युद्ध के लिए भाले, बंदूक, तलवार, तीर आदि हथियार तो बनाये जाते ही थे। वहीं यहां का बना नमक पूरे देश में रेल के माध्यम से सप्लाई किया जाता था। फर्रूखनगर दिल्ली के बीच अंग्रेजी हुकूमत के दौरान ही नमक के व्यापार को बढ़ावा देने के लिए रेल गाड़ी भी चलाई गई थी। इस रेल मार्ग पर अब यात्री गाड़ी के अलावा नामी कम्पनियों की बनी कार, बाइक को दूसरे राज्य में भेजने के लिए मुख्य केंद्र बिंदू बनाया हुआ है। रेल गाडी से कार, बाइक को भेजा जाता है। इतना ही नहीं क्षेत्र के अधिकांश लोग कृषि पर निर्भर, यहां मुड्ढे बनाने के कारण यह हस्तकला का केंद्र बिंदू भी है।

मलेरिया रोगियों की पहचान को घर-घर जाकर सर्वे होगी

सोहना। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. सुधा यादव ने स्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों घर-घर जाकर सर्वे करने के निर्देश जारी किए है। हेपेटाइटिस बी और सी के रोगियों की पहचान करने को भी कहा गया है। बुधवार को नागरिक अस्पताल के प्रशिक्षण हाल में जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. सुधा यादव ने मलेरिया की रोकथाम के लिए बैठक ली। इस बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घंघौला के प्रभारी डॉ. विकास स्वामी, नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉ. नवल किशोर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भोंडसी से डॉ. निधि व पलड़ा से डा. नूतन समेत आशा वर्कर्स, एमपीडब्ल्यूएस कर्मचारी, एएनएम आदि ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. सुधा यादव ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को मलेरिया रोगियों की खोज के लिए घर-घर जाकर सर्वे करने के निर्देश दिए है। उन्होने कहा कि मलेरिया के साथ-साथ हेपेटाइटिस बी-सी का भी सर्वे करे। ताकि इसके रोगियों को समय पर उचार मिल सके। मलेरिया के नागरिक अस्पताल में होने वाले टेस्टों की रिपोर्ट रोगी को समय पर दी जाए। ताकि रोगी को सही समय पर उपचार दिया जा सके। डॉ. सुधा यादव ने कहा कि 2021 में मलेरिया को जड़ से समाप्त करने की अभी से तैयारी शुरु करके। इस वर्ष कोविड-19 के कारण मलेरिया पर अधिक ध्यान नहीं दिया जा सका।

अपहरण कर दुष्कर्म करने में दो नामजद

पलवल। किशोरी का दो युवक अपहरण कर जंगल में ले गए और दोनों ने दुष्कर्म किया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार हथीन उपमंडल के एक गांव निवासी 14 वर्षीय लड़की ने पुलिस को शिकायत दी है कि वह शाम साढ़े सात बजे घर से शौच के लिए निकली थी। उसी दौरान गांव निवासी तोहिद व उसका एक अन्य साथी आए और जबरन उसे बाइक पर बिठाकर जंगल में नहर के किनारे झाडियों में ले गए। वहां दोनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया, जिससे वह बेहोश हो गई। रात करीब एक बजे जब उसे होश आया तो उसका भाई उसे घर लेकर आया। पीड़िता ने थाने आकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत पर दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली लड़कियां होंगी सम्मानित

गुरुग्राम। महिला एवं बाल विकास विभाग हरियाणा द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली लड़कियों को सम्मानित करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिसके लिए अलग-अलग श्रेणियां बनाई गई हैं। जिला में इच्छुक व्यक्ति आवेदन करने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग गुरूग्राम के विकास सदन स्थित कार्यालय में 30 दिसंबर 2020 को सायं 5 बजे तक संपर्क कर सकता है। महिला एवं बाल विकास विभाग गुरूग्राम की जिला कार्यक्रम अधिकारी सुनैना ने बताया कि पुरस्कार के तहत आवेदन के लिए लड़कियों की अलग-अलग श्रेणी बनाई गई है। लड़कियों के लिए बनाई गई श्रेणियों में खेल, सांस्कृतिक, सामाजिक क्षेत्र, मीडिया एंड लिटरेचर, बहादुरी, दिव्यांग बच्चों द्वारा शिक्षा, सांस्कृतिक, सामाजिक, मीडिया तथा बहादुरी आदि क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्य शामिल हैं। इसी प्रकार चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूशन्स की लड़कियों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को भी शामिल किया गया हैं। चयनित लड़कियों को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं मे लड़कियों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए भी अलग-अलग श्रेणियां आवंटित की गई हैं। उन्होंने बताया कि स्पॉट पेंटिंग के लिए लड़कियों की आयु अनुसार चार श्रेणियां- 4 वर्ष से 6 वर्ष, 6 वर्ष से 10 वर्ष, 10 वर्ष से 14 वर्ष, 14 वर्ष से 18 वर्ष आदि बनाई गई हैं। योग्य उम्मीदवार फार्म प्राप्ति तथा अधिक जानकारी के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग गुरूग्राम के विकास सदन, प्रथम तल स्थित कार्यालय में संपर्क कर सकता है।

पीले पंजे ने दो पक्के मकान व पशु बांधने का स्थान ढहाए

पंचायत विभाग ने हरियाहेड़ा में अवैध कब्जा हटाया

विभाग ने पंचायत के पक्ष में फैसला आने के बाद अवैध कब्जों को पुलिस की मौजूदगी में ढहाकर हटाया

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

पंचायत विभाग का पीला पंजा गांव हरियाहेडा में जेसीबी से पंचायती जमीन से अवैध कब्जा हटाते हुए।

पंचायत विभाग की तरफ से गांव हरियाहेडा में पंचायती जमीन पर रहे अवैध कब्जों को जेसीबी से हटाया गया। कब्जा हटाने के दौरान पक्के मकान और पशु शैड़ समाप्त ढहा दिए गए। बुधवार को पंचायत विभाग की टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में गांव हरियाहेडा की पंचायती जमीन पर हो रहे अवैध कब्जों का सफाया किया। जिसमें दो पक्के मकान और पशु बांधने के स्थान बनाए हुए थे। जिन्हे पीला पंजा चलाकर साफ किया और ग्राम पंचायत का कब्जा तुरन्त प्रभाव से किया गया।

बीडीपीओ प्रमेन्द्र सिंह ने बताया कि उक्त जमीन पर ग्रामीणों ने कब्जा कर रखा था। जिसको लेकर ग्रामीणों ने अदालत में भी याचिका दायर की थी। लेकिन अदालत का फैसला आने के साथ ही पंचायत विभाग ने पंचायत के पक्ष में फैसला आने के बाद अवैध कब्जों को समाप्त किया गया। उन्होंने ने बताया कि कब्जा हटाने का कार्य शांतिपूर्ण तरीके से चला।

ड्यूटी जा रहे बीएसएफ जवान की सड़क हादसे में मौत

गुरुग्राम। घर से ड्यूटी पर जा रहे बीएसएफ के जवान की सड़क दुर्घटना में लगी चोटों के चलते मृत्यु हो गई। बीएसएफ का जवान स्कूटी पर सवार था। अज्ञात वाहन केएमपी पर पटौदी टोल के निकट स्कूटी को टक्कर मार कर फरार हो गया था। अस्पताल में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। पुलिस ने मृतक के चचेरे भाई के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस को दिए बयान में अमरदीप पुत्र निरंजन निवासी बांस लाम्बी ने बताया कि दीवान सिंह पुत्र प्रताप सिंह निवासी खेतियावास उसके मामा का लड़का है। जो एचसी दीवान सिंह बीएसएफबटालियन सिंहपुरा बारामुला में तैनात था। जो सरकारी डयूटी बीएसएफ मुख्यालय दिल्ली आया हुआ था। 20 दिसम्बर को दोपहर दो बजे गांव से डयूटी दिल्ली मुख्यालय डाक लेने के लिए स्कूटी पर केएमपी सुपर एक्सप्रेस-वे के उपर से दिल्ली जा रहा था। उसके पीछे वह अपनी बाइक से जा रहा था। जब वह पटौदी टोल के समींप पहुंचे तो एक तेज रफ्तार वाहन ने दीवान सिंह की स्कूटी को टक्कर मार दी।

एटीएम: किसी में कैश नहीं तो कोई आउट ऑफ सर्विस

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जनता को एटीएम की सुविधा से वंचित रख रहे अधिकतर बैंक

शहर में बैंकों के एटीएम में कैश की रोजाना किल्लत बनी रहती है। बैंकों द्वारा एटीएम में कैश डालने से परहेज किया जा रहा है। शहर के अधिकांश एटीएम में कैश नहीं होता और एटीएम प्रबंधन द्वारा उन्हें आउट ऑफ सर्विस करके उपभोक्ताओं को दिगभ्रमित करने का प्रयास किया जाता है। कहने को तो जिला प्रशासन समय-समय पर बैंकर्स की बैठक लेता है, लेकिन इस मूल समस्या, परेशानी की ओर किसी का ध्यान नहीं जाता।

शहर में सभी बैंकों के जगह-जगह पर सैंकड़ों एटीएम हैं। इन एटीएम पर हमेशा कैश का संकट बना रहता है। विशेषकर शहर के बाहरी क्षेत्रों और बाजार के आसपास लगे एटीएम में कैश की किल्लत रहती है। अधिकांश एटीएम में तो स्थायी बोर्ड बनाकर रखे गए हैं। उन पर आउट ऑफ सर्विस लिखा होता है। एटीएम के गार्ड उन बोर्ड को एटीएम की स्क्रीन पर लगा देते हैं। बहुत से एटीएम पर ऐसे बोर्ड देखे जा सकते हैं। जिन एटीएम में गार्ड नहीं हैं, उनकी स्क्रीन पर बैंक की ओर से आउट ऑफ सर्विस लिखा जाता है। यानी एटीएम में कैश नहीं होने के कारण लोग इधर से उधर भटकते रहते हैं। बाजार में आने वालों को भी अधिक परेशानी होती है। हर काम डिजिटल ट्रांजेक्शन से नहीं होता। बहुत से दुकानदार डिजिटल ट्रांजेक्शन से बच रहे हैं।

बिजली कर्मियों ने बिजली बिल-2020 के विरोध में किया विरोध-प्रदर्शन

बिजली बिल-2020 को रद करने की मांग करते बिजली निगम कर्मचारी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

बिजली निगम कर्मचारियों ने बिजली बिल 2020 को रद किए जाने की मांग करते हुए दे घंटा का विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए नये कृषि कानून को भी रद किए जाने की मांग की है। बुधवार को बिजली निगम के कर्मचारियों ने ऑल हरियाणा पावंर कार्पोरेशन वर्कर्स यूनियन के तत्वावधान में यूनिट प्रधान विजय पाल की अध्यक्षता में बिजली बिल 2020 के विरोध में प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन निगम के एक्सइएन कार्यालय परिसर में किया।

इस अवसर पर यूनियन के वरिष्ठ पदाधिकारी देवीसिंह पावंर, बिजेन्द्र सिंह फोगार्ड, उमेश खटाना, रामलाल शर्मा, बलराज गुप्ता, सतबीर यादव, सुशील कुमार छौकर, प्रेमपाल, जयराम समेत करीब 80 कर्मचारियों ने इस विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने निगम द्वारा लाया जा रहा बिजली 2020 का कड़ा विरोध जताते हुए रद् करने की मांग की है। आज की अध्यक्षता कर रहे विजय पाल ने बताया कि निगम के नये कानून में उपभोक्ताओं को दर से अधिक बिल का भुगतान करना पड़ेगा।

निगम का कार्य निजी हाथों में चला जाएगा। कर्मचारियों को बेरोजगार कर दिया जाएगा। निगम में युवाओं को रोजगार मिलने का अवसर समाप्त हो जाएगा।

किसानों का समर्थन, कानून का विरोध

यूनियन के वरिष्ठ नेता देवीसिंह पवार ने बताया कि यूनियन किसानों के साथ हर कदम पर खड़ी है। देश के कमेरे वर्ग को यदि बिजली कर्मचारियों की कुर्बानी की जरुरत पड़ती है। उसके लिए निगम के कार्मचारी पीछे नहीं रहेंगे। अपनी मांगों को लेकर दिल्ली की सीमाओं पर ठहरे किसान को आंच नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र की सरकार को नया कृषि कानून रद करना ही पड़ेगा।

अधूरी जानकारी से किसानों बिलों पर भ्रम की स्थिति : डॉ सत्यप्रकाश

ऑनलाइन वेबिनार में किसानों को जागरूक किया

एमवीएन विश्वविद्यालय में किसानों को ऑनलाइन जागरूक करते विशेषज्ञ।

पलवल। एमवीएन विश्वविद्यालय के कृषि संकाय व विधि संकाय विभाग में ऑनलाइन किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष में देश भर में मनाया जाता है। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डायरेक्टर जनरल ऑफ हॉर्टिकल्चर डॉ अर्जुन सिंह ने किसानों को बताया कि किस प्रकार सब्जी उत्पादन कर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।

डॉ सैनी ने बताया कि देश की इकोनॉमी में किसान एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के पूर्व विधि संकाय अध्यक्ष डॉ सत्यप्रकाश ने चौधरी चरण सिंह के जीवन पर प्रकाश डाला। चौधरी चरण सिंह ने किसान ट्रस्ट की स्थापना की। इस अवसर पर डॉ सचिन कुमार जैन, डॉ रामचंद्र सहायक प्राध्यापक अमर सिंह कॉलेज लखावटी ने किसानों को बताया कि किसान किस प्रकार समय पर रसायन और जैविक उत्पादों का उचित उपयोग करके अपनी फसल को बचा सकते हैं।

टेलीमेडिसिन और प्रैक्टो ने राइज़ ऑफ टेलीमेडिसिन-2020 रिपोर्ट पेश की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी के फैलते प्रकोप में मरीजों को तत्काल चिकित्सा मुहैया कराने की जरूरत ने अस्पतालों और मेडिकल संस्थानों को स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं मुहैया कराने के अपने पूरे सिस्टम में हालात के अनुसार बदलाव के लिए प्रेरित किया। इसका मकसद मरीजों को स्वास्थ्य रक्षा की अधिकतम सेवाएं प्रदान करना और संक्रमण के जोखिम को कम से कम करना था। कोरोना महामारी ने भारत में टेलीमेडिसिन की परंपरा को बढ़ावा दिया।

संक्रमण के जोखिम को कम किया। इसने कोरोना के बाद के समय में नए-नए इनोवेशन से लैस मरीजों पर केंद्रित स्वास्थ्य रक्षा प्रणाली की आधारशिला रखी। महामारी फैलने के बाद टेलीमेडिसिन के क्षेत्र में तेजी से हुई बढ़ोतरी के आधार और कारणों का पता लगाते हुए प्रैक्टो और टीएसआइ की इस रिपोर्ट को टेलीमेडिकॉन 2020 में पेश किया गया। रिपोर्ट में इस बढ़ोतरी के पीछे के प्रमुख कारणों और इसके दीर्घकालिक लाभों को फिर से व्यवस्थित करने का प्रयास किया गया। इस रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए, कर्नल (डॉ.) अश्विनी गोयल, प्रेसिडेंट, टेलीमेडिसिन सोसायटी ऑफ इंडिया ने कहा, पिछले कुछ महीनों में टेलीमेडिसिन में जो उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली है, वह उत्साहवर्धक है। बेहद कम समय में, डिजिटल हेल्थ स्पेस काफी विकसित हुआ है। ऑनलाइन कंसल्टेशन दुनियाभर में हेल्थकेयर डिलीवरी सिस्टम की रीढ़ की हड्डी बन गया है। इस महामारी ने भविष्य की स्वास्थ्य रक्षा सेवाओं के प्रति हमारे नए विजन को मजबूती देने की इजाजत दी जोकि एक अरब से ज्यादा भारतीयों के लिए सुविधाजनक, सुलभ और किफायती हो। डॉ. आलोक रॉय, को-चेयर, फिक्की हेल्थ सर्विसेज कमिटी एवं चेयरमैन, मेडिका ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स, ने कहा, टीएसआइ-प्रैक्टो टेलीमेडिसिन रिपोर्ट हैरी पॉटर के मैजिक पोर्टल की तरह है। मार्च 2020 और नवंबर 2020 के बीच प्रैक्टो का इस्तेमाल करने वाले करोड़ों भारतीयों के अनुभव से मिली जानकारी के समर्थन और व्यापक शोध के साथ यह रिपोर्ट जारी की गई है। यह रिपोर्ट हेल्थकेयर इकोसिस्टम के सभी हितधारकों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी और तथ्यों पर आधारित साक्ष्य उपलब्ध कराती है, जो भारत में टेलीमेडिसिन की भूमिका और इसके प्रभाव को समझना चाहते हैं। शशांक एनडी, सीईओ एवं सह-संस्थापक, प्रैक्टो ने कहा, इस रिपोर्ट के साथ हमारा उद्देश्य टेलीमेडिसिन को लेकर सार्थक चर्चाओं को बढ़ावा देना है। यह उन हितधारकों के बीच अधिक सहयोग स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहला कदम है जोकि इस इंडस्ट्री के साथ समान प्रतिबद्धता से बंधे हुए हैं। हमने महामारी के दौरान टेलीमेडिसिन के क्षेत्र में आई बढ़ोतरी के सभी पहलुओं को समेटने की कोशिश की है।

कुरुक्षेत्र संस्कृत वेद विद्यालय के विद्यार्थियों ने किया गीता पाठ

कुरुक्षेत्र। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2020 को लेकर ज्योतिसर तीर्थ पर चल रहे गीता पाठ में आचार्य नरेश कौशिक ने योग पाठ करवाया है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र को धर्म व ज्ञान की नगरी कहा जाता है। इस नगरी को ज्योतिसर तीर्थ के कारण एक अलग पहचान मिली है। इस स्थल पर देश-विदेश से श्रद्धालु और पर्यटक ज्ञान लेने के लिए आते है। ज्योतिसर तीर्थ पर गीता श्लोकों का उच्चारण करने से वातावरण गीतामयी हो जाता है। बुधवार को भी आचार्य नरेश कौशिक द्वारा विद्यार्थियों को गीता पाठ करवाया गया है। इस गीता पाठ में कुरुक्षेत्र संस्कृत वेद विद्यालय के विद्यार्थी नीरज शर्मा, रजत शर्मा, यमन शर्मा, अभिषेक, संदीप, नवीन, निखिल शर्मा आदि ने गीता पाठ के दौरान गीता के श्लोकों का उच्चारण किया। उन्होंने कहा कि ज्योतिसर के गीता पाठ का भी सीधा प्रसारण प्रशासन की तरफ से किया जा रहा है।

कागज उद्योग ने आयात शुल्क को बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने की मांग की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय के साथ बजट पूर्व चर्चा में भारत के पेपर उद्योग ने बेरोकटोक आयात पर अंकुश लगाने की अपील की है। यह आयात कागज के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की राह में बड़ी बाधा है। कागज उद्योग में रोजगार के नये अवसर तथा किसानों के लिए पर्याप्त संभावनाएं सृजित करने की क्षमता है। देश में इसका सालाना कारोबार 70,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

इंडियन पेपर मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए) के अनुसार, 'मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और अन्य द्विपक्षीय व बहुपक्षीय व्यापार समझौतों के चलते शून्य आयात शुल्क के कारण भारत में पेपर एवं पेपरबोर्ड का आयात तेजी से बढ़ा है।'

महंगे ईंधन एवं अन्य इनपुट की ज्यादा कीमत के साथ-साथ महंगे कच्चे माल के कारण कागज और पेपरबोर्ड के घरेलू निर्माण की लागत बहुत बढ़ गई है। आईपीएमए के प्रेसिडेंट एएस मेहता ने कहा कि घरेलू उद्योग बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम कर रहा है और दूसरी ओर एफटीए के चलते शून्य आयात शुल्क की वजह से आयातित कागज काफी कम कीमत में देश में आ रहा है। भारत-आसियान एफटीए और भारत-कोरिया सीईपीए के तहत भारत में कागज का आयात वर्तमान में आयात शुल्क की शून्य दरों पर होता है। एशिया पैसिफिक ट्रेड एग्रीमेंट (एपीटीए) के तहत, भारत ने चीन (और अन्य देशों) को आयात शुल्क में मिलने वाली रियायतें बढ़ाई हैं और 30 फीसदी मार्जिन प्रेफरेंस दिया है, जिससे कागज के अधिकांश ग्रेड पर मूल सीमा शुल्क 10 फीसदी से घटाकर 7 फीसदी हो गया है।

श्री मेहता ने आगे कहा, 'सस्ते कच्चे माल और अन्य इनपुट की सुनिश्चित आपूर्ति वाले उत्पादक देशों से रियायती, शून्य दरों पर आयात से घरेलू स्तर पर क्षमता विस्तार की दिशा में निवेश हतोत्साहित हो रहा है। कागज और पेपरबोर्ड की घरेलू मांग में अपेक्षित वृद्धि को पूरा करने के लिए यह क्षमता विस्तार आवश्यक है। निवेश में गिरावट का किसानों समेत पूरी वैल्यू चेन से जुड़े सभी पक्षों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।' भारत दुनिया में कागज के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है। वर्तमान समय में कागज की खपत लगभग 2 करोड़ टन प्रति वर्ष (टीपीए) है और 2024-25 तक यह घरेलू खपत बढ़कर 2.35 करोड़ टीपीए तक पहुंचने का अनुमान है।

दोहली भूमि को लेकर एक बार फिर से बढ़ी सक्रियता

पायनियर समाचार सेवा। फर्रूखनगर

कोरोना महामारी के चलले धीमा पड़ा दोहली संघर्ष अभियान को फिर से जान फूंकने के लिए दोहलीदार फिर से एक सूत्र में बंधने लगे है। नव वर्ष में दोहलीदारों को एकत्रित करने के लिए दोहली संघर्ष समिति ने अभियान छेड़ दिया है। जल्द ही बैठकों का दौर शुरु किया जाएगा।

दोहली संघर्ष समिति के चेयरमैन राजबीर शर्मा सैहदपुर ने बताया कि सरकार द्वारा दोहलीदारों के हक-हकूक को दबाने का काला कानून बना कर कुठाराघात किया है। दोहलीदारों के हक-हकूकों को दिलाने के दोहली संघर्ष समिति प्रयासरत है। जिसके लिए नव वर्ष में एक बडी बैठक का आयोजन करके आगे की रणनीति तैयार की जाएगी और राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नाम तहसील, जिला और प्रदेश स्तर पर ज्ञापन सौंपे जाएंगे और सरकार से दोहलीदों का हक वापिस दिलाने की मांग की जाएगी। कोरोना काल के चलते सभी बैठके स्थगित कर दी गई थी द्व लेकिन जैसे ही विश्वव्यापी कोरोना महामारी का प्रकोप समाप्त होने पर फिर से आंदोलन चलाया जाएगा। दोहली संघर्ष समिति के संस्थापक कृष्ण शर्मा पातली ने बताया कि सैन, ब्राह्मण, जोगी, घोबी, तेली, मणिहार आदि समुदायों की सामूहिक बैठक करके सरकार से दी गई दोहली की जमीन को वापिस लेने के कानून का विरोध किया जाएगा। सरकार द्वारा अगर उनकी मांग पर कोई कार्रवाई नहीं की तो वह विपक्ष का सहयोग लेकर बड़ा धरना या आंदोलन करने पर विवश हो सकते है। उन्होंने दोहलीदार समस्त समाज से अपील करते हुए आवाहान किया की अपने हकों की लड़ाई के लिए एकता का परिचय दें।

मात्र दो महीने में हेल्थियंस के प्रीविलेज वेलनेस कार्ड से करीब 10 लाख लोग जुड़े

हेल्थियंस ने मार्च, 2021 तक प्रीवेंटिव डायग्नोस्टिक्स की इस पहल से 10 लाख और लोगों के जुड़ने का भरोसा जताया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

घर-घर जांच की सुविधा देने वाली टेक्नोलॉजी आधारित स्टार्टअप हेल्थियंस ने बताया कि हाल में पेश किए गए प्रीविलेज वेलनेस कार्ड से देशभर में करीब 10 लाख लोग जुड़ चुके हैं।

महामारी को देखते हुए लोग हेल्थ एवं वेलनेस को लेकर ज्यादा जागरूक हुए हैं। बहुत से लोग अपनी एवं अपने परिवार की सेहत के लिए सतर्कता के कदम उठा रहे हैं। ऐसे में इस संकट के समय अपने यूजर्स को सुरक्षित, कम समय एवं लागत में प्रीवेंटिव हेल्थ टेस्ट, लाइफस्टाइल प्रोडक्ट एवं हेल्थ चेकअप की सुविधा देने के लिए हेल्थियंस ने प्रीविलेज हेल्थ वेलनेस कार्ड लॉन्च किया है। इसकी मदद से यूजर सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने परिवार के लिए भी मेडिकल एवं लाइफस्टाइल से जुड़े बेहतर विकल्पों का लाभ ले सकेंगे। हेल्थियंस ने मार्च, 2021 तक इस कार्ड से 10 लाख और लोगों के जुड़ने का अनुमान व्यक्त किया है।

हेल्थियंस के संस्थापक एवं सीईओ दीपक साहनी ने कहा, %लोगों को स्वस्थ बनाने के अभियान के साथ हेल्थियंस को आपके एवं आपके परिजनों के लिए प्रीविलेज वेलनेस कार्ड पेश करने की खुशी है। इसकी मदद से आप अपनी ही नहीं, अपने प्रियजनों की सेहत पर भी नजर रख सकेंगे। इस कार्ड के साथ यूजर को जांच, कंसल्टेशन, लाइफस्टाइल प्रोडक्ट एवं अन्य से जुड़े कई लाभ तो मिलेंगे ही, साथ ही एप के माध्यम से होने वाली हर बुकिंग पर उनके हेल्थियंस अकाउंट में लॉयल्टी पॉइंट एवं एचकैश भी मिलेगा। हेल्थियंस वेलनेस कार्ड के साथ यूजर के अकाउंट में 1000 रुपये का एचकैश भी क्रेडिट होता है, जिसका इस्तेमाल हेल्थियंस पर बुकिंग में किया जा सकता है। अगर यूजर इस कार्ड में अपने परिवार के सदस्यों को भी जोड़ते हैं तो उन्हें 1000 एचकैश अतिरिक्त मिलता है।

संक्षिप्त समाचार

ऑनलाइन फिजिक्स कार्यशाला का किया आयोजन

फरीदाबाद। डीएवी शताब्दी महाविद्यालय, के विज्ञान संकाय में 22 व 23 दिसंबर को दो दिवसीय ऑनलाइन ''फिजिक्स कार्यशाला-स्कोप ऑफ कन्टेम्परेरी साइंस इन रिसेंट एण्ड एडवांसड ट्रेंड्स-2020'' का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विज्ञान संकाय के लगभग 75 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जीजीडीएसडी कॉलेज पलवल के विद्यार्थियों ने भी इस प्रयोगशाला में भाग लिया। डॉ मीनाक्षी धीमान (एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट रजिस्टरार-चितकारा यूनिवर्सिटी पंजाब) एवं डॉ नवीन कुमार (असिस्टेंट प्रोफेसर, डीपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स, श्री गुरूगुविंद सिंह कॉलेज- चण्डीगढ़) इस कार्यशाला के विशेषज्ञ रहे। यह कार्यशाला दो दिनों तक चार अधिवेशन में चली। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को फिजिक्स की सभी शाखाओं, सोलिड स्टेट फिजिक्स की एडवांसड टेक्निक्स, नैनो टेक्नोलॉजी तथा रिसर्च से जुड़े सभी तथ्यों की विस्तृत जानकारी दी। सभी विद्यार्थियों के सवालों के जवाब दिये। प्राचार्या डॉ सविता भगत ने सभी विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कार्यशाला से अर्जित ज्ञान को अपनी पढ़ाई में जोड़कर हमेषा कुछ नया सीखते रहने के लिए प्रेरित किया। डॉ प्रिया कपूर (डीन, विज्ञान संकाय) ने दोनो विषेशज्ञों का स्वागत किया। पूजा शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है श्रीमद्भागवत गीता

फरीदाबाद। उपमंडल अधिकारी जितेंद्र कुमार ने कहा कि गीता के माध्यम से हमें जीवन में निरंतर सकारात्मक रुप से आगे बढने् की प्रेरणा मिलती है और जीवन में किसी भी परिस्थिति में सहनशील रहने का संदेश भी मिलता है। श्रीमद्धागवद् गीता हमें जीवन में निरंतर कुछ न कुछ नया सिखाती है और समाजहित के प्रति अपना दायित्व निभाने के लिए प्रेरित भी करती है। वह बुधवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तिलपत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के अंतर्गत अष्टादश श्लोकों के सामूहिक उच्चारण अभ्यास के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। इसी कार्यक्रम की श्रृंखला में बच्चों का लगातार अभ्यास करवाया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्या पूनम मेहता ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की नोडल अधिकारी सरोज शास्त्री, मनोज शास्त्री व नरेंद्र शास्त्री सहित कई अध्यापक भी मौजूद थे।

जयंती पर रखा 20 किसानों ने सामूहिक उपवास

फरीदाबाद। किसान संयुक्त मोर्चा फरीदाबाद के तत्वधान में आज विभिन किसान संगठनों के आवाहन पर चौ. चरणसिंह पूर्व प्रधानमंत्री किसान मसीहा की जयंती पर अमरनाथ सरपंच दयालपुर की अद्यक्षता में जिला उपायुक्त कार्यालय पर सुबह 11 बजे से साय 3 बजे तक 20 किसानों ने सामूहिक उपवास रखा। अजरौंदा किसान संघर्ष समिति के संयोजक नरवीर सिंह तेवतिया ने किसानो को माला पहनाकर उपवास पर बैठाया। उन्होंने कहा जब तक काले कानून वापस नहीं होते तब तक भारत का किसान आंदोलन करता रहेगा। उपवास आंदोलन में किसान सभा के जिलाध्यक्ष नवल सिंह, अजरौंदा से लाल सिंह प्रधान, हरीश सैनी, बीरेन्दर, नाहर सिंह धारीवाल, डीके शर्मा, बृजमोहन वशिष्ठ, सरदार उपभार सिंह, देवी लाम्बा, चन्दर सिंह नरवत, दानसिंह, जगदीश, महेन्दर, सेक्टर-3 एसोसिएशन से रतनलाल राना, राजेंद्र त्यागी, किशन चहल चंदावली, सहीराम रावल, भूपसिंह मिर्जापुर, हरपाल, धर्मवीर झराव, प्रमोद जांगड़, संजय और प्रियंका हुडा, पूनम हुडा, दीक्षा हुडा, कनिका, सेक्टर-11 से सतबीर चाहर, साधुराम सैनी आदि ने अपने विचार रखे। कहा कि सरकार ताकत से आन्दोलन को दबा नहीं सकती।

जेसी बोस शुरू करेगा पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा

फरीदाबाद। वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पत्रकारिता के क्षेत्र में रूचि एवं कार्य अनुभव रखने वालों के लिए पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा की शुरूआत करने जा रहा है। यह पाठ्यक्रम पत्रकारिता क्षेत्र में काम कर रहे ऐसे लोगों को अपनी शिक्षा पूरी करने का अवसर प्रदान करेगा जो किसी कारणवश औपचारिक शिक्षा हासिल करने से वंचित रह गये। इसके अलावा, यह पाठ्यक्रम पत्रकारिता में भविष्य बनाने वालों को भी एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। इस आशय का निर्णय कुलपति प्रो. दिनेश कुमार द्वारा लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज विभाग की एक बैठक में लिया गया।

दिमागी संतुलन खो चुकी अध्यापिका को मिला नया जीवन

समाजसेवी प्रेम और स्टेट क्राइम ब्रांच के प्रयासों से महिला स्वस्थ होकर घर पहुंची

अकेले जीवन गुजारने लगी तो बिगड़ी उसकी मानसिक स्थिति और निकल गई घर से

कविता। फरीदाबाद

मानसिक परेशानी के चलते व्यक्ति कहां से कहां पहुंच जाए। इसका पता एक महिला टीचर की कहानी से चलता है। महिला पढ़ाई में होशियार होने के कारण टीचर बन गई, लेकिन शादी के बाद ससुराल में बात न बनने पर वह अलग हो गई। अकेले जीवन गुजरने लगी तो उसकी मानसिक स्थिति बिगड़ गई। वह घर से निकल गई। चार साल इधर उधर सड़कों पर भटकते पलवल पहुंचने के बाद उसकी जिंदगी को एक नई राह मिली। वह इलाज के बाद ठीक हो गई। जिस पर उसके भाइयों को बुलवाकर उन्हें उसे सौंप दिया।

यह है पूरा मामला

स्टेट क्राइम ब्रांच के एएसआई अमर सिंह ने बताया कि बसंती/सरोज नवोदय स्कूल में पढ़ती थी, पढ़ाई में होशियर होने के कारण उसे सरकारी टीचर के पद पर नौकरी मिल गई, लेकिन वर्ष 2005 में उसकी शादी परिजनों ने कर दी। शादी के बाद उसका जीवन ही बदल गया। दो बच्चों के बाद तो झगड़े शुरू हो गए। दोनों पति पत्नी अलग हो गए। पति ने कुछ समय तक साथ दिया, लेकिन उसके बाद उसने भी नाता तोड़ लिया। जिसपर वह दुखी रहने लगी और दिमागी रूप से परेशान होकर दोनों बच्चों को छोड़कर वर्ष 2016 में घर से निकल गई। यहां-वहां घूमते हुए भूखी प्यासी पागलों की तरह घूमते हुए कबाड़ा बीनते हुए चार साल तक घूमती रही। करीब 10 दिसंबर को वह पलवल में लावारिस हालत में मेवात के नल्हड अस्पताल के कर्मचारी एवं समाजसेवी प्रेम को मिल गई। वह उसे अस्पताल में ले गए और पुलिस को सूचना दे दी। जहां लगातार दवाइयों और इलाज के कारण महिला की हालत में सुधार आया। उसने अपने गांव का नाम बताया।

जिस पर स्टेट क्राइम ब्रांच के एएसआई अमर सिंह से प्रेम ने सम्पर्क किया। उसके गांव की तलाश की। अमर सिंह ने उस नाम वाले सारे गांवों में फोन किया और अखिरकार खंडवा जिले के पुलिस कंट्रोल रूम के अधिकारी ने उन्हें खेड़ी गांव से लापता हुई महिला की जानकारी दे दी। जिस पर बसंती/सरोज को उसके भाई देवी राम और राम को अस्पताल से स्वस्थ घोषित किए जाने बाद 21 दिसंबर को सौंप दिया। महिला के दोनों भाईयों ने प्रेम, एएसआई अमर सिंह, एएसआई शीतल, सिपाही मोहनलाल, सिपाही दीपक का इस काम में विशेष सहयोग देने पर धन्यवाद किया।

एंजल ने 186 रन से जीता मैच

फरीदाबाद। पांचवें रविंद्र फागना अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट में एंजल क्रिकेट अकादमी (सेक्टर-20) ने रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी (पाली) की टीम को 186 रन से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीसीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया यह मैच 40-40 ओवर का था। जिसमें एंजल क्रिकेट अकादमी (सेक्टर-20) ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्णय लिया। टीम की ओर बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 40 ओवर में 1 विकेट पर 235 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए गुरजीत सिंधु ने 128 रन, ऋषभ भाटिया ने 61 रन और धर्मेन्द्र कसाना ने 17 रन बनाए। रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी की और से गेंदबाजी करते हुए मयंक यादव ने एक विकेट लिया।

दिनदहाड़े गोलियां बरसा कर बदमाशों ने की फायनेंसर की हत्या

पुरानी रंजिश में मांगरिया गिरोह के माध्यम से करवाई गई हत्या

गोली मारने वाले आरोपी कोरोला और आए थे फॉर्च्यूनर गाड़ी में

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बाईपास रोड पर सेक्टर-30 स्थित श्रमिक विहार के बाद दो कारों पर सवार कुछ बदमाशों ने एक फायनेंसर की स्कोर्पियो का पीछा शुरू कर दिया। भनक लगने पर फायनेंसर ने भागने का प्रयास किया, लेकिन आगे बाइक आ जाने से उन्हें गाड़ी रोकनी पड़ी। तभी बदमाशों ने ताबड़ तोड़ गोलियां बरसा कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने उन्हें बीके अस्पताल पहुंचा दिया। जहां जांच के बाद डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरोप है पुरानी रंजिश में किसी गिरोह के माध्यम से उनकी हत्या करवाई गई। पुलिस को गैंगस्टर मनोज मांगरिया पर संदेह है।

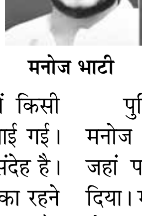

मनोज भाटी

पुलिस के मुताबिक गांव अमीपुर का रहने वाला मनोज भाटी फाइनेंस का काम करता है। बृहस्पतिवार की दोपहर को करीब डेढ़ बजे मनोज भाटी सेक्टर-31 इलाके में अपने एक प्रोपर्टी डीलर दोस्त से मिले के लिए आया हुआ था। इस दौरान इसके पीछे एक कोरोला गाड़ी और एक फॉर्च्यूनर गाड़ी रेकी कर रही थी। जब मनोज भाटी को शक हुआ तो उन्होंने अपनी गाड़ी को भगाना चाहा। लेकिन भीड़ होने की वजह से और मोटरसाइकिल सामने आने की वजह से गाड़ी रुक गई। जिस पर आरोपियों ने मनोज भाटी के ऊपर गोली चला दी।

पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही तुरंत मनोज भाटी को बीके अस्पताल पहुंचाया गया जहां पर डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। मृतक मनोज भाटी का बीके अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया जा रहा हैं। एसीपी क्राइम अनिल यादव, एसीपी मोजीराम, एफएसएल की टीम, क्राइम ब्रांच टीम और एसएचओ ने मौके का मुआयना किया। आरोपियों की धरपकड़ के लिए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि गोली मारने वाले आरोपी कोरोला और फॉर्च्यूनर गाड़ी में आए थे। इसके अलावा पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि वारदात रंजिश के चलते हुई हैं और इसके पीछे किसी गैंग का भी हाथ हो सकता है। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज चेक कर कुछ फुटेज अपने कब्जे में लिए हैं। जिनके जरिए आरोपियों की पहचान की जा रही है।

आरोपी पुलिस के रडार पर है, उनको जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। डीसीपी मुख्यालय डॉ. अर्पित जैन ने मामले में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को इस वारदात में मनोज मांगरिया गैंग पर संदेह हैं। मनोज मांगरिया के गुरूग्राम में भी गोली चलाई थी। मनोज मांगरिया पर दो लाख रुपये का ईमान घोषित है।

ऑनलाइन पढ़ाई को लेकर समीक्षात्मक बैठक

फरीदाबाद। आधुनिक दौर में तकनीकी शिक्षा का महत्व दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में अपनाई जाने वाली तकनीकों के बारे में जानकारी हासिल कर इसे संबंधित वर्ग तक पहुंचाना जनहित की दृष्टि से बेहद जरूरी है।

ऐसे में कोरोना के चलते शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अपनाई जा रही शिक्षा की ऑनलाईन तकनीकों बारे आवश्यक जानकारी प्राप्त कर शिक्षा के क्षेत्र में प्रभावी रूप से अपनाया जाना स्कूली बच्चो के भविष्य के दृष्टिगत अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह आवश्यक दिशा-निर्देश उपमंडल अधिकारी नागरिक फरीदाबाद जितेंद्र कुमार ने ब्लॉक स्तर पर शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों की ऑनलाईन पढ़ाई हेतु अपनाए जा रही तकनीकों की समीक्षात्मक बैठक में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए दिए। इस अवसर पर उन्होंने सक्षम एप, शिक्षामित्र, क्विज पार्टिसिपेशन, अवसर एप जैसी शिक्षा तकनीकों बारे उपस्थित अधिकारियों से अवश्य विचार विमर्श किए। उन्होंने कहा कि इन शिक्षा तकनीकों के माध्यम से एबीआरसी (असिस्टेंट ब्लॉक रिसोर्स कोऑर्डिनेटर) एवं बीआरसी (ब्लॉक रिसोर्स पर्सन) टीचर व बच्चों से समीक्षात्मक बैठक कर इन शिक्षा तकनीको की क्षमताओं को और प्रभावी रूप से लागू करना सुनिश्चित करें।

अधिकारी बनकर पुलिस से किया दुर्व्यवहार, केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ट्रैफिक पुलिसकर्मी के साथ दुर्व्यवहार करने वाले दो आरोपियों धीरज व एक अन्य के खिलाफ थाना ओल्ड में मुकदमा दर्ज किया गया है। 19 दिसंबर 2020 को सुबह लगभग 11 बजे ट्रैफिक पुलिसकर्मी सिपाही मनोज, ओल्ड चौक पर तैनात थे। उसी दौरान एक स्विफ्ट गाड़ी आई जिसमें दो व्यक्ति बैठे थे, जिन्होंने सीट बेल्ट नहीं लगा रखी थी। सिपाही मनोज ने गाड़ी रुकवा कर मौके पर मौजूद जेडओ/टीआई उप निरीक्षक जय भगवान की मौजूदगी में उनका सीट बेल्ट का 1000 रुपये का चालान कर दिया और चालान की पर्ची उन्हें दे दी। दोनो व्यक्ति चालान कटवाकर वहां से चले गए। इसके बाद उप निरीक्षक जय भगवान ट्रैफिक प्रबंधक के आदेशों पर सेक्टर-9 ट्रैफिक ड्यूटी के लिए चले गए। कुछ समय पश्चात उसी गाड़ी का ड्राइवर धीरज तंवर व एक अन्य व्यक्ति फोन से वीडियो बनाते हुए सिपाही मनोज के पास आए और चालान के 1000 रुपए वापस मांगने लगे।

सिपाही मनोज ने कहा कि उनका चालान कट चुका है इसलिए वह पैसे वापस नहीं दे सकते। आरोपी धीरज ने कहा कि वह एंटी करप्शन डिपार्टमेंट का अफसर हैं। उसका बहुत बुरा नुकसान करवा देगा। सिपाही मनोज ने जब पैसे वापस देने से इंकार कर दिया तो वह उसके साथ बहस करके सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने लगा। सिपाही ने उन्हे समझाने की बहुत कोशिश की परंतु वह सुनने को तैयार नहीं थे। काफी देर बहसबाजी करने के पश्चात जब आरोपी को चालान के पैसे वापस नहीं मिले तो वह सिपाही को जाते-जाते देख लेने की धमकी दे गया और अगले दिन पता चला कि आरोपी ने फोन में बनाई झूठी वीडियो इंटरनेट पर वायरल कर दी है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ यातायात अधिनियम 1988 की धारा 179 (आदेशों की अवहेलना करने), भारतीय दंड संहिता की धारा 170 (लोकसेवक का प्रतिरूपण करने), 186 (सरकारी कार्य में बाधा डालने), 353 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य का निर्वहन करते समय भयभीत करने के बल का प्रयोग करने), 499 (अपमानित करने के खिलाफ मानहानि), 500 (मानहानि का दंड), और 506 (धमकी देने) के तहत मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

शहीद सप्ताह का किया जा रहा आयोजन

फरीदाबाद। आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा व आर्य युवा समाज हरियाणा द्वारा 19 दिसंबर से 27 दिसंबर 2020 तक ऑनलाइन शहीद सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में 21 दिसंबर 2020 को अमर शहीद क्रांतिकारी राजेंद्र नाथ लाहिड़ी की स्मृति में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसने दिल्ली एनसीआर के सभी डीएवी पब्लिक स्कूलों के संगीत शिक्षकों एवं धर्माचार्यों ने भाग लिया। इस उपलक्ष्य पर डीएवी पब्लिक स्कूल एनटीपीसी फरीदाबाद के धर्माचार्य जितेंद्र शास्त्री ने अमर शहीद क्रांतिकारी राजेंद्रनाथ लाहिड़ी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए भजन-उपदेश के माध्यम से प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि ऐसे वीर जिसने काकोरी कांड के घटना को पूरा करने में अंतिम समय तक साथ दिया इसके साथ-साथ अन्य क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लेकर अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए। काकोरी कांड के इस वीर को अन्य साथियों से 2 दिन पहले ही फांसी दे दी गई थी मात्र 26 वर्ष की आयु में वह वीर शहीद हो गया।

महिला ने सुसाइड नोट लिखकर किया हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भाई बोला, महिला का इलाज रूक जाने से उसकी हुई ऐसी हालत

जिले के सिविल अस्पताल में एक महिला ने सुसाइड नोट लिखकर आत्महत्या करने का हंगामा कर दिया। जिसे वन स्टॉप सेंटर के कर्मचारियों ने उसके भाई के हवाले कर दिया। उसके भाई ने बताया कि महिला का इलाज बीच में रूक जाने से उसकी ऐसी हालत हुई है।

जानकारी के मुताबिक एक 27 वर्षीय महिला बीके अस्पताल में पहुंच गई। जहां उसने अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों, वकीलों, पुलिस और एक कर्मचारी का नाम लिखकर पीएमओं के नाम सुसाईट नोट तैयार कर लिया और मरने के लिए अस्पताल की छत पर जाने लगी। जिसे वन स्टॉप सेंटर में तैनात कर्मचारियों के हवाले कर दिया गया, जहां उसने बताया कि उसके सुसराल वालों और घरवालों ने मारपीट की है। जिस कारण वह आत्महत्या करने पर विवश है। वहीं उसने बताया कि अस्पताल में भी उसे परेशान किया गया है।

जिस पर वन स्टाप कर्मियों ने उसे कार्रवाही का भरोसा दिलाया, तो उसने अपने भाईयों समेत सभी के नम्बर बताए। जिस पर कर्मचारियों ने उसके भाई को बुलवाकर उसे समझा-बुझाकर भेज दिया। वन स्टॉप में तैनात मीनू ने बताया कि महिला के भाई का कहना है कि उसका इलाज चल रहा है, दवाईयां बंद होने से उसकी हालत खराब हो गई है, जिस कारण वह ऐसी हरकते कर रही है।

कोरोना : 68 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 45101

86 मरीजों ने जीत ली कोरोना की जंग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मामले थमने का नाम नही ले रहे हैं। बुधवार को जिले में कोरोना के 68 संक्रमित सामने आने से पॉजिटिव मरीजों की संख्या का आंकड़ा 45101 पर पहुंच गया है। वहीं राहत की बात यह रही कि 86 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली।

जिससे जिले का रिकवरी रेट 97.8 प्रतिशत पर पहुंच गया है। वहीं दूसरी तरफ जिले में 1240 सैम्पलों की रिपोर्ट आनी शेष है।

यह है आंकड़ा

अब तक जांच	: 404719
अब तक पॉजिटिव	: 45101
अब तक नेगेटिव	: 358378
रिपोर्ट आनी शेष	: 1240
गंभीर हालत में	: 24
वेंटिलेटर पर	: 08
अब तक मौत	: 397
अब तक ठीक	: 44124

यहा से पॉजिटिव

68 पॉजिटिव में सेक्टर-3 (4), सेक्टर-दो (2), संजय इंक्लेव (2), सेक्टर सात (4), सारन चौक (1), खेड़ी कला (5), सेक्टर-16 (2), शिव कालोनी (2), सेक्टर-30 (1), सेक्टर-28 (2), सेक्टर-30 (2), कृष्णा कालोनी (2), ग्रीनफिल्ड कालोनी (5), सेक्टर-14 (3), सेक्टर-तीन (2), सेक्टर-9 (4), चावला कालोनी (2), सेक्टर-46 (2), तिगांव (2), एनआईटी-(2), तिगांव (2), सेक्टर-17 (3), विष्णु कालोनी (2), भारत कालोनी (2), सेक्टर-19 (2), आदर्श नगर (2), विनय नगर (1), सेहतपुर (1), सेक्टर-41 (1) और अन्य एरियों से 6 मरीज शामिल है।

अवैध कालोनियों को किया ध्वस्त

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला में अवैध रूप से बसाई जा रही कालोनियों के खिलाफ जिला नगर योजनाकार की कार्रवाई लगातार जारी है। मंगलवार को जिला नगर योजनाकार, ईन्फोर्समैन्ट एण्ड विजीलेंस, द्वारा दुर्गा बिल्डर फेस-2 लाईसेंस कालोनी में जिला प्रशासन की मदद से तोडफ़ोड़ की कार्यवाही की गई। तोड़फोड़ की कार्यवाही के दौरान पांच निर्माणाधीन दुकान, एक बाउंड्रीवॉल व पांच अवैध कब्जों को हटाया। यह कार्यवाही शहरी क्षेत्र अधिनियम के तहत की गई है। तोड़फोड़ की कार्यवाही के दौरान राजेन्द्र टी शर्मा, जिला नगर योजनाकार,ईन्फोर्समैन्ट,फरीदाबाद-कम-ड्यूटी मजिस्ट्रेट व थाना अध्यक्ष पल्ला सोहनपाल खटाना पुलिस बल सहित मौजूद रहे।

डीएवी में ऑनलाइन प्लेटफार्म पर आईक्यूएसी सैल की हुई त्रैमासिक बैठक

फरीदाबाद। कोरोना काल की इस मुश्किल घड़ी में कॉलेज की गुणवत्ता बनाये रखने और उसमें और अधिक सुधार करने के उद्देश्य से डीएवी शताब्दी कॉलेज में पहली बार ऑनलाइन प्लेटफार्म पर आईक्यूएसी सैल की नये सत्र 2020-2021 में प्रथम त्रैमासिक सभा का आयोजन किया गया। जूम प्लेटफार्म पर हुई इस मीटिंग में कॉलेज के आईक्यूएसी सैल के सभी सदस्यों ने कॉलेज की प्रगति में बढ़ोत्तरी करने के लिए आपस में बहुमूल्यों सुझावों का आदान-प्रदान किया। इस मीटिंग में विशेष रूप से डीएवी मैनेजमेंट कमेटी के प्रतिनिधि के रुप में उपस्थित डॉ. डीवी सेठी ने, एमडीयू से वाणिज्य विभाग के भूतपूर्व डीन प्रो. डॉ रविन्द्र विनायक ने, भगत फूल सिंह विश्वविद्यालय से वाणिज्य एवं प्रबन्ध विभाग के डीन डॉ. संकेत विज और मानव रचना इंटरनेशनल यूनीवर्सिटी से भूतपूर्व प्रो. कर्नल वीके गौड़ ने ऑनलाइन शिक्षण तकनीकी, डिजीटल लर्निंग मैटेरियल के साथ-साथ छात्रों के नैतिक मूल्यों में सुधार पर विचार रखे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ पर चलाया जागरूकता अभियान

जिला में 168 स्थानों पर होंगे नुक्कड़ नाटक, बीपीएल परिवारों की महिलाओं को वितरित किए जाएंगे सेनेटरी नेपकिन

शुरूआती चरण में चार गांवों में घरों के बाहर लगाई जाएंगी बेटियों के नाम की नेम प्लेट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपमंडल अधिकारी फरीदाबाद जितेंद्र कुमार ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान व पोषण अभियान के तहत जनजागरूकता के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अब नुक्कड़ नाटकों का अभियान चलाया जाएगा। ये नुक्कड़ नाटक जिला में उन 168 स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे। जहां लिंगानुपात कम है। उपमंडल अधिकारी बुधवार को लघु सचिवालय में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की समीक्षा मीटिंग में दिशा-निर्देश दे रहे थे।

जितेंद्र कुमार ने कहा कि हमें यह अभियान सामाजिक सरोकार के साथ जोड़कर इसमें आम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करनी है। उन्होंने कहा फरीदाबाद में बेटियों के नाम पर घरों के बाहर उनके नाम की नेम प्लेट लगाने का अभियान शुरू किया गया है। शुरूआत में इस अभियान में हम चार गांवों को जोड़ेंगे और उसके बाद इसे आगे बढ़ाया जाएगा। वार्ड-28 में नरेश नंबरदार ने इस अभियान के तहत 30 नेम प्लेट भी उपलब्ध करवाई हैं।

उन्होंने कहा कि बेटियों के जन्म पर एक औषधीय पौधा लगाने का अभियान भी चलाया गया है। इस अभियान से भी सभी को जोड़ा जाए। उन्होंने बताया कि जल्द ही बेहतर लिंगानुपात वाले दस स्थानों की आंगनवाड़ी वर्करों को भी जल्द ही सम्मानित किया जाएगा। मीटिंग में निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि फरीदाबाद शहरी क्षेत्र की सभी 231 आंगनवाड़ी केंद्रों में शौचालय, पेयजल सहित सभी सुविधाएं बेहतर हो यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि कई क्षेत्रों में गर्भपात की दवाएं अवैध रूप से बिकने व प्रयोग करने की सूचनाओं को भी आंगनवाड़ी वर्कर तुरंत अपने सुपरवाइजर व सीडीपीओ को बताएं। इस कार्य के लिए आंगनवाड़ी वर्करों का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इसमें इन्हें एमटीपी किट के दुष्प्रभाव व महिलाओं को कैसे जागरूक करें इस बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही बीपीएल महिलाओं को सेनेटरी नेपकिन देने के लिए भी अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए आंगनवाड़ी वर्कर विभिन्न एनजीओ के माध्यम से घर-घर जाकर वितरित करेंगे। मीटिंग में सीएमजीजीए रूपाला सक्सेना, शिक्षा अधिकारी सतेंद्र कौर, पीओआईसीडीएस अनिता शर्मा भी मौजूद थी।

तस्कर से 910 ग्राम गांजा बरामद

फरीदाबाद। क्राईम ब्रांच सेक्टर-65 प्रभारी कर्मबीर की टीम ने आरोपी विनीत को अवैध गांजा तस्करी के जुर्म में थाना बल्लबगढ़ के एरिया से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान विनीत निवासी गांव कलंदर कालोनी बल्लबगढ़ फरीदाबाद के रुप में हुई है।

क्राइम ब्रांच सेक्टर-65 प्रभारी ने बताया कि उनकी टीम को सूचना मिली थी कि आरोपी गांजा बेचने के लिए जा रहा है। जिस पर तुरन्त कार्यवाही करते हुए टीम गठित कर आरोपी विनीत को बल्लबगढ़ बस स्टैंड से गांजा सहित काबू कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना शहर बल्लबगढ में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि वह किसी अंजान व्यक्ति से यह गांजा पती बल्लबगढ़ रेलवे स्टेशन से लेकर आया था।

एक देश, एक चुनाव

निर्वाचन आयुक्त का बयान

'एक देश एक चुनाव' पर बहस जारी है और शायद नरेन्द्र मोदी की सरकार कुछ लोगों की चिन्ताओं के बावजूद इसे आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री द्वारा एकसाथ चुनाव की अपनी प्रतिबद्धता पर काम करने की इच्छा व्यक्त करने के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त-सीईसी सुनील अरोड़ा ने कहा था कि विधिक व्यवस्थाओं और संशोधनों के बाद निवाचन आयोग-ईसी प्रक्रिया को गतिशील बना सकता है और वह इसके लिए 'तैयार' है। सतही तौर से देखने पर इसके लाभदायक आयाम आकर्षक लगते हैं। उनमें से प्रमुख खर्च घटाना, चुनाव प्रक्रिया मशीनरी ठीक करना तथा राज्यों में नीतिगत विकलांगता दूर करना शामिल हैं क्योंकि दूसरों की तुलना में कुछ राज्य हर दूसरे साल जनादेश देते हैं। तर्क यह है कि भारत की संघीय संरचना में राज्य अलग-अलग समय पर चुनाव कराते हैं, जबकि केन्द्र सरकार अपने जनादेश कार्यकाल के भीतर काम करती रहती है। ऐसे में चुनावी राजनीति के चलते चुनावी प्रक्रिया के बारे में देश में कुछ कदम उठाना या उनको लागू करना सरल नहीं है। हालांकि, इससे देश को निरंतर चुनावी मोड में रहने से मुक्ति मिलेगी तथा उसकी क्षमता बढ़ेगी। लेकिन हमने जो वेस्टमिनिस्टर व्यवस्था स्वीकारी है, उससे सवाल उठता है कि क्या सर्वसत्तावादी व्यवस्था हमारी संघीय संरचना के लिए ठीक होगी। वर्तमान राजनीतिक संदर्भ में यह विचार क्षेत्रवाद के विचार को ही संकट में डालता है क्योंकि एक चुनाव में राष्ट्रीय मुद्दे मुख्य मंच पर होंगे और कम से कम स्थानीय हितों के मुद्दों को गौण कर देंगे, जबकि क्षेत्रीय पार्टियों की ऐसे मुद्दों पर ज्यादा पकड़ होती है और वे आधार से बेहतर जुड़ाव के चलते अपनी राजनीतिक प्रासांगिकता तथा लेनदेन की क्षमता प्रदर्शित करती हैं।

हालांकि, बहुत से लोगों का तर्क है कि मतदाता व्यापक राष्ट्रीय हितों तथा हाशिए के मुद्दों में अंतर करना अच्छी तरह जानते हैं, पर हमेशा राष्ट्रीय मुद्दों के हावी होने तथा मतदाता की नजर में राज्य स्तरीय पार्टियों की तुलना में राष्ट्रीय पार्टियों का प्रभामंडल मतदान के समय सामने आ सकता है। इस परिघटना के परिणामस्वरूप पिछले लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा उन राज्यों में भी अपनी पहचान बनाने में सफल हुई जहां उसे पिछले विधानसभा चुनावों में भारी धक्का लगा था। इसके साथ ही अनेक क्षेत्रीय क्षत्रप वर्तमान समय में इसलिए परेशान हैं क्योंकि यह पार्टी 2021 में होने वाले विधानसभा चुनावों में राज्यों में नई प्रवृत्ति पैदा कर सकती है। लेकिन भाजपा सोचती है कि इस विचार का अब समय आ गया है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री इस प्रस्ताव को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। निश्चित रूप से इसमें जटिलतायें हैं। इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए जन प्रतिनिधित्व कानून, 1951, दलबदल विरोधी कानून तथा अन्य प्रक्रियागत नियमों में संशोधन के लिए दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत की जरूरत होगी। इसके अलावा ऐसे कदम में मध्यावधि व्यवस्थाओं की व्यवस्था उन स्थितियों के लिए करनी होगी जब कोई राज्य सरकार स्वयं को भंग कर दे या बहुमत समाप्त होने के कारण गिर जाए। ऐसे में राज्यपाल नए चुनाव की घोषणा नहीं कर सकता है तथा उसे गतिरोध वाली विधानसभा को अगले आम चुनावों की घोषणा तक बनाए रखना होगा। यदि केन्द्र सरकार विधानसभाओं का कार्यकाल समाप्त होने के पहले गिर जाए तो क्या होगा। ऐसा कदम लोकतंत्र की भावना के विपरीत तथा संघीय राजनीति में संपूर्ण नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में हो सकता है। वामपंथी दलों व आम आदमी पार्टी-आप तथा अन्य विपक्षी दलों ने इस विचार के खिलाफ चेतावनी दी है। पूर्व निर्वाचन आयुक्त टी.एस. कृष्णमाचारी ने भी चेतावनी दी है कि प्रशासनिक व्यवस्थाओं में परिवर्तन तथा क्रियान्वयन की व्यावहारिकताओं पर ध्यान दिए बिना इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने का कोई अर्थ नहीं है। विधि आयोग ने इसके लिए दो शर्तें पूरी होना जरूरी बताया है। भाजपा भी प्रस्ताव लागू होने में आने वाली कठिनाइयों से परिचित है, पर वह इसे आगे बढ़ा रही है।

बच्चों की अनुचित अनदेखी

समय आ गया है कि सरकारें अपनी नीतियों, राजनीति, विधायनों व बजटीय आबंटनों को समाज के सर्वाधिक संकटग्रस्त तबके हेतु सुरक्षा संजाल बनाने के लिए बदलें।

कैलाश सत्यार्थी
(लेखक नोबल पुरस्कार विजेता हैं)

दुनिया के एक कोने में टीकाकरण शुरू होने के साथ ही कोविड महामारी से मुक्ति की शुरुआत हो चुकी है। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बहुसंख्य लोग बढ़ती भूख, गरीबी व उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं। दुनिया में व्याप्त भयानक व क्रूर असमानता विश्व में महामारी के प्रति प्रतिक्रिया से भी स्पष्ट है। शुरुआत में वैश्विक कोविड सहायता के लिए 8 ट्रिलियन डालर जारी किए गए हैं, पर इनमें से गरीब समुदायों के लिए आबंटन केवल 0.13 प्रतिशत है। बाकी पैसे का प्रयोग बड़े बिजनेसों को उबारने तथा वैश्विक मंदी में उनका मुनाफा बढ़ाने पर केन्द्रित है। इस अन्याय का सबसे ज्यादा शिकार हमारे बच्चे होते हैं।

हमने देखा है कि नागरिकों के साथ साझीदारी करते हुए सरकारों ने अभूतपूर्व पैमाने पर सर्वाधिक प्रभावित समुदायों की सहायता के लिए सूखे राशन, चिकित्सा सहायता व आवश्यक वस्तुएं प्रदान करने का काम किया है ताकि परेशानी से तात्कालिक रूप से निपटा जा सके। मुझे बाल श्रम व अवैध बाल व्यापार से मुक्त कर राजस्थान के बाल आश्रम में रह रहे अपने बच्चों पर गर्व है जिन्होंने कानून लागू करने वाली एजेंसियों, फ्रंटलाइन वर्करों तथा समुदायों के लिए मास्क बनाने का काम अपने हाथ में लिया। अनेक व्यक्तियों और संगठनों ने संकट के समय सहायता के लिए कदम बढ़ाए हैं। जीवन कौशल प्रदान करने और देखभाल करने के लिए सहायता में उन्होंने अपनी सुरक्षा को भी खतरे में डालने से परहेज नहीं किया। लेकिन डिजिटल शिक्षा तक सीमित पहुंच, परिवार की आमदनी रातोंरात समाप्त होने तथा लाखों बच्चों के लिए भोजन के अभाव के कारण हम व्यापक समस्या के बहुत छोटे हिस्से को ही संबोधित कर सके हैं। हालांकि, ये असमानतायें महामारी के कारण नहीं हैं, पर इसके प्रति हमारी प्रतिक्रिया इस सीमा तक अतिरंजित है कि हमने बाल श्रमिकों, अवैध बाल व्यापार व बाल विवाह के शिकार तथा अन्य प्रकार से उत्पीड़न का शिकार बने बच्चों को अनदेखा किया है। इससे हमारी नैतिक, सामाजिक-आर्थिक व लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में भयानक क्षरण हो सकता है।

इस समस्या से बाहर निकलते समय यह समझना जरूरी है कि समाधान के केन्द्र में बच्चों को रखना होगा। इनमें वे बच्चे हैं जिनको काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है, कुछ बच्चों को शिक्षा से वंचित होना पड़ा है तथा कुछ बच्चे कुपोषित व भुखमरी के शिकार हैं। हम संकट के समय अपने बच्चों को उनके हाल पर नहीं छोड़ सकते हैं। समय की आवश्यकता है कि बच्चों को उनका समुचित हिस्सा मिले। उन्हें नीतियों, बजटों व संरक्षण में समुचित हिस्सा चाहिए। बच्चों के लिए समुचित हिस्सा उनके प्रति न्याय के मौलिक सिद्धान्तों का आधार है। 2015 में दुनिया ने एकसाथ आ कर टिकाऊ विकास लक्ष्य निर्धारित किए थे तथा विभिन्न देशों ने वादा किया था कि 'कोई बच्चा पीछे नहीं छूटेगा।' लेकिन हम यह लक्ष्य प्राप्त करने में विफल हो रहे हैं।

कुछ समुदायों ने दशकों से अल्पसंख्यकों, प्रवासियों व किसानों के साथ भेदभाव किया है तथा कुछ समुदायों में बच्चों को शिक्षा, पोषण व सुरक्षा से वंचित रखा गया है। उनको ऐतिहासिक व ढांचागत रूप से वैश्विक संपदा व विकास से अलग रखा गया है। हम इस अभूतपूर्व काल को पीछे मुड़ कर इस तरह भी देखेंगे जब कुछ लोगों को हाशिये पर धकेला गया तथा उनको लगातार अधिकारों से वंचित किया गया। अनेक पीढ़ियों के शोषण की यह श्रृंखला समाप्त करने के लिए सरकारों को सर्वाधिक हाशियाकृत बच्चों व उनके परिवारों के प्रति अपनी नीतियों में आमूल परिवर्तन करना होगा। इसी रास्ते पर चल कर हम बाल श्रम व उत्पीड़न को समाप्त कर ऐसी दुनिया बना सकेंगे जहां बच्चे सीखेंगे और बढ़ेंगे। महामारी के प्रति दुनिया की सर्वाधिक सच्ची परीक्षा अवैध बाल व्यापार की शिकार उस बच्ची के रूप में हुई है जो सड़क मार्ग से अपने घर की 100 किलोमीटर यात्रा करते समय गिर कर मर गई थी। यह परीक्षा उन बच्चों के रूप में होगी जिनको स्कूल छोड़ कर विवाह के लिए मजबूर किया गया है क्योंकि उनकी डिजिटल शिक्षा तक पहुंच नहीं थी। इनमें उन फैक्ट्रियों में फंसे बाल श्रमिक भी शामिल हैं जिनको लाकडाउन के समय में उनके सेवायोजकों ने असहाय छोड़ दिया था। हमारे बच्चे भावी दुनिया को आईना दिखाते हैं।

वर्ष 2021 ने हमें यह अवसर दिया है कि हम एकसाथ आ कर वैश्विक संपदा में बच्चों के न्यायोचित हिस्से के लिए प्रतिबद्धता प्रकट करें ताकि उनका समुचित विकास व बेहतरी सुनिश्चित हो सके। नव वर्ष को संयुक्त राष्ट्रसंघ ने बाल श्रम समाप्ति वर्ष के रूप में घोषित किया है। इसका लक्ष्य है कि टिकाऊ विकास लक्ष्य 8.7 के अंतर्गत वर्ष 2025 तक बाल श्रम समाप्त किया जाए। यह शुरुआत से बहुत महत्वाकांक्षी लक्ष्य था, पर महामारी के दुनिया पर पड़ने वाले विनाशकारी प्रभाव ने उसे घुटने टेकने पर मजबूर किया है और अब दशकों में बाल श्रम समाप्त करने की पहली बार की गई घोषणा खतरे में पड़ गई है। हम दशकों से बाल श्रम समाप्त करने की दिशा में बढ़े कदमों को खोने तथा सभी बच्चों की शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने में विफल रहने का खतरा उठा रहे हैं। इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती है। हम में से प्रत्येक को अपनी भूमिका निभानी होगी जिनमें सरकारें, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां, बिजनेस, धार्मिक नेता, मीडिया, स्कूल व कालेज तथा सिविल सोसाइटी शामिल हैं। सरकारों को अपनी नीतियों, राजनीति, विधायनों व बजटीय आबंटनों तथा जवाबदेही उपायों में इस प्रकार परिवर्तन करना होगा कि वे समुचित पहुंच तथा उपयुक्त सामाजिक सुरक्षा के माध्यम से सर्वाधिक संकटग्रस्त समुदायों के लिए एक सुरक्षा संजाल बना सकें।

अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों को देशों के बीच संपदा की खाई पाटने के लिए बहुआयामी प्रयास करने होंगे तथा उन पर जोर देते हुए बाल सुरक्षा योजनाओं के वैश्विक बेंचमार्क बनाने होंगे। बिजनेसों को पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए समुचित सतर्कता बरतते हुए बाल श्रम मुक्त सप्लाई श्रृंखलायें बनाने पर जोर देना होगा। धार्मिक नेताओं को एकजुट होकर यह सुनिश्चित करना होगा कि समुदायों में बच्चों को प्राथमिकता मिले तथा इसे नैतिक जिम्मेदारी माना जाए। मीडिया को हमारे बच्चों की स्थिति उजागर करते हुए यह सवाल सामने लाना चाहिए कि सभी पक्ष हमारे बच्चों के अधिकार सुरक्षित करने के लिए जिम्मेदार हैं। स्कूलों, कालेजों व सिविल सोसाइटी को तथा खासकर कोरोना से निजात पा चुके लोगों व नौजवानों को परिवर्तन व जवाबदेही की मांग सुनिश्चित करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। उनको दुनिया के भुला दिए गए बच्चों को अपने स्वर देने चाहिए क्योंकि उनकी अपनी कोई आवाज नहीं है।

इस वर्ष ने हमें अनेक सबक सिखाए हैं जिनको हमने अनिच्छा से सीखा है। इसने हमारी आंखों के सामने दुनिया की सच्ची स्थिति खोल कर दिखा दी है। इसने हमें यह बताया है कि लंबे समय से किस चीज की अनदेखी की जा रही थी और उसे भुलाया गया है। हमने परस्पर संपर्क रखने की अपनी अंतर्निहित आवश्यकता तथा एक दूसरे पर परस्पर अंतर-निर्भरता को स्वीकार किया है। लेकिन सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से 2020 ने सिद्ध किया है कि जब तक हम में से सभी सुरक्षित नहीं होंगे, कोई सुरक्षित नहीं हो सकता है। यदि दुनिया के लोग विकास की एकदम विपरीत दिशाओं में चलेंगे तो यह दुनिया लंबे समय तक यह तनाव नहीं झेल सकेगी। हम सचमुच एकसाथ आ कर ही आगे बढ़ सकते हैं। जब भी दुनिया संकट में होगी, मानवता तथा व्यक्तियों में व्याप्त अच्छाई सामने आएगी और हम मजबूत बन कर उभरेंगे। हमें अपनी मानवता और वैश्वीकृत सद्भावना को मजबूत करने के साथ अपने बच्चों से इसकी शुरुआत करनी चाहिए क्योंकि वे हमारे बच्चे हैं।

देशहित में बीच का रास्ता निकालें

> किसानों और केंद्र के बीच टकराव को गरिमापूर्ण ढंग से वार्ता प्रक्रिया के द्वारा सुलझाया जाना हमारे देश के हित में है।

शशांक सौरव
(लेखक लोक नीति विश्लेषक हैं)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिल्ली में एक गुरुद्वारे में जाने का अर्थ राजनीतिक पंडितों से यह लगाया है कि इस दौरे का उद्देश्य सिख समुदाय को एक संदेश देना है जिसने हालिया कृषि विधायनों के विरुद्ध एक प्रकार का एकताबद्ध मोर्चा प्रस्तुत किया है। यद्यपि राजनीतिक बाध्यताएं यथार्थ हैं और कुछ संकेत राजनीतिक संदेश से संबंधित हो सकते हैं लेकिन यह एक तथ्य है कि हिन्दू और सिख एक ही हैं। उनके बीच मतभेद हो सकते हैं लेकिन उन्हें कभी पृथक नहीं किया जा सकता। यह भी एक तथ्य है कि हमारा संविधान हर किसी को शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार देता है और इसलिए, किसानों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी चिंताओं को व्यक्त करने का पूरा अधिकार है। उनके द्वारा उठाए गए कुछ मुद्दे वैध हैं और केंद्र सरकार उन्हें सुनने को सहमत हो गई है। यहां तक कि देश के सर्वोच्च कार्यकारी कार्यालय ने किसानों को चर्चा के लिए आमंत्रित भी किया है और उनकी शिकायतों का निवारण करने का वादा किया है। इन विधायनों को हर कीमत पर वापस लिए जाने के लिए कहना किसी भी चीज से अभिप्रेरित हो मगर किसानों के भले से है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए विधि तौर पर गारंटी दी जाना इस विरोध प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा है और कहीं पर में भी सहमत हूं कि यह सुनिश्चित करने के लिए कानून में एक प्रावधान होना चाहिए कि निजी संस्थाएं और बड़ी कम्पनियों को सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम कीमत पर कृषि उत्पाद खरीदने की अनुमति न दी जाए। जहां तक न्यूनतम समर्थन मूल्य का सवाल है, यह पहले से ही राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून, 2013 के तहत सांविधि में विद्यमान है। न्यूनतम समर्थन मूल्य को धारा 2(10) के अंतर्गत परिभाषित किया गया है और खाद्यान्नों की खरीद एवं वितरण के लिए केंद्र/राज्य सरकारों की आबद्धताओं पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य को चरणबद्ध तरीके से हटाए जाने संबंधी भय निराधार है क्योंकि सरकार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से खाद्यान्न वितरण एवं खाद्य सुरक्षा, मुद्रास्फीति नियंत्रण आदि उद्देश्यों के लिए खाद्यान्नों को खरीदते रहना होगा। यदि हम एक पल के लिए अर्थशास्त्र तथा विधिकता को दरकिनार कर दें, तो मामले का सच यह है कि हमारे देश में वोट बैंक की राजनीति कभी भी सार्वजनिक वितरण प्रणाली खतम नहीं करने देगी और जब तक यह प्रणाली चलेगी तब तक सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाज खरीदना होगा। न्यूनतम समर्थन मूल्य की तरह, शिकायत निवारण व्यवस्था को शामिल करने के लिए कानूनों को संशोधित किया जाना चाहिए और किसानों को नौकरशाहों की मर्जी पर नहीं छोड़ देना चाहिए। सरकार उपभोक्ता फोरम व्यवस्था को ला सकती है जिसमें विवाद की प्रकृति के आधार पर भिन्न प्रकार के फोरम उपलब्ध हों। फसल उगाने वालों के विवादों के समाधान के लिए एक पृथक निकाय त्वरित समाधान सुनिश्चित करेगा साथ ही साथ अदालतों का समय भी बचेगा जो पहले से ही बोझ से लदी हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि भारतीय कृषि कानूनों में सुधार की आवश्यकता है। यह इस तथ्य से प्रमाणित होता है कि कांग्रेस ने बिंदु 11 और अनिवार्य वस्तु समिति अधिनियम, 1955 में अपने 2019 के चुनावी वादों के बिंदु 21 में कृषिक उत्पाद बाजार समिति अधिनियम के उन्मूलन का वादा किया था, जिसे चुनाव घोषणा पत्र के अध्याय-7 के अधीन रखा गया था। इसी प्रकार, आम आदमी पार्टी शासित दिल्ली कृषि कानूनों को अधिसूचित करने वाले पहले राज्यों में शामिल है। यदि विपक्ष वाकई किसानों की मदद करना चाहता है तो उसे संशोधनों के सुझाव लेकर आना चाहिए और प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए। हालांकि, किसी भी विपक्षी नेता ने यह व्याख्या करने का साहस नहीं दर्शाया कि किस तरह ये कानून किसानों के वर्तमान अधिकारों को छीन लेंगे और वे इस विषय पर सार्वजनिक बहस करने से कतरा रहे हैं।

यदि हम कृषि से संबंधित बड़े मुद्दों को देखते हैं तो न्यूनतम समर्थन मूल्य कोई सधाधान नहीं है क्योंकि यह केवल उन किसानों के लिए मददगार है जिनके पास बेचने को अतिरिक्त उत्पाद होते हैं। 90 प्रतिशत से अधिक किसान भरण-पोषण के लिए खेती करते हैं और वे केवल अपनी आवश्यकता पूरी करने भर का उत्पादन करते हैं। किसानों का केवल एक छोटा सा तबका न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना से लाभान्वित होता है और यदि कोई विश्वास करे तो एक उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था फसल उगाने वाले सभी के कष्टों की रामबाण दवा है, तो निश्चित रूप से वह मुद्दे को नहीं समझता है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना दशकों से कायम रही है और कृषि ऋण माफी, कर मुक्त आमदनी, बिजी, उर्वरक आदि विविध प्रकार की सब्सिडियों के साथ विविध सस्ते खेत क्रेडिट पहले से ही किसानों को दिए जा रहे हैं। बढ़ती जनसंख्या ने जोतों का आकर कम कर दिया है और किसानों को बेहतर जीवन जीने के लिए फसल पर अपनी निर्भरता को कम करना होगा। पशुपालन, बागानी, मत्स्य, कुक्कट पालन के क्षेत्र में सरकार की पहलकदमियों को सकारात्मक रूप से लिया जाना चाहिए और ऐसी गतिविधियां ग्रामीण परिवारों की आमदनी बढ़ा सकती हैं।

भारत एक विशाल देश है और किसानों की समस्या का कोई ऐसा समाधान नहीं है जो सब पर लागू हो जाए। पंजाब के किसानों की समस्याएं बिहार, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के किसानों से भिन्न हैं। अन्न और अन्नदाता का हमारी संस्कृति में विशेष स्थान है और किसी को भी अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए उन्हें बदनाम करने नहीं देना चाहिए। किसानों और केंद्र के बीच टकराव को गरिमापूर्ण ढंग से वार्ता प्रक्रिया के द्वारा सुलझाया जाना हमारे देश के हित में है। यह काम जल्द हो जाना चाहिए क्योंकि बहुत से जीवन इस लंबे खिंचते संघर्ष के शिकार हो रहे हैं। अब समाधान सुनिश्चित करने का समय है।

आप की बात

साबर सुरक्षा जरूरी

भारत एंड्रॉयड मोबाइल और इंटरनेट के खपत के मामले में दूसरे नंबर पर है। ये आश्चर्य वाली बात है कि जिस महामारी ने लगभग सभी चीजों का इतना तेज़ी से तकनीकीकरण किया, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। शिक्षा के क्षेत्र से लेकर, डॉ के अपॉइंटमेंट तक और राजनीति के वर्चुअल रैली से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर की बैठक तक। सबकुछ ऑनलाइन होने के कारण सुरक्षा का भी सवाल उतना ही गंभीर है, जितना कि आपका कैरियर! भारत में रोज लगभग 375 साइबर से जुड़े फ्रॉड, धोखा धड़ी और कई मामले सामने आते हैं।ये अपने आप में भारत में ऑनलाइन के उपयोग को लेकर चिंता में डालने वाले सवाल है? क्या हमारे डाटा, बैंक अकाउंट, सुरक्षित है? भारत पूरे विश्व में सबसे सस्ता नेट उपलब्ध कराता है, जिसका हम बड़े मज़े से इस्तेमाल करते हैं। फ्री की चीज और भारत के लोग छोड़ दें, हो ही नहीं सकता। यही से चीज बिगड़ना शुरू हो जाती हैं। कहीं फ्री वाईफाई मिलना, किसी लिंक को टच करके लाख रुपए जितना, और न जाने क्या क्या। भारत और आम जन को बहुत ही सतर्क होने की जरूरत है, अन्यथा कब आपका डाटा, अकाउंट बैलेंस के साथ क्या हो जाए, कोई नहीं जानता, क्योंकि सब हवा में है!

– **अमन जायसवाल**, नई दिल्ली

हठ या अनिवार्यता

किसान नेताओं की हर मांग पर सरकार विचार करने और बातचीत के माध्यम से रास्ता निकालने को तैयार है लेकिन किसान अड़े हुए हैं और पांचवे दौर की वार्ता विफल होने के बाद अगले दौर के लिए तारीख नहीं दे रहे हैं। भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में कानून बनाने की प्रक्रिया भी उतनी ही लोकतांत्रिक है। पहले मसले पर कमेटियां फिर उनकी सिफारिश उन सिफारिशों के आधार पर सत्ता पक्ष का संबंधित मंत्रालय एक मसौदा तैयार करता है। जिस पर कैबिनेट चर्चा करती है और उस चर्चा में उभरे बिंदुओं को समाहित करते हुए एक बिल तैयार किया जाता है, जिस पर जनता और उससे जुड़े सभी लोगों की राय ली जाती है जिसके बाद लंबी चर्चा के साथ संसद के दोनों सदन इसे पारित करते हैं और आज विपक्ष खासकर कांग्रेस पार्टी तीनों कानूनों के खिलाफ विरोध कर रहे है लेकिन अध्यादेश को कानून में बदले जाने पर वह कहां थी? तब तो पार्टी ने अपने विरोध के सुर बुलंद नहीं किए थे। हालांकि कांग्रेस सरकार ने तो कई राज्य में कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग को बढ़ावा देकर कई बड़े कॉरपोरेट घरानों को अपने राज्य में आमंत्रित किया हैं तो जब अब मोदी सरकार भी एक पहल करना चाहती है तो विपक्षी दल क्यों उसमें रोड़ा बन रहे हैं?

– **निधि जैन**, लोनी, गाजियाबाद

धूम्रपान के खतरे

धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए जानलेवा साबित होने के बावजूद लोग इसकी फिक्र को धुएं में उड़ाने पर आमादा हैं। यह चिंता का विषय है। कोरोना महामारी के प्रकोप के बाद लोगों द्वारा इस दिशा में स्वत: नियंत्रण की उम्मीद जगी थी, मगर इस खबर के बाद कि सिगरेट पर सख्ती में भारत काफी पीछे है चिंताएं और भी बढ़ी है। विश्व के अन्य देशों के मुकाबले भारत 95 वें स्थान पर है। धूम्रपान से लगातार अनेकों बीमारियां पनप रही है। युवा इसमें सबसे ज्यादा मशगूल नजर आते हैं। सिगरेट के उपयोगकर्ता पैकेट पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनियों को नजर अंदाज कर केवल मजे लेने में व्यस्त रहते हैं जो उनकी सेहत के लिए कदापि उचित नहीं है। निर्माता कंपनियों द्वारा महज पैकेट पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी लिखकर लोगों को सचेत किया है मगर इसका प्रचार प्रसार छोटे-छोटे गांव तक होने से बड़ी संख्या में लोग इसका उपयोग कर रहे हैं। आज के दौर में केवल चेतावनियां छाप देने से ही काम नहीं चलेगा सख्ती को अमल में लाना ही होगा तभी धुएं के उड़ते गुबार रोके जा सकेंगे।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

शाहीन बाग और किसानों के विरोध प्रदर्शन के बीच कुछ साझा है। चिल्ला बंद करने की आवश्यकता नहीं दिखाती। यह बनावटी अभाव पैदा करने के लिए है।

– **अभिषेक मनु सिंघवी**
कांग्रेस प्रवक्ता

हाल ही में उनकी पार्टी छोड़कर जाने वालों के लिए ममता भाजपा पर कैसे निशाना लगा सकती हैं? उन्होंने भी कांग्रेस को छोड़ी थी।

– **अमित शाह**
केंद्रीय गृहमंत्री

पर्यटक गैंग के लोगों द्वारा बंगाल में दिए गए भाषण का तथ्य परीक्षण करें। एक भाषण में सात फर्जी बयान मिले।

– **डेरेक ओ ब्रायन**
तृणमूल सांसद

विशेष वरासत अभियान में हो शत-प्रतिशत ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त जिलाधिकारियों को विशेष वरासत अभियान में प्राप्त आवेदनों का शत-प्रतिशत ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि राजस्व ग्राम समिति की बैठक के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अभियान में अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि निर्विवाद उत्तराधिकारों को खतौनियों में दर्ज कराने के लिए प्रदेश के समस्त ग्रामों में विशेष वरासत अभियान संचालित किया जा रहा है। यह अभियान 15 दिसम्बर से 15 फरवरी 2021 तक चलाया जाएगा। आवेदक की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नम्बर तथा ई-मेल आईडी की व्यवस्था की गई है। आवेदक द्वारा राजस्व परिषद की हेल्पलाइन 0522-2620477, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 तथा ई-मेल आईडी पर सम्पर्क कर विशेष वरासत अभियान के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की जा सकती है अथवा समस्या के निदान के लिए सम्पर्क किया जा सकता है।

योगी से मिले फिल्म निर्माता पहलाज निहलानी

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा यूपी में फिल्म सिटी बनाने के निर्णय के बाद बॉलीवुड के बड़े निर्माता और निर्देशक यूपी में फिल्म निर्माण के लिए उत्सुक हैं। इससे पहले यूपी के किसी सीएम ने इस तरह की पहल नहीं की थी। मैं योगी जी की नई सोच और नए तरीके से बेहद प्रभावित हूं। ये कहना था आंखे, अंदाज, शोला और शबनम जैसी फिल्में बनाने वाले सेंसर बोर्ड के पूर्व चेयरमैन और दिग्गज फिल्म निर्माता पहलाज निहलानी का। उन्होंने बुधवार को चर्चित संवाद लेखक संजय मासूम के संग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री से फिल्म सिटी के निर्माण और अयोध्या पर बनने वाली नई फिल्म अयोध्या की कथा के बारे में चर्चा की। निहलानी ने बताया कि यूपी में फिल्म सिटी के निर्माण होने से स्थानीय कलाकारों को मंच, मौका और काम मिलेगा। साथ ही पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया अपनी विविधता और ऐतिहासिक, सांस्कृतिक रूप से बेहद संपन्न होने के नाते उत्तर प्रदेश शूटिंग के लिहाज से बेहद ही मुफीद जगह है। यहां पर फिल्म निर्माताओं को सब्सिडी मिलती है। शूटिंग की परमिशन भी बड़े आराम से मिल जाती है।

अयोध्या की कथा फिल्म में दिखाएंगें अयोध्या की झलक: पहलाज निहलानी ने बताया कि राजा राम हम सभी के दिलों में बसते हैं। प्रभु श्रीराम पर आधारित अयोध्या की कथा फिल्म में अयोध्या की झलक दिखेगी जिसमें अयोध्या की अनकही-अनदेखी कथाओं संग रामराज्य के नजारों को दिखाया जाएगा। युवाओं को बड़े पर्दे पर मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम की पौराणिक कहानियों को देखने का मौका मिलेगा। वो अपनी नई फिल्म अनाड़ी इज बैक की शूटिंग 21 जनवरी से महीनें से लखनऊ और इसके आस-पास करेंगे। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि कलाकार की धर्म व जाति नहीं होती उसका काम ही उसका धर्म होता है। कलाकार को सिर्फ अपने काम पर ध्यान देना चाहिए। सोशल मीडिया पर हर मुद्दे पर जिनमें जानकारी नहीं हो उनपर बोलना नहीं चाहिए। कलाकारों को लाखों लोग अपना आर्दश मानते हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देने से पहले सोचना चाहिए। कोरोना काल में कई नए कलाकारों को दिक्कत का सामना करना पड़ा है। मेरा मानना है कि परेशानियां कुछ पलों की हैं अगर टैलेंट है तो आपको मंजिल तक पहुँचने से कोई रोक नहीं सकता।

अटल जयंती पर 9 करोड़ किसान परिवारों को 18 हजार करोड़ का होगा हस्तांतरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी ने स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी के जन्मदिन 25 दिसम्बर पर पीएम मोदी द्वारा किसानों के साथ संवाद के कार्यक्रम से पूरे प्रदेश में ग्राम पंचायत स्तर तक अधिकाधिक लोगों को जोड़ने के लिए तैयारियों की समीक्षा करते हुए अपनी योजना रचना को अंतिम रूप दिया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह व प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने कार्यक्रम को लेकर पार्टी पदाधिकारियो के साथ बैठक की। पार्टी ने तय किया है कि 26 व 27 दिसम्बर को प्रदेश में सभी बूथों पर प्रदेश क्षेत्र, जिला, मंडल, सेक्टर के पार्टी पदाधिकारियों सहित सभी जनप्रतिनिधि अपने अपने बूथों पर उपस्थित रहकर सेवा कार्य करते हुए अटल जी को श्रद्धांजलि देंगे। साथ ही केन्द्रीय कृषि मंत्री के पत्र के साथ संपर्क व संवाद भी करेंगे।

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा लाए गए कृषि सुधार कानून के बारे में किसानों के बीच भ्रम फैलाया जा रहा है। विपक्षी दल किसानों को लगातार बरगला रहे है कि नए कृषि सुधार कानून उनके हितों को नुकसान पहुंचायेंगे जबकि सच्चाई यह है कि नए कृषि सुधार कानूनों के बाद हुए सुधारों से न सिर्फकिसानों के अनेक बंधन समाप्त हुए है बल्कि उन्हें नये अधिकार और अवसर भी मिले है। अटल जी के जन्मदिन पर किसान सम्मान निधि के अंर्तगत 9 करोड़ किसान परिवारों को 18 हजार करोड़ रूपये का हस्तांतरण सीधे उनके बैंक खातों में किया जायेगा। सुनील बंसल ने कहा कि कार्यक्रम को लेकर स्थान इत्यादि का चयन करते किसानों आमजनों से वृहद संपर्क कर उनसे प्रधानमंत्री के संवाद कार्यक्रम में सम्लित होने का आग्रह करें। किसान संवाद कार्यकम को लेकर पार्टी संगठन व राज्य सरकार द्वारा कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता हो इस पर संगठन कार्यकर्ता विशेष ध्यान दे। पार्टी के प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला ने बताया कि किसान संवाद कार्यक्रम में पार्टी के सभी सांसद विधायक व जनप्रतिनिधियों सहित निगम बोर्डो व सहकारी समितियों के पदाधिकारियों के अलावा पार्टी के सभी पदाधिकारी अलग अलग स्थानों पर सम्लित होंगे।

उर्वरक को अवैध रूप से प्रदेश से बाहर ले जाने वालों पर हो कठोर कार्रवाई: डॉ. देवेश चतुर्वेदी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने भारत-नेपाल सीमा से 5 किमी क्षेत्र के अन्तर्गत निजी क्षेत्र में उर्वरकों की बिक्री हेतु उर्वरक निबंधन प्रमाण पत्र जारी न किये जाने के निर्देश दिये हैं। इसके अतिरिक्त यदि आवश्यक हो तो, पुलिस एवं स्टेट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की सहायता से अन्तर्राष्ट्रीय एवं अन्तर्राज्यीय सीमाओं पर सतर्कता बरतने के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही उर्वरकों को अवैध रूप से प्रदेश से बाहर ले जाने वाले असामाजिक तत्वों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। यह जानकारी अपर मुख्य सचिव, डॉण् देवेश चतुर्वेदी ने देते हुये बताया कि कृषि विभाग द्वारा इस सम्बन्ध में सम्बन्धित जिलाधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिये गये हैं।

अपर मुख्य सचिव कृषि द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय एवं अन्तर्राज्यीय सीमाओं के निकटवर्ती 40 जनपदों के जिलाधिकारियों को निर्देश जारी करते हुये कहा गया है कि प्रदेश में रबी सीजन के अन्तर्गत किसानों द्वारा फसलों की बुवाई का कार्य त्वरित गति से किया जा रहा है, जिसके दृष्टिगत जनपद में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध उर्वरकों का किसानों के मध्य वितरण सुनिश्चित करने हेतु विशेष सतर्कता बनाये रखने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, गोण्डा, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बलिया, गाजीपुर, चन्दौली, सोनभद्र, मिर्जापुर, प्रयागराज, चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर, जालौन, इटावा, फिरोजाबाद, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, बागपत एवं शामली जनपद के जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किये गये हैं। डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि उर्वरकों की शीर्ष मांग के कारण इस समय असामाजिक तत्वों द्वारा उर्वरकों का अवैध रूप से प्रदेश के बाहर भेजने का प्रयास किया जाता है, जो कि उर्वरक ;नियंत्रणद्ध आदेश, 1985 एवं उर्वरक परिसंचलन ;नियंत्रणद्ध आदेश, 1973 का उल्लंघन है। ऐसी स्थिति में अन्तर्राष्ट्रीय एवं अन्तर्राज्यीय सीमाओं के निकटवर्ती जनपदों में उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण की सघन निगरानी किये जाने की आवश्यकता है।

सरकार किसान हितों को सर्वोपरि रखकर कार्य कर रही है: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को अपने लखनऊ आवास पर सादगी और सरलता की प्रतिमूर्ति, महान जन नेता चैधरी चरण सिंह जी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर उन्होने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए आजीवन समर्पित रहने वाले चैधरी चरण सिंह के विचार पूरे समाज को सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।चैधरी चरण सिंह किसानों के सच्चे मसीहा थे । कहा कि उनका जीवन दर्शन हम सबके लिये अनुकरणीय है। वह सादगी की प्रतिमूर्ति थे। श्री मौर्य ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार किसानों के हितों को सवोर्परि रखते हुये कार्य कर रही हैं। किसानों के साथ कोई अन्याय नहीं होने दिया जायेगा। किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। श्री मौर्य ने कहा कि देश की खुशहाली का रास्ता किसानों के खेतों और खलिहानो से होकर गुजरता है।किसान अन्नदाता ही नही, अन्न देवता के तुल्य हैं। किसानों के कल्याण व उनके चहुंमुखी विकास के लिए सरकार कृत संकल्प है और इस दिशा में अनेकों महत्वाकांक्षी योजनाओं का संचालन कर किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है।

बीजेपी महानगर खिचड़ी भोज सहित बूथों पर आयोजित करेगी कार्यक्रम

लखनऊ। बीजेपी लखनऊ महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने पूर्व पीएम स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर मण्डल अध्यक्षों एवं मण्डल प्रभारियों सहित महानगर महामंत्रियों की बैठक कर कार्यक्रमों की योजना बनायी। महानगर महामंत्री पुष्कर शुक्ला ने बताया कि बैठक कर निर्णय लिया गया कि 25 दिसम्बर को 11 बजे कुड़िया घाट पर प्रति वर्ष की भांति कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा एवं दोपहर 12 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन को वर्चुअल माध्यम से सुनने की व्यवस्था की जायेगी। इसके पश्वात सामूहिक खिचड़ी भोज का आयोजन किया जाएगा। महानगर क्षेत्र के सभी बूथों पर 26 व 27 दिसम्बर को सेवा एवं स्वच्छता के साथ-साथ पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित कर अटल बिहारी बाजपेयी के जीवन पर आधारित कार्यक्रम किए जाएंगे।

किसानों के कल्याण के लिए चौधरी चरण सिंह ने आजीवन कार्य किया: स्वतंत्र देव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 118 वीं जयंती पर विधान भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर पहुंचकर उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने राजनीति में शुचिता को आगे बढ़ाते हुए किसानों के कल्याण के लिए आजीवन कार्य किया। उनके आदर्शो का अनुकरण करते हुए पीएम नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार किसानों के सर्वांगीण विकास व उनकी आय को दोगुनी करने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। किसान हमारे लिए विपक्ष की तरह वोट नीति का हिस्सा न होकर राष्ट्रनीति व विकास नीति का हिस्सा है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री जेपीएस राठौर, क्षेत्रीय अध्यक्ष शेष नारायण मिश्रा सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश के 1210 स्थलों पर किसान गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा

लखनऊ। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म दिवस 25 दिसम्बर को सुशासन दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों के 1210 स्थलों पर किसान गोष्ठी का आयोजन पूर्वान्ह 11 बजे से सहकारिता विभाग द्वारा किया जायेगा। किसान गोष्ठी को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दोपहर 12 बजे वीडियो क्रांफ्रेंसिंग के माध्यम से सम्बोधित किया जायेगा। यह जानकारी उत्तर प्रदेश के सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने दी है। उन्होने बताया कि आयोजित किसान गोष्ठी में केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान की जायेगी। उन्होने यह भी बताया कि भारत के प्रधानमंत्री जी के सम्बोधन की जानकारी किसानो तक पहुचाने के लिए किसान गोष्ठी स्थल पर एलईडी की व्यवस्था करायी जायेगी जिससे किसानो को प्रधानमंत्री जी द्वारा किसानो के हित की जानकारी से अवगत कराया जा सके।

भाजपा किसानों का अपमान करना छोड़े: अखिलेश

● **समाजवादी पार्टी ने किसान दिवस मनाया**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी का 118वां जन्मदिवस बुधवार को समाजवादी पार्टी ने किसान दिवस के रूप में मनाया। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं नेताओं ने उनका नमन करते हुए उन्हें पुष्पांजलि दी। सपा प्रवक्ता ने बताया कि प्रत्येक जनपद में इस अवसर पर चौधरी साहब के राजनीतिक योगदान की चर्चा की गई और किसानों के हित में उनके द्वारा किए गए कामों का स्मरण किया गया। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में चौधरी चरण सिंह के चित्र पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने माल्यार्पण किया। उन्होंने चौधरी साहब के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प दिलाया। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी भी साथ में मौजूद थे। इस अवसर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा राजधानी में चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट अमौसी स्थित चौधरी साहब की प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की गई।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के राज में देश के इतिहास में एक ऐसा किसान दिवस आया है, जब उत्सव के स्थान पर देश का किसान सड़कों पर संघर्ष करने पर मजबूर है। भाजपा किसानों का अपमान करना छोड़े! क्योंकि देश का किसान भारत का मान है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का गांव.किसान से कभी कोई रिश्ता नहीं रहा। वह तो कारपोरेट की पोषक है। इन दिनों किसानों के आक्रोश को देखते हुए वह चौधरी साहब के प्रति दिखावटी सम्मान प्रदर्शित करते बड़े.बड़े सरकारी विज्ञापनों में स्मरण की निरर्थक एक्सरसाइज कर रही है। चौधरी साहब के प्रति यह पहली बार स्नेह उमड़ा है। चौधरी साहब की बड़ी फोटो लगाने का क्या अर्थ जबकि भाजपा का दिल ही बड़ा नहीं है। वैसे भी सरकार यह न समझे कि चौधरी साहब के नाम पर धूमधड़ाका करके किसानों की आवाज को वह दबा सकेगी या उनमें भ्रम फैला देगीं। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों की बात सुनना नहीं चाहती है। वह किसानों को डराने धमकाने में लगी है। भाजपा का किसान विरोधी आचरण चौधरी के प्रति कृतज्ञता नहीं कृतघ्नता ही प्रदर्शित करता है। चौधरी साहब के नाम पर किसान सम्मान जैसा आडम्बर चलने वाला नहीं है। भाजपा की विरोधाभासी नीतियों से कोई अब गुमराह करने की कोई साजिश सफल नहीं होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि धान.गन्ना की अपनी ही कमाई के लिए किसान भटक रहे है।

एमएसपी का अतापता नहीं। क्रय केन्द्रों पर भी किसान को परेशान किया जाता है। समय से भुगतान भी नहीं होता है। किसान के साथ जो वादे किए गए थे, वे पूरे नहीं किए गए। उल्टे तीन कृषि कानून लाकर उनकी खेती कारपोरेट को बेचने की तैयारियां की जा रही है। कंपकंपाती ठण्ड में किसान सड़कों पर है और इसको वापस लिए जाने की मांग कर रहे है जिसमें दो दर्जन से ज्यादा किसान शहीद हो गए है। फिर किस मुंह से भाजपा अपने को किसान हितैषी बता रही है।

जयंती पर याद किये गए चौधरी साहब अस्पतालों में फल-बिस्किट का वितरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेशीय मुख्यालय में बुधवार को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौ चरण सिंह की 118वीं जयन्ती हर्षोल्लास के साथ मनाई गयी। प्रदेश कार्यालय प्रांगण स्थित चौ. साहब की प्रतिमा के सम्मुख वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ यज्ञ का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने प्रमुख पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ यज्ञ में आहुति डाली और चौ साहब को नमन किया।

हवन पूजन के पश्चात राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ मसूद अहमद व राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ विधान भवन स्थित चौ साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके नमन किया। वही पार्टी कार्यालय में वर्तमान परिस्थतियों में

चौ चरण सिंह की विचारधारा एवं नीतियों की प्रासंगकिता विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये प्रदेश अध्यक्ष डॉ मसूद अहमद ने कहा कि यदि केन्द्र सरकार चौ साहब में जरा भी आस्था रखती है तो 28 दिन से राष्ट्रीय राजधानी के चारों ओर डेरा डाले लाखों किसानों के दुख दर्द को समझे और उसका निराकरण करे। राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को चौ साहब का नाम लेने का नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि भाजपा सरकारों में किसान बहुत अधिक त्रस्त हो गया है जबकि यह किसान चौ साहब की आत्मा है। विचार गोष्ठी को राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा, युवा रालोद के प्रदेश अध्यक्ष अम्बुज पटेल, युवा रालोद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रविन्द्र पटेल एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता रोहित अग्रवाल, रजनीकांत मिश्रा, प्रो यज्ञदत्त शुक्ल आदि रालोद नेताओं ने सम्बोधित किया। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्रनाथ त्रिवेदी ने बताया कि पूरे प्रदेश में किसान मसीहा चौ चरण सिंह की जयंती के अवसर पर फल वितरण, कम्बल वितरण रक्तदान, पुष्पांजलि विचार गोष्ठियां, चौपाल आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये। लखनऊ में भी राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ मसूद अहमद व राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने झलकारीबाई चिकित्सालय में भर्ती सभी मरीजों फल तथा बिस्कुट आदि वितरित किये।

कृषि कानूनों के खिलाफ कांग्रेस ने किया प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

● **जब तक किसानों की बातें नहीं सुनी जातीं तब तक कांग्रेस का जारी रहेगा सड़क से सदन तक संघर्षरू लल्लू**

ताली-थाली बजाकर जताया विरोध

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्र सरकार के नए कृषि कानूनों के खिलाफ कांग्रेस ने किसान दिवस पर बुधवार को प्रदेशव्यापी ताली.थाली बजाओ और सरकार जगाओ, कार्यक्रम आयोजित किया। लखनऊ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू थाली बजाने के लिए रक्षा मंत्री एवं सांसद राजनाथ सिंह के सरकारी आवास पर जाना चाहते थे , लेकिन लखनऊ पुलिस ने उन्हें नजरबंद कर दिया। जिसके बाद लल्लू अपने डाली बाग विधायक निवास स्थित आवास पर पहुंचे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठ गए और थाली बजाकर नए कृषि कानून का विरोध जताया। लल्लू ने कहा कि उत्तर प्रदेश में किसानों ने कर्ज के कारण आत्महत्या की है। सिर्फ उत्तर प्रदेश में एक वर्ष में छह सौ से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या की है। सरकार किसानों के आन्दोलन को दबाना चाहती है। कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि पूरे प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं (जिन्हें योगी सरकार द्वारा गिरफ्तार हाउस अरेस्ट नहीं किया गया) ने अपने.अपने क्षेत्रों में स्थानीय भाजपा के जनप्रतिनिधियो, सांसदों, विधायकों के आवासोंव कार्यालयों पर ताली-थाली बजाकर आन्दोलन किया। लल्लू ने कहा कि जिस प्रकार पिछले 28 दिनों से हमारे देश का अन्नदाता किसान भीषण ठण्ड में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के बार्डर की सड़कों पर अपनी मांगों को लेकर आन्दोलनरत है। वहीं सरकार को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ रहा है कि आन्दोलनरत किसान कितनी मुसीबत में अपनों को खोते जा रहे हैं अब तक 28 किसानों की दुखद मौतें हो चुकी हैं तथा आज से देश का पेट भरने वाला अन्नदाता किसान 18 घण्टे भोजन न करने (उपवास) पर है और भाजपा की सरकार और उनके प्रतिनिधि (सांसद,विधायक) अहंकार में कुम्भकर्णी नींद सो रहे हैं। उन्होने कहा कि भाजपा खुद तो अपनी रैली कर रही है और प्रदेश में अघोषित आपातकाल लगा रखा है। किसानों के समर्थन में कांग्रेस के कार्यकर्ता जब सांकेतिक रूप से कोई समर्थन व्यक्त करना चाहते हैं तो या तो उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाता है या उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया जाता है। इस तानाशाही से केन्द्र और राज्य की भाजपा सरकार हमारे अन्नदाता किसानों की आवाज को दबा नहीं सकती। हम कांग्रेसी किसानों की मांगें पूरी होने तक सड़क से सदन तक अपना संघर्ष जारी रखेंगे।

कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि इसी क्रम में आज पूरे प्रदेश में के हर जनपद में गिरफ्तारी एवं हाउस अरेस्ट से बचे हेतु पार्टी के जिलाध्यक्षों, शहर अध्यक्षों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने व्यापक रूप से भाजपा के सांसदों और विधायकों के आवास एवं कार्यालयों का घेराव किया और ताली.थाली बजाकर उन्हें सचेत किया कि वह अहंकारी रवैया त्यागकर हमारे अन्नदाता किसानों के समर्थन में उनकी मांगों को पूरा करने के लिए आगे आएं और जिन किसानों के बल पर आज वह सत्ता में बैठे हैं उनका मुसीबत के समय साथ दें।

उत्तर प्रदेश में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बनेगा इको टूरिज्म बोर्ड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की योगी सरकार उत्तर प्रदेश में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए इको टूरिज्म बोर्ड का गठन करने जा रही है। इको टूरिज्म बोर्ड के कथन की रूपरेखा तैयार करने के लिए बुधवार को वन विभाग एवं पर्यटन विभाग की संयुक्त बैठक वन विभाग के पारिजात सभागार में आयोजित की गई। इस मौके पर वन मंत्री दारा सिंह चौहान एवं पर्यटन मंत्री नीलकंठ तिवारी समेत विभागों विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में मंत्रीगणों एवं अधिकारियों का स्वागत करते हुए सुनील पाण्डे प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव उत्तर प्रदेश ने वन विभाग की तरफ से प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश में स्थित 2 टाइगर रिजर्व यथा दुधवा टाइगर रिजर्व एवं पीलीभीत टाइगर रिजर्व एवं उत्तर प्रदेश में स्थित वन्यजीवों विहारों के बारे में जानकारी दी। बैठक में उपस्थित अधिकारियों द्वारा इको टूरिज्म में सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश के बाहर भारत में चल रहे इको टूरिज्म के अनुभव के बारे में अवगत कराया ।बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेश में स्थित इको टूरिज्म सेंटर की ब्राडिंग उत्तर प्रदेश में और उत्तर प्रदेश के बाहर किये जाय। वन विभाग तथा टूरिज्म विभाग की एक संयुक्त कमेटी बनायी जाय जिसमें 4 से 6 अधिकारी नामित किये जाय ।यह कमेटी उत्तर प्रदेश के इको टूरिस्ट सेंटर का निरीक्षण कर अपने सुझाव 15 दिन के अंदर प्रस्तुत करेगी। दोनो विभाग पूरे वर्ष का एक कैलेण्डर बनायेगे एवं संयुक्त कार्यक्रम तय कर कियान्वित करेगें। उत्तर प्रदेश में अन्य प्रदेशों की तरह इको टूरिज्म बोर्ड बनाया जाय। इको पर्यटन को बढावा देने के लिए प्राइवेट पार्टी को आमंत्रित कर सुयक्त विकास के माडल पर सम्भावाएं खोजी जाय।

कर्नाटक सरकार ने 23 से दो जनवरी तक रात्रि कर्फ्यू लागू किया

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा ने बुधवार को बताया कि राज्य सरकार ने कोविड-19 के नए स्वरूप (स्ट्रेन) के संक्रमण को काबू करने के लिए बुधवार रात से दो जनवरी तक रात्रि कर्फ्यू लागू करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर, कोविड-19 के लिए राज्य की तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुलाकात के बाद यह घोषणा की। कोविड-19 वायरस के नए स्वरूप के कारण और भारत सरकार एवं तकनीकी सलाहकार समिति की सलाह के अनुसार, आज (बुधवार) से दो जनवरी, 2021 तक रात 10 बजे से सुबह छह बजे तक रात्रि कर्फ्यू लागू करने का फैसला किया गया है।

एदियुरप्पा ने कहा, यह पूरे राज्य में लागू रहेगा।.. मैं सभी लोगों के अपील करता हूं कि वे कोविड-19 के नए स्वरूप के संक्रमण को रोकने में सहयोग करें। इससे पहले सुधाकर ने टीएसी सदस्यों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया। पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में भी रात्रि कर्फ्यू लागू करने की सोमवार को घोषणा की गई थी।

विदेशों से राज्य में आने वाले लोगों को कोविड-19 संबंधी जांच रिपोर्ट लानी होगी, जिसमें उनके संक्रमित नहीं होने की पुष्टि हो और यह जांच राज्य आने से 72 घंटे पहले ही कराई गई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हवाईअड्डे पर जांच के लिए सभी प्रबंध करा दिए गए हैं और स्वास्थ्यकर्मियों को तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि सुबह छह से रात 10 बजे तक सभी गतिविधियां सामान्य रूप से चलेंगी और रात 10 बजे के बाद किसी को बाहर नहीं निकलना चाहिए। इस संबंध में जल्द ही दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। स्कूल और कॉलेज खोले जाने के बारे में पहले ही चर्चा की जा चुकी है और बताया जा चुका है कि कक्षा 10वीं और 12वीं के लिए स्कूल एक जनवरी से खुलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, हम दो दिन में बताएंगे कि स्थिति में कोई बदलाव आता है या नहीं। फिलहाल, कक्षाएं एक जनवरी से चालू होंगी।

तमिलनाडु सरकार ने जल्लीकट्टू के आयोजन को अनुमति दी

चेन्नई (तमिलनाडु)। तमिलनाडु सरकार ने राज्य के लोकप्रिय खेल जल्लीकट्टू के अगले महीने आयोजन को अनुमति दे दी है। सरकार ने बुधवार को कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के मद्देनजर लागू दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए इसका आयोजन किया जा सकता है। जल्लीकट्टू के लिए अधिकतम 300 प्रतिभागियों और एक अन्य खेल एरुधु विदुम निगाची के लिए अधिकतम 150 प्रतिभागियों को अनुमति दी जाएगी। सरकार ने बताया कि समारोह के लिए चिह्नित खुले स्थलों में प्रवेश से पहले दर्शकों की थर्मल जांच होगी और उन्हें सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करना होगा और मास्क पहनना होगा। प्रतिभागियों के पास उनके कोविड-19 से संक्रमित नहीं होने की पुष्टि करने वाली सरकार द्वारा अधिकृत प्रयोगशालाओं की जांच रिपोर्ट होनी चाहिए। तमिलनाडु में 235 प्रयोगशालाएं हैं।

नई दिल्ली में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुनील अरोड़ा मुलाकात करते हुए।

मंदिर के लिए भाजपा की तेलंगाना में 3 करोड़ से ज्यादा लोगों से धन जुटाने की योजना

भाषा। हैदराबाद

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने बुधवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए देश में धन जुटाने के अपने अभियान के तहत संस्था की तेलंगाना में 9000 गांवों में जाकर तीन करोड़ से ज्यादा लोगों से दान प्राप्त करने की योजना है। विहिप ने मंदिर निर्माण में हिंदुओं से दान प्राप्त करने में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास को हर तरह का सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि संगठन के कार्यकर्ता देश भर के करीब चार लाख गांवों में 11 करोड़ परिवारों के करीब 50 से 55 करोड़ सदस्यों से उनके योगदान के लिए संपर्क करेंगे।

मंदिर निर्माण के लिए रकम जुटाने का अभियान 15 जनवरी 2021 से शुरू होगा और 27 फरवरी 2022 तक चलेगा। कुमार ने यहां संवाददाताओं को बताया कि तेलंगाना में विहिप की योजना राम मंदिर निर्माण के लिए चंदा जुटाने के उद्देश्य से 9000 से ज्यादा गांवों में करीब 40 लाख परिवारों के तीन करोड़ से ज्यादा लोगों तक पहुंचने की है। उन्होंने कहा कि रकम जुटाने के इस काम में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाएगी और धन संग्रहण दल में पांच स्वयंसेवक होंगे और वे संग्राहक को रिपोर्ट करेंगे। उन्होंने कहा कि जुटाई गई रकम को 48 घंटों के अंदर तीर्थ क्षेत्र के बैंक खाते में जमा करा दिया जाएगा।

यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी विदेशों से भी चंदा लेने की योजना है, कुमार ने कहा कि फिलहाल वे देश के अंदर से ही चंदा जुटाएंगे क्योंकि उनके पास अभी विदेश से रकम लेने के लिए जरूरी मंजूरी नहीं है, यद्यपि उन्होंने इस संबंध में आवेदन दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्य मंदिर का कुल क्षेत्र 2.7 एकड़ का होगा और उम्मीद है कि 2024 तक मंदिर के गर्भगृह में श्री राम लला की प्रतिस्थापना पूरी हो जाएगी। कुमार ने कहा कि विहिप का मिशन सिर्फ भगवान राम की जन्मस्थली में मंदिर बनवाना नहीं बल्कि राम राज्य स्थापित करना भी है।

सोनिया, राहुल ने स्वामी पर सुनवाई में देरी कराने का आरोप लगाया

भाषा। नई दिल्ली

हेराल्ड मामला

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने बुधवार को भाजपा सांसद सुब्रह्मण्यम स्वामी पर आरोप लगाया लगाया कि वह पूरी तरह से अस्पष्ट अर्जी देकर नेशनल हेराल्ड मामले में सुनवाई में देरी करा रहे हैं। स्वामी ने यह मामला सोनिया और राहुल तथा अन्य के खिलाफ दायर किया है। कांग्रेस नेताओं ने स्वामी की अर्जी का विरोध करते हुए अदालत के समक्ष यह दलील दी। दरअसल, स्वामी ने अपनी अर्जी के जरिए मामले में विभिन्न दस्तावेज मंगाए जाने और गवाहों को तलब किए जाने का अनुरोध किया है। मामले के आरोपियों ने अदालत से अर्जी खारिज करने का अनुरोध करते हुए कहा कि यह संबंधित प्रावधानों के तहत दायर नहीं की गई है। आरोपियों की ओर से पेश हुए वकील ने कहा, मौजूदा अर्जी पूरी तरह से अस्पष्ट, अत्यधिक देर कराने वाली और कार्यवाही धीमी कराने वाली प्रकृति की होने के नाते खारिज किए जाने की हकदार है। वकील ने कहा कि यह स्वामी की जिम्मेदारी है कि वह उपयुक्त प्रावधानों के तहत एक अर्जी दायर कर जिरह किए जाने वाले गवाहों की सूची के साथ अन्य विशेष ब्योरा उपलब्ध कराएं। वकील ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट सचिन गुप्ता से कहा, मौजूदा अर्जी खारिज किए जाने की भी हकदार है, क्योंकि यह संबद्ध प्रावधान के अनुरूप नहीं है। अर्जी के जवाब में आरोपियों ने कहा कि स्वामी द्वारा तलब किए जाने वाले गवाहों की सूची सौंपना उनका (स्वामी का) कानूनी अधिकार है, क्योंकि अदालत कोई असंबद्ध जांच नहीं कर रही है।

जवाब में कहा गया, शिकायतकर्ता ने गवाहों की कोई सूची नहीं सौंपी है, जबकि आरोप-पूर्व साक्ष्य दर्ज किया जाना 21 जुलाई 2018 को शुरू हुआ था, जब शिकायतकर्ता खुद कठघरे में आए थे। जवाब में कहा गया, यह कहने की जरूरत नहीं है कि अर्जी कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप होनी चाहिए। जवाब में आगे कहा गया, यह स्पष्ट नहीं है कि शिकायतकर्ता ने कानून के अनुरूप साबित करने के लिए दस्तावेज मंगाए हैं या अपने मामले को साबित करने के लिए गवाहों को तलब कर रहे हैं। यह अदालत कोई असंबद्ध जांच नहीं कर रही है और समन आदेश में आरोप की पुष्टि के लिए ही साक्ष्य तलब किए जा सकते हैं। अदालत विषय पर आगे की सुनवाई 12 जनवरी को करेगी। स्वामी द्वारा दायर की गई अर्जी में उच्चतम न्यायालय के सेक्रेटरी जनरल संजीव एस कलगांवकर, रजनीश कुमार झा (उप भूमि एवं विकास अधिकारी), साकेत सिंह, आयकर क्षेत्र-। उपायुक्त तथा कांग्रेस के एक पदाधिकारी को तलब करने का अनुरोध किया गया है। आरोप-पूर्व साक्ष्य के तहत शिकायतकर्ता, स्वामी की जिरह के लिए मामले की सुनवाई निर्धारित की गई है। इससे पहले, अदालत ने देनों पक्षों को कोविड-19 महामारी की स्थिति के मद्देनजर विषय पर आगे कार्यवाही के लिए समाधान तलाशने को कहा था। स्वामी ने एक निजी आपराधिक शिकायत में सोनिया और राहुल तथा अन्य पर आरोप लगाया था कि उन्होंने यंग इंडियन प्रा. लि. के माध्यम से सिर्फ 50 लाख रुपए का भुगतान कर कांग्रेस के स्वामित्व वाले नेशनल हेराल्ड समाचारपत्र के प्रकाशक (एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड) से 90.25 करोड़ रुपए लेने की साजिश रची थी। मामले में सभी सात आरोपियों में-- कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ऑस्कर फर्नांडिस, सुमन दूबे, सैम पित्रोदा और मोतीलाल वोरा (जिनका हाल ही में निधन हो गया), तथा यंग इंडियन प्रा. लि. शामिल हैं।

क्विक न्यूज

छत्तीसगढ़ में तीन वर्षों में मारे गए 216 नक्सली, 966 ने किया आत्मसमर्पणः सरकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ मे बीते तीन वर्षों के दौरान सुरक्षा बलो ने मुठभेड़ मे 216 नक्सलियो को मार गिराया है। 966 नक्सलियो ने आत्मसमर्पण किया है। विधानसभा मे बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक धनेंद्र साहू के सवाल के लिखित जवाब मे गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने बताया कि वर्ष 2018-19, 2019-20 और वर्ष 2020-21 के दौरान सुरक्षा बलो ने राज्य के विभिन्न जिलो मे हुई मुठभेड़ मे 216 नक्सलियो को मार गिराया है। इस दौरान 966 नक्सलियो ने आत्मसमर्पण भी किया है। गृह मंत्री ने बताया है कि इस अवधि मे मुठभेड़ के दौरान सुकमा जिले मे 82 नक्सली, बीजापुर मे 46, दंतेवाड़ा मे 30, राजनांदगांव मे 17, नारायणपुर मे 16, बस्तर मे सात, धमतरी मे सात, कांकेर मे छह, कबीरधाम मे तीन और गरियाबंद तथा कोंडागांव जिले मे एक-एक नक्सली को मार गिराया गया। राज्य के सुकमा जिले मे 333 नक्सलियो ने, दंतेवाड़ा जिले मे 300 ने, नारायणपुर जिले मे 164 ने, बीजापुर जिले मे 77 ने, कोंडागांव जिले मे 46 ने, बस्तर मे 36 ने, राजनांदगांव मे सात ने तथा कांकेर जिले मे तीन नक्सलियो ने सुरक्षा बलो के सामने आत्मसमर्पण किया है।

गुजरातः राकांपा विधायक कांधल जडेजा को एक आपराधिक मामले में अदालत ने आरोप मुक्त किया

अहमदाबाद। गुजरात उच्च न्यायालय ने राकांपा विधायक कांधल जडेजा को एक आपराधिक मामले मे आरोप मुक्त कर दिया है। जडेजा पर शस्त्र अधिनियम के तहत 1998 मे मामला दर्ज हुआ था। सोमवार को जारी किए गए एक आदेश मे न्यायमूर्ति विपुल पंचोली ने जडेजा की आरोप मुक्त करने की याचिका को मंजूरी दे दी। इससे पहले जडेजा के वकील ने अदालत के सामने दलील दी कि उनके विरुद्ध कोई साक्ष्य मौजूद नही है और सह आरोपी द्वारा दिया गया बयान अदालत मे स्वीकार्य नही है। जडेजा पोरबंदर जिले के कुटियाना से विधायक है। कथित रूप से उन्हे 1998 मे हथियारो के साथ पकड़ा गया था, जिसके बाद पोरबंदर मे उनके विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। जडेजा के चुनावी हलफनामे के अनुसार उनके विरुद्ध इसके अलावा कई अन्य आपराधिक मामले दर्ज है।

किसानों के अपने हक के लिए लड़ाई लड़नी पड़ रही हैः पवार

मुंबई। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि किसानो का सम्मान करना सत्ता मे बैठे लोगो की जिम्मेदारी है , लेकिन अफसोस की बात है कि किसानो को अपने हक के लिए भी लड़ाई लड़नी पड़ रही है। पवार ने राष्ट्रीय किसान दिवस पर ट्विटर पर पोस्ट करके किसानो को न्याय मिलने की कामना की। केन्द्र सरकार द्वारा लाए गए तीन नए कृषि कानूनो के खिलाफ हजारो किसान 26 नवंबर से दिल्ली की सीमाओ पर प्रदर्शन कर रहे है। पवार ने ट्वीट किया, हमारी अर्थव्यवस्था मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले किसानों का सम्मान करना सत्ता मे बैठे लोगो की जिम्मेदारी है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के किसानो को अपने हक और मांगो के लिए प्रदर्शन करना पड़ रहा है। उन्होने कहा, राष्ट्रीय किसान दिवस पर किसानो को न्याय मिलने की कामना कर रहा हूं।

कांग्रेस ने हिप्र के लिए तीन समितियों का गठन किया

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अपनी हिमाचल प्रदेश इकाई के लिए बुधवार को राजनीतिक मामलो की समिति समेत तीन प्रमुख समितियो का गठन किया। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी बयान के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की तीन समितियो- राजनीतिक मामलो की समिति (चुनाव रणनीति समिति), समन्वय समिति और अनुशासनात्मक समिति के गठन को स्वीकृति प्रदान की है। कांग्रेस के हिमाचल प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला राजनीतिक मामलो की समिति और समन्वय समिति की अध्यक्षता करेंगे। विप्लव ठाकुर को अनुशासनात्मक समिति का प्रमुख बनाया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह समेत कई अन्य वरिष्ठ नेताओ को राजनीतिक मामलो की समिति और समन्वय समिति मे स्थान दिया गया है।

किसानों के समर्थन में जेल में बंद कार्यकर्ता कर रहे हड़ताल

मुंबई। केंद्र सरकार के नए कृषि कानूनो का विरोध कर रहे किसानो के समर्थन मे एलगार परिषद-माओवादी संबंध मामले मे गिरफ्तार कई कार्यकर्ता बुधवार को महाराष्ट्र के तलोजा जेल मे एक दिवसीय भूख हड़ताल कर रहे है। कार्यकर्ताओ ने बुधवार को राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर एक संयुक्त बयान मे कहा कि वे नवी मुंबई की जेल मे बंद है और किसान आंदोलन मे शारीरिक रूप से भाग नही ले सकते। इसलिए, वे जेल मे एक दिन की सांकेतिक भूख हड़ताल कर रहे है। वकील निहालसिंह राठौड़ ने कहा, किसानो ने जो मांगे उठाई है, वे बिल्कुल सही और न्यायसंगत है। राठौड़ ने कहा कि वर्तमान मे एलगार परिषद-माओवादी संबंध के मामलो मे जेल मे बंद कार्यकर्ताओ मे सुधीर धवले, सुरेंद्र गाडलिंग, आनंद तेलतुंबडे, हनी बाबू, सागर गोरखे, रमेश गाइचर, महेश राउत, अरुण परेरा, वर्नन गोंसाल्विस, फादर स्टेन स्वामी, गौतम नवलखा और रोना विल्सन शामिल है।

पटना में आरजेडी नेता तेजस्विनी यादव पार्टी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए।

जगन्नाथ मंदिर खुला, आम जनता तीन जनवरी से कर पाएगी दर्शन

भाषा। पुरी

कोविड-19 वैश्विक महामारी के मद्देनजर करीब नौ महीने बंद रहने के बाद आखिरकार श्री जगन्नाथ मंदिर बुधवार को दोबारा खुल गया, लेकिन लोग तीन जनवरी से ही यहां भगवान के दर्शन कर पाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि सेवकों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए सुबह सात बजे मंदिर के द्वार खोले गए। इस दौरान कोविड-19 से जुड़े नियमों का सख्ती से पालन किया गया।

उन्होंने बताया कि वैश्विक महामारी के कारण मंदिर मध्य मार्च से बंद था। 12वीं शताब्दी के भगवान विष्णु के मंदिर के द्वार इतिहास में पहली बार भक्तों के लिए बंद किए गए थे। पुरी के कलेक्टर बलवंत सिंह ने पत्रकारों को बताया कि पहले तीन दिन 23,24 और 25 दिसम्बर को केवल सेवकों और उनके परिवार के सदस्यों को दर्शन करने की अनुमति होगी।

अधिकारियों ने बताया कि 26 से 31 दिसम्बर के बीच केवल पुरी के निवासी भगवान के दर्शन कर पाएंगे। इसके बाद नव वर्ष पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होने के मद्देनजर एक और दो जनवरी को मंदिर को फिर बंद कर दिया जाएगा। तीन जनवरी से मंदिर के द्वार सभी श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएंगे। उन्होंने बताया कि तीन जनवरी से आने वाले श्रद्धालुओं को कोरोना वायरस से संक्रमित ना होने की पुष्टि करने वाली रिपोर्ट दिखानी होगी।

पुरी के निवासियों से कोविड-19 की जांच रिपोर्ट ना मांगे जाने के सवाल पर अधिकारी ने कहा, प्रशासन स्थानीय लोगों में कोरोना वायरस की स्थिति से अवगत है। इसलिए उन्हें संक्रमित ना होने की पुष्टि के लिए कोविड-19 की जांच रिपोर्ट दिखाने की जरूरत नहीं है।

कंगना के बंगले में तोड़फोड़ करने के मामले में मानवाधिकार आयोग ने बीएमसी आयुक्त को तलब किया

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगर पालिका द्वारा कंगना रनौत के बंगले के एक हिस्से को तोड़े जाने के विरुद्ध दायर एक याचिका पर बुधवार को, महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग ने महानगर पालिका आयुक्त को 20 जनवरी को सुनवाई के दौरान आयोग के सामने पेश होने का आदेश दिया। आयोग में दो दिन पहले याचिका दायर की गई थी जिसमें कहा गया था कि बांद्रा में रनौत के बंगले में की गई तोड़फोड़ उनके मानवाधिकारों का हनन था। बीएमसी ने दावा किया था कि अभिनेत्री ने बंगले में गैरकानूनी निर्माण कराया था इसलिए निकाय के अधिकारियों ने कानून सम्मत कार्वाई की थी। याचिकाकर्ता आदित्य मिश्रा ने बंबई उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि बीएमसी द्वारा कानून की आड़ में द्वेषपूर्ण कार्वाई की गई थी। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के एक आदेश का भी हवाला दिया जिसके अनुसार निजी संपत्ति के अधिकार को मानवाधिकार घोषित किया गया था। याचिकाकर्ता ने कहा कि यदि किसी की निजी संपत्ति पर राज्य या उसकी एजेंसी द्वारा की गई कार्वाई अवैध पाई जाती है तो यह मानवाधिकारों का उल्लंघन होगा। उन्होंने कहा, जब बीएमसी द्वारा की गई कार्वाई को बंबई उच्च न्यायालय ने अवैध पाया तो यह साफ हो जाता है कि यह मानवाधिकार उल्लंघन का मामला है जिसमें आयोग का दखल अपेक्षित है। आयोग ने बुधवार को याचिका स्वीकार की और महानगर पालिका आयुक्त को 20 जनवरी को सुनवाई के दौरान उपस्थित होने का आदेश दिया।

शिवसेना विधायक प्रताप सरनाइक का बेटा ईडी के समक्ष पेश हुआ

भाषा। मुंबई

शिवसेना विधायक प्रताप सरनाइक का बेटा विहंग सरनाइक धनशोधन के मामले में पूछताछ के लिए बुधवार को यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुआ। यह दूसरी बार है जब विधायक का बेटा पूछताछ के लिए एजेंसी के समक्ष पेश हुआ है।

विहंग सरनाइक दोपहर 12 बजे दक्षिण मुंबई के बलार्ड एस्टेट स्थित ईडी के कार्यालय पहुंचे। इससे पहले 10 दिसंबर को उनके पिता से भी एजेंसी ने पूछताछ की थी। उल्लेखनीय है कि 24 नवंबर को ईडी ने प्रताप सरनाइक की 10 संपत्तियों, टॉप्स ग्रुप और उसके प्रवर्तक राहुल नंदा व कुछ अन्य के मुंबई और ठाणे स्थिति संपत्तियों की तलाशी ली थी। इसके बाद ईडी के अधिकारी ने विहंग सरनाइक को उनके घर से अपने साथ पूछताछ के लिए ले गए थे। ईडी ने पिछले महीने प्रताप सरनाइक के कथित करीबी अमित चंदोले, टॉप्स ग्रुप के प्रबंध निदेशक एम शशिधरण को धन शोधन निषेध कनून के तहत गिरफ्तार किया था। टॉप्स ग्रुप के पूर्व कर्मचारी रमेश अय्यर की शिकायत पर यह कार्वाई की गई है।

अय्यन ने आरोप लगाया कि वर्ष 2014 में मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्रधिकरण (एमएमआरडीए) को 350 से 500 सुरक्षा कर्मियों की आपूर्ति करने का करार हुआ था लेकिन सुरक्षा एजेंसी ने तय संख्या के 70 प्रतिशत सुरक्षकर्मी मुहैया कराए। उन्होंने आरोप लगाया कि एमएमआरडीए द्वारा भुगतान की गई राशि का एक हिस्सा आरोपी के निजी खाते में गया। वहीं, शिवसेना ने छापेमारी को राजनीतिक बदले की कार्वाई बताया है।

भारत ने ओडिशा तट से मध्यम रेंज की मिसाइल का किया सफल परीक्षण

बालासोर (ओडिशा)। भारत ने जमीन से हवा में मार करने में सक्षम मध्यम रेंज की मिसाइल (एमआरएसएएम) का बुधवार को ओडिशा तट से सफल परीक्षण किया। रक्षा सूत्रों ने इस बारे में बताया। एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) के परीक्षण स्थल-एक में ग्राउंड मोबाइल लांचर से तीन बजकर 55 मिनट पर यह मिसाइल दागी गई और इसने पूरी सटीकता से लक्ष्य को भेद दिया। इससे पहले एक मानव रहित यान (यूएवी) बंशी को हवा में उड़ान के लिए भेजा गया और एमआरएसएएम ने इसे सटीकता से निशाना बनाया। भारत डायनामिक्स लिमिटेड ने एमआरएसएएम का निर्माण किया है। भारतीय सेना में इसको शामिल करने से रक्षा बलों की लड़ाकू क्षमता में और बढ़ोतरी होगी। परीक्षण के लिए मिसाइल दागे जाने के बाद से समुद्र में इसके गिरने तक विभिन्न रडार और अन्य उपकरणों के जरिए इसकी निगरानी की गई। राजस्व विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मिसाइल छोड़े जाने के पहले बालासोर जिला प्रशासन ने परीक्षण स्थल के ढाई किलोमीटर के दायरे में रहने वाले 8100 से ज्यादा लोगों को बुधवार सुबह पास के आश्रय केंद्र में पहुंचा दिया था।

कोलकाता में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनकड़ और उनकी पत्नी सुदेश धनकड़ ने ऐतिहासिक कालीघाट काली मन्दिर में माता के दर्शन कर की पूजा-अर्चना

सेनाध्यक्ष पूर्वी लद्दाख की अग्रिम चौकियों पर पहुंचे

जनरल एमएम नरवणे ने हालात का जायजा लिया

भाषा। नई दिल्ली

सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे ने बुधवार को पूर्वी लद्दाख में ऊंचाई पर स्थित विभिन्न अग्रिम चौकियों का दौरा किया और गत सात महीने से इलाके में चीन के साथ जारी गतिरोध के मद्देनजर भारत की सैन्य तैयारियों की समीक्षा की। सेना के आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सेना ने बताया कि जनरल नरवणे ने रेचिन ला सहित अग्रिम चौकियों का दौरा किया और लद्दाख से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के हालात का स्वयं आंकलन किया।

अधिकारियों ने बताया कि पूर्वी लद्दाख के विभिन्न पर्वतीय ठिकानों जहां पर तापमान शून्य डिग्री से भी नीचे है, करीब 50 हजार जवानों को लड़ाई की स्थिति के लिए तैयार अवस्था में तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि चीन ने भी इतनी ही संख्या में अपने

सैनिकों की तैनाती इन इलाकों में की है। लेह स्थित 14वीं कोर कमान जिसे आमतौर पर फायर ऐंड फ्यूरी कोर भी कहा जाता है के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल पीजीके मेनन ने सेनाध्यक्ष को पूर्वी लद्दाख के हालात और विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि कड़ाके की सर्दी वाले इलाके के जमीनी हालात की समीक्षा करने के उद्देश्य से जनरल नरवणे एक दिन के दौरे पर सुबह करीब आठ बजकर 30 मिनट पर लद्दाख पहुंचे। सेना ने ट्वीट कर बताया, थलसेना अध्यक्ष जनरल नरवणे ने रेचिन ला सहित फायर ऐंड फ्यूरी कोर के अधिकार क्षेत्र वाले अग्रिम इलाके का दौरा किया और स्वयं एलएसी के हालात का आकलन किया। उन्हें फायर ऐंड फ्यूरी कोर के कमांडर और अन्य स्थानीय कमांडरों ने हमारी सैन्य तैयारी से अवगत कराया। सेना के मुताबिक जनरल नरवणे ने अग्रिम इलाकों में तैनात जवानों से संवाद किया और इसी जोश और जज्बे के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। सेना प्रमुख ने क्रिसमस करीब होने के मद्देनजर मिठाई और केक बांटे। उल्लेखनीय है कि करीब साढ़े तीन महीने पहले भारतीय सैनिक पूर्वी लद्दाख में पेंगोंग झील के दक्षिण किनारे पर रणनीतिक रूप से अहम मुखपरी, रेचिन ला और मगर हिल इलाके के कई ऊंचाई वाले स्थानों पर काबिज हो गए थे। भारतीय सेना ने यह कार्वाई 29-30 अगस्त की दरमियानी रात को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा उन्हें धमकाने की कोशिश करने के बाद की। सेना ने एक अन्य ट्वीट में कहा, जनरल एमएम नरवणे ने रेचिन ला स्थित अग्रिम चौकियों पर सैनिकों के रहने के लिए अधुनिक निवास का दौरा किया। उन्होंने एलएसी पर जवानों को रहने के लिए आरामदायक सुविधा स्थापित करने के कदम की प्रशंसा की। सेना ने बताया कि सेनाध्यक्ष ने अग्रिम ठिकाने तारा का भी दौरा किया और स्थानीय कमांडर एवं जवानों से बातचीत की। सेना के मुताबिक उन्होंने उनके उच्च मनोबल और सैन्य तैयारी की प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि पांच मई को पेंगोंग झील इलाके में भारतीय सेना और पीएलए के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प होने के बाद सैन्य गतिरोध पैदा हो गया। इसी तरह की झड़प उत्तरी सिक्किम में भी नौ मई को हुई। पिछले हफ्ते चीन और भारत के बीच एक और दौर की राजनयिक स्तर पर वार्ता हुई और इस दौरान पूर्वी लद्दाख में एलएसी के करीब तनाव वाले सभी क्षेत्रों से सैनिकों को पीछे ले जाने की प्रक्रिया यथाशीघ्र पूरी करने पर सहमति बनी। इस बैठक में सहमति बनी कि अगले दौर की सैन्य वार्ता यथाशीघ्र तय तारीख पर होनी चाहिए ताकि दोनों पक्ष मौजूदा द्विपक्षीय समझौतों एवं प्रोटोकॉल के सैनिकों को पीछे करने की प्रक्रिया जल्द पूरी करने के लिए काम कर सके। भारत और चीन ने इस गतिरोध को दूर करने के लिए गत महीनों में राजनयिक और सैन्य स्तर पर कई दौर की वार्ता की है, लेकिन इसका समाधान नहीं निकल सका है।

यमन से आपात स्थिति में लाए गए 62 मरीजों का चल रहा है बेंगलुरू के अस्पताल में इलाज

भाषा। बेंगलुरू

बेंगलुरू का एक निजी अस्पताल यमन के विभिन्न बीमारियों से जूझ रहे 62 मरीजों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा रहा है। करीब नौ महीने से गंभीर बीमारी से जूझ रहे इन मरीजों को तत्काल प्रतिरोपण समेत अन्य चीजों की आवश्यकता थी, जिसके मद्देनजर केंद्र की मदद से उनकी आपात निकासी की गई। इन मरीजों एवं उनके परिजनों के साथ-साथ करीब 120 यात्रियों को आपात स्थिति में यमन से भारत लाया गया। एस्टर अस्पताल ने बुधवार को एक बयान जारी कर बताया कि इनमें से अधिकतर मरीज गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं और अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। बयान में कहा गया है कि महामारी की वजह से यात्रा पर लगे प्रतिबंध के कारण इन मरीजों को अपना इलाज रोक देना पड़ा था। महामारी के दौरान इलाज और देखभाल में कई महीने की देरी के कारण इन मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ती जा रही थी। इससे यह संकेत मिला कि उन्हें चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है। सभी मरीजों एवं उनके परिजनों के विमान में सवार होने से पहले और बेंगलुरू में उतरने के बाद कोविड-19 जांच में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। अस्पताल ने बताया कि 62 मरीजों में से 13 मामले युद्ध में घायल होने के हैं, जिनमें उनके घुटने एवं रीढ़ में चोट है। चार मरीजों को कैंसर के इलाज की आवश्यकता है। तीन मरीजों को अंग प्रतिरोपण की जरूरत है, जबकि दो मरीजों को दिल की बीमारी है। केंद्रीय मंत्री डी वी सदानंदा गौड़ा के हवाले से बयान में कहा गया है, अफ्रीका एवं खाड़ी देशों के विभिन्न मरीजों का आवेदन मिला था, जो महामारी के दौरान बेंगलुरू के अस्पताल में इलाज कराना चाहते थे, इसलिए हमने एस्टर अस्पताल के साथ सहयोग किया।

कोविड-19 से खतरनाक विषाणु है टीएमसी भाजपा उससे छुटकारे का टीका : दिलीप घोष

भाषा। कुल्पी (पश्चिम बंगाल)

पश्चिम बंगाल भाजपा प्रमुख दिलीप घोष ने बुधवार को सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को कोविड-19 से भी खतरनाक वायरस करार देते हुए कहा कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में इसे खत्म करने के लिए भाजपा टीके का काम करेगी।

दक्षिण 24 परगना जिले के कुल्पी में एक रैली को संबोधित करते हुए घोष ने कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आई तो वह भाजपा और अन्य विपक्षी कार्यकर्ताओं पर थोपे गए गलत मामलों को वापस ले लेगी लेकिन तृणमूल के कार्यकर्ताओं को राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ ज्यादती करने को लेकर कड़ी कार्वाई की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, टीएमसी कोविड-19 से भी ज्यादा खतरनाक वायरस है। अगले साल विधानसभा चुनावों में भाजपा टीका टीएमसी वायरस को खत्म कर देगा। राज्य की 294 सदस्यों वाली विधानसभा के लिए अगले साल अप्रैल-मई में चुनाव होने की उम्मीद है।

तृणमूल को राज्य में अब तक का सबसे अलोकतांत्रिक दल करार देते हुए घोष ने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार के गिनती के दिन बचे होने के बावजूद सत्ताधारी दल के कार्यकर्ता भाजपा के कार्यकर्ताओं को धमका रहे हैं। घोष ने कहा, जब हम सत्ता में आएंगे तब हम भाजपा कार्यकर्ताओं और अन्य विपक्षी कार्यकर्ताओं पर लगाए गए सभी झूठे मामलों को वापस लेंगे। लेकिन हमें प्रताड़ित करने वाले टीएमसी सदस्यों को अंजाम भुगतना होगा। हम उनके खिलाफ कड़ी कार्वाई करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यक्रम के कुछ दिनों बाद 29 दिसंबर को बीरभूम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के तय रोड शो का मजाक उड़ाते हुए घोष ने कहा कि तृणमूल को भाजपा के सुशासन के उदाहरण का भी पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा, बीरभूम में वैसे ही रोड शो की योजना बनाकर टीएमसी भाजपा का अनुकरण कर रही है। उन्हें केंद्र के सुशासन के उदाहरण को भी अपनाना चाहिए। टीएमसी सरकार पश्चिम बंगाल में केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री किसान सम्मान और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं को लागू करने की मंजूरी नहीं देती। घोष के वायरस वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए तृणमूल के महासचिव पार्थ चटर्जी ने कहा कि ऐसी टिप्पणी भाजपा की मनोदशा दर्शाती हैं। उन्होंने कहा, हम ऐसे बयानों पर टिप्पणी नहीं करना चाहते। यह भाजपा की मनोदशा दर्शाती है। प्रदेश के लोग उन्हें माकूल जवाब देंगे।

मंत्रिमंडल ने पांच फिल्म मीडिया इकाइयों के विलय को मंजूरी दी

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फिल्म डिवीजन, फिल्म समारोह निदेशालय, भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार और बाल फिल्म सोसायटी तथा राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) के विलय को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर यह जानकारी दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, बुनियादी ढांचा, मानव शक्ति और अन्य संसाधनों को युक्तिसंगत बनाने के उद्देश्य से इन फिल्म मीडिया इकाइयों के विलय को मंजूरी दी गई। इसमें कहा गया है कि फिल्म मीडिया इकाइयों के एक निगम के अंतर्गत विलय से कार्यों और साधनों में एकरूपता आएगी तथा बेहतर समन्वय स्थापित होगा जिससे प्रत्एक मीडिया इकाई द्वारा आदेश पत्र हासिल करने में एकरूपता और कुशलता सुनिश्चित हो सकेगी। मंत्रालय ने कहा कि एकरूपता का कार्य करते समय सभी संबद्ध मीडिया इकाइयों के कर्मचारियों के हितों की रक्षा की जाएगी और किसी भी कर्मचारी को हटाया नहीं जाएगा। प्रमुख संगठन फिल्म मीडिया इकाइयों के विलय के परिणामस्वरूप एनएफडीसी को एक प्रबंधन के अंतर्गत फिल्म की विषयवस्तु के प्रचार निर्माण और उसे सुरक्षित रखने के संबंध में अलग ढंग से रखा जाएगा।

भारत में कोविड-19 के 23,950 नए मामले आए सामने, 333 और मौतें

भाषा। नई दिल्ली

भारत में एक दिन में कोविड-19 के 23,950 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 1,00,99,066 हो गए हैं, जबकि इनमें से 96.63 लाख से अधिक लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार 333 और मरीजों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,46,444 हो गई है।

मंत्रालय के अनुसार 96,63,382 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जिसके साथ ही संक्रमण से उबरने की राष्ट्रीय दर 95.69 प्रतिशत हो गई है जबकि कोविड-19 से मृत्युदर 1.45 प्रतिशत है। कोविड-19 के उपचाराधीन रोगियों की संख्या लगातार दूसरे दिन तीन लाख से कम रही। आंकड़ों के अनुसार देश में उपचाराधीन रोगियों की संख्या

2,89,240 है, जो कुल मामलों का 2.86 प्रतिशत है। भारत में कोविड-19 मामले सात अगस्त को 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख, पांच सितम्बर को 40 लाख, 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवम्बर को 90 लाख और 19 दिसम्बर को एक करोड़ के पार पहुंच गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार 22 दिसम्बर तक कुल 16,42,68,721 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई। इनमें से 10,98,164 नमूनों की जांच मंगलवार को की गई। आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में जिन 333 लोगों की मौत हुई, उनमें से महाराष्ट्र के 75 , पश्चिम बंगाल के 38 , केरल के 27 और दिल्ली के 25 लोग थे। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश में वायरस से अभी तक 1,46,444 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से महाराष्ट्र के 48,876, कर्नाटक के 12,029 , तमिलनाडु के 12,012, दिल्ली के 10,329, पश्चिम बंगाल के 9,439, उत्तर प्रदेश के 8,224, आंध्र प्रदेश के 7,082 और पंजाब के 5,230 लोग थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अभी तक जिन लोगों की मौत हुई, उनमें से 70 प्रतिशत से ज्यादा मामलों में मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का आईसीएमआर के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

एबीवीपी के राष्ट्रीय सम्मेलन में नई शिक्षा नीति और कृषि कानूनों पर होगी चर्चा

नागपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की 25 और 26 दिसंबर को यहां होने जा रहे राष्ट्रीय सम्मेलन में नई शिक्षा नीति (एनईपी), कृषि कानूनों, आत्मनिर्भर भारत और कोविड-19 महामारी पर चर्चा होगी। इस सम्मेलन में देशभर के 1.5 लाख एबीवीपी कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे और सम्मेलन का उद्घाटन नागपुर के रेशमीबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मारक स्मृति मंदिर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव भैयाजी जोशी करेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी 26 दिसंबर को उपस्थित रहेंगे। एबीवीपी की राष्ट्रीय महासचिव निधि त्रिपाठी ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि छात्र संगठन राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान चार प्रस्ताव को पारित कर केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा, हम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को यथाशीघ्र लागू करने की मांग करेंगे। हम किसानों के मौजूदा मुद्दे पर भी प्रस्ताव पारित करेंगे।

हैदराबाद में किसान दिवस के अवसर पर किसानों के साथ बातचीत के दौरान उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू

एनएससीएन-के ने संघर्षवराम की घोषणा की

शांतिवार्ता के लिए केंद्र से किया संपर्क

भाषा। कोहिमा

नगा उग्रवादी संगठन एनएससीएन-के ने बुधवार को संघर्ष विराम की घोषणा की और कहा कि उसने शांति वार्ता शुरू करने के लिए केंद्र सरकार से संपर्क किया है। इस उग्रवादी संगठन का नेतृत्व दुर्दांत उग्रवादी निकी सुमी कर रहा है। एनएससीएन-के ने 2001 में केंद्र के साथ एक संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर किया था लेकिन 2015 में एकपक्षीय तरीके से इसे तोड़ दिया, जब संगठन के तत्कालीन प्रमुख एस एस खापलांग जीवित थे।

मणिपुर में 2015 में भारतीय थल सेना के 18 सैनिकों की हत्या के मामले में सुमी मुख्य आरोपी है और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) उसके सिर पर 10 लाख रुपए के इनाम की घोषणा की थी। सुमी ने एक बयान में कहा कि एनएससीएन-के इन वर्षों में नगा मुद्दे का सम्मानजनक और स्वीकार्य राजनीतिक समाधान ढूंढने के लिए प्रयासरत रहा तथा संगठन काफी समय से लंबित इस विषय के शीघ्र समाधान के लिए नगा लोगों की गहरी भावनाओं से भी अवगत है। बयान में कहा गया है कि एनएससीएन-के इस बात से अवगत है कि केंद्र सरकार ने सभी हितधारकों की भागीदारी के साथ नगा मुद्दे का एक अंतिम एवं टिकाऊ समाधान तलाशने के लिए हाल के समय में गंभीर और वास्तविक कोशिशें की हैं। बयान में कहा गया है, इसलिए, संगठन ने इस अहम मोड़ पर शांति प्रक्रिया को मजबूत करने और उसका समर्थन करने का संकल्प लिया है। हमारे नेताओं ने इस सिलसिले में भारत सरकार के अधिकारियों से संपर्क स्थापित किया है।

बयान में कहा गया है, प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए और नगा लोगों, खासतौर पर नगा सिविल सोसाइटी संगठनों और गैर सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) की आकांक्षा को ध्यान में रखते हुए एनएससीएन ने 2015 में संघर्ष विराम समझौते को एकपक्षीय तरीके से तोड़ने के पूर्व के फैसले को रद्द करते हुए इस समझौते को तत्काल प्रभाव से फिर से लागू करने का फैसला किया है। संगठन ने कहा कि उसे उम्मीद है कि केंद्र सरकार नगालैंड में शांति और नगा लोगों के व्यापक हितों का लेकर विश्वास बहाली उपाय के तौर पर उसके फैसले का सम्मान करते हुए सकारात्मक जवाब देगी। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय मूल के लोगों एवं कैडर द्वारा म्यामां से संचालित किया जाने वाला यह अंतिम (उग्रवादी) संगठन है। अधिकारी ने कहा कि उनके शांति प्रक्रिया में शामिल होने से नगा शांति प्रक्रिया में तेजी आएगी क्योंकि एनएससीएन-के का शेष हिस्सा म्यामां केंद्रित है और सरकार के लिए वह प्रासंगिक नहीं है। अन्य प्रमुख संगठन--एनएससीएन-आईएम ने 1997 में केंद्र सरकार के साथ एक संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर किया था और इसके बाद शांति वार्ताओं में शामिल हुआ था।

महाराष्ट्र सरकार ने मराठा समुदाय के लिए ईडब्ल्यूएस आरक्षण को मंजूरी दी

मुंबई। मराठा समुदाय को बड़ी राहत देते हुए महाराष्ट्र कैबिनेट ने उन्हें आर्थिक रूप से कमजोर तबका (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी में शिक्षा और नौकरी में आरक्षण देने का बुधवार को फैसला किया। किसी अन्य सामाजिक आरक्षण के दायरे में नहीं आने वाले जरूरतमंद लोगों के लिए ईडब्ल्यूएस के तहत 10 प्रतिशत आरक्षण तय किया गया है। गौरतलब है कि सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग के तहत मराठा समुदाय को दिए गए आरक्षण पर शीर्ष अदालत ने रोक लगा दी है। राज्य सरकार ने इस फैसले को चुनौती दी है। उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ के समक्ष मामले की अगली सुनवाई 25 जनवरी, 2021 को होनी है। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, राज्य कैबिनेट ने एक अन्य फैसले में प्राचीन मंदिरों के संरक्षण और मरम्मत की परियोजना को भी मंजूरी दी। राज्य का लोक निर्माण विभाग इस परियोजना को लागू करेगा।

शेष पेज 1...

सरकार बातचीत ...

प्रदर्शनकारी किसानों की बात खुले मन से सुनने को तैयार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वार्ता के जरिए किसी समाधान पर पहुंचा जा सकता है। उन्होंने कहा, ''इतिहास इसकी गवाही देता है। प्रदर्शन चाहे कितना भी लंबा चला हो और मजबूत रहा हो, उसका समापन या समाधान सिर्फ वार्ता के जरिए ही निकला है।''उन्होंने कहा कि किसान संगठनों को सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा करनी चाहिए और बताना चाहिए कि उसमें क्या जोड़ा या हटाया जाना चाहिए। इससे इतर, ग्रामीण स्वंयसेवी संस्थाओं के परिसंघ (सीएनआरआई) के एक प्रतिनिधमंडल को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि भारत के लिए कृषि का क्षेत्र बहुत महत्वपूर्ण है और सरकार इसे सशक्त बनाने को लेकर प्रतिबद्ध है और रहेगी। सीएनआरआई प्रतिनिधमंडल ने कृषि कानूनों का समर्थन किया। तोमर ने कहा, ''पिछले छह सालों में सरकार ने बहुत हद तक सुधार के प्रयास किए हैं। अभी भी कई क्षेत्र बचे हैं जहां सुधार बाकी है।'' उन्होंने कहा कि पूर्व में भी कृषि क्षेत्र में सुधारों की सिफारिश विशेषज्ञों, संगठनों और मुख्यमंत्रियों की ओर से की गई थी लेकिन पूर्ववर्ती सरकारें उन सुझावों को कानून में तब्दील नहीं कर सकीं, जबकि मोदी सरकार ने इस सुधारों को कर दिखाया है। उन्होंने कहा कि अधिकांश किसान इन सुधारों के पक्ष में हैं जबकि कुछ प्रदर्शन कर रहे हैं।

एयरपोर्ट पर ...

फेसबुक आईडी 'खालिस्तानी जिंदाबाद खालिस्तान' पर दोस्ती का अनुरोध भेजा। इससे वह हरपाल और निज्जर के संपर्क में आया। निज्जर ने मोइन से भारत में मुसलमानों तथा सिखों के खिलाफ कथित अत्याचार की बात की और उसे अलग खालिस्तान राज्य के लिए काम करने को मना लिया। निज्जर ने मोइन को 2018 में एक पिस्तौल और गोला-बारूद खरीदने का निर्देश दिया। एनआईए ने पिछले साल मई में विशेष एनआईए अदालत में निज्जर, हरपाल, मोइन और सुंदर लाल पाराशर के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। पंजाब के अमृतसर के रहने वाला निज्जर अक्टूबर 2017 में देश छोड़कर साइप्रस चला गया था। इसके बाद उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया। निज्जर को यहां आईजीआई हवाईअड्डे पर मंगलवार को हिरासत में लिया गया और एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एनआईए प्रवक्ता ने कहा कि उसे आगे पूछताछ के लिए मुंबई ले जाने के मकसद से ट्रांजिट हिरासत मांगी जाएगी।

डीटीएच सेवा ...

थी। जावड़ेकर ने बताया कि दिशा-निर्देशों में संशोधन से अब इस क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेश निवेश हो सकेगा। अब तक इस क्षेत्र में 49 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेश निवेश हो सकता था। मंत्रालय के अनुसार, इन संशोधनों से डीटीएच के लिए लाइसेंस वर्तमान 10 वर्ष की बजाए अब 20 वर्ष की अवधि के लिए जारी किए जाएंगे। लाइसेंस शुल्क वर्तमान वार्षिक आधार के स्थान पर अब त्रैमासिक आधार पर एकत्र किया जाएगा। इसके अलावा डीटीएच संचालकों को उनके द्वारा दिखाए जाने वाले कुल अनुमति प्राप्त प्लेटफार्म चैनलों की क्षमता से अधिकतम 5 प्रतिशत के संचालन की अनुमति दी जायगी।

जनादेश अलगाववादियों ...

किया और कहा कि वहां भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है तथा उसे नेशनल कांफ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और कांग्रेस को मिले मतों से ज्यादा मत मिले हैं। प्रसाद ने कहा कि इस चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आयी है जिसे 74 सीटें मिली हैं जबकि नेशनल कांफ्रेंस को 67, पीडीपी को 27 और कांग्रेस को 26 सीटें मिली हैं। उन्होंने दावा किया कि बतौर निर्दलीय चुनाव जीतने वाले 39 उम्मीदवारों को भाजपा का समर्थन हासिल था। गुपकर गठबंधन के खाते में 110 सीटें गई हैं। जम्मू क्षेत्र में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रसाद ने कहा कि अब घाटी में भी ''कमल'' खिला है। मालूम हो कि ''कमल'' भाजपा का चुनाव चिह्न है। उन्होंने दावा किया कि गुपकर गठबंधन भाजपा से अकेले नहीं लड़ने की कमजोरी के कारण बना था। प्रसाद ने कहा, ''यह लोकतंत्र की जीत है। जम्मू कश्मीर के अवाम की जीत है। आशा की जीत है और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो कश्मीर के भविष्य के लिए सोचा, उसकी जीत है।'' उन्होंने कहा कि कश्मीर की जनता ने राज करने वालों और काम करने वालों के अंतर को पहचाना है। उन्होंने कहा, ''लोगों ने देखा है कि जम्हूरियत उनके दरवाजे पर विकास की दस्तक दे सकती है। लोगों की लोकतंत्र में आस्था पनपी है।'' उन्होंने कहा कि कुलगाम, शोपियां, पुलवामा और सोपोर जैसे इलाकों में बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान किया जबकि 2018 के पंचायती चुनाव में इन इलाकों में महज 1.1 प्रतिशत मतदान हुआ था। उन्होंने कहा, ''जम्मू-कश्मीर की जनता ने अलगाववादियों पर बहुत बड़ा तमाचा लगाया है।'' उन्होंने कहा कि गुपकर गठबंधन को उस क्षेत्र में भी हार का समाना करना पड़ा जहां से हिजबुल मुजाहिद्दीन के कमांडर बुरहान वानी का ताल्लुक था। वर्ष 2016 में एक मुठभेड़ में वह मारा गया था। प्रसाद ने कहा कि उस इलाके में गुपकर गठबंधन की हार महत्वपूर्ण है क्योंकि बुरहान वानी की मौत को ''इन तत्वों ने अंतरराष्ट्रीय अभियान बनाया था''। यहां तक कि पाकिस्तान ने भी इस मुद्दे को हवा दी थी।

केंद्र को सुननी ...

जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी है और पार्टी ने 74 सीटों पर जीत हासिल की है। अब्दुल्ला ने कहा, 'अगर आप वास्तव में यह कहते हैं कि लोकतंत्र की जीत हुयी है, तब आपको लोगों की आवाज सुननी होगी और बहुतायत में जम्मू कश्मीर के लोगों ने कह दिया है कि उन्हें पांच अगस्त 2019 का फैसला मंजूर नहीं है। केंद्र सरकार ने पिछले साल पांच अगस्त को अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को वापस ले लिया -जिसके तहत राज्य को विशेष दर्जा प्राप्त था - और प्रदेश को दो केंद्र शासित क्षेत्रों में बांट दिया था। उन्होंने कहा, ''हमने भी इसे स्वीकार किया है (कि लोकतंत्र की जीत हुयी है)। हमने कब कहा है कि हमें लोकतंत्र में भरोसा नहीं है। यह अलग मसला है कि आपको हम पर भरोसा नहीं है। हम पहले दिन से कहते आ रहे हैं कि हम अपने अधिकारों के लिये लड़ेंगे लेकिन गैर कानूनी और असंवैधानिक तरीके से नहीं । हम राज्य का वातावरण खराब करने के लिये नहीं बल्कि इसे बेहतर बनाने के लिये हैं।'' उमर ने कहा कि डीडीसी चुनावों के नतीजों ने यह साबित कर दिया है कि भाजपा, नेकां को '' दफन'' नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा, ''जम्मू कश्मीर में अगला चुनाव बहुत आगे है क्योंकि इन चुनावों में भाजपा की हार हुयी है। मुझे नहीं लगता कि जल्दी ही प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराये जायेंगे। अगर उन्हें लोकतंत्र में भरोसा होता तो वे विधानसभा चुनाव का बिगुल बजा चुके होते।''

कैथोलिक पादरी ...

रहती थी। इस मामले में अन्य आरोपी फादर जोस पुथ्रीक्कईल को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया है। शुरुआत में मामले की जांच स्थानीय पुलिस और राज्य की अपराध शाखा ने की थी और दोनों ने ही कहा था कि अभया ने खुदकुशी की है। सीबीआई ने मामले की जांच 29 मार्च 1993 को अपने हाथ में ली और तीन क्लोजर रिपोर्ट दायर की थी तथा कहा था कि यह हत्या का मामला है लेकिन अपराधियों का पता नहीं चल सका है। बहरहाल, चार सितंबर 2008 को केरल उच्च न्यायालय ने मामले को लेकर सीबीआई को फटकार लगाई थी और कहा था कि एजेंसी अब भी राजनीतिक और नौकरशाही की ताकत रखने वालों की कैदी है तथा उसने सीबीआई की दिल्ली इकाई को निर्देश दिया था कि वह जांच को कोच्चि इकाई को सौंप दे। इसके बाद सीबीआई ने 2008 में फादर कोट्टूर, फादर पूथ्रीक्कईल और नन सेफी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

इफको संयंत्र में ...

प्रबंध निदेशक यूएस अवस्थी ने कहा, हम कल रात करीब साढ़े दस बजे प्रयागराज के फूलपुर अमोनिया यूरिया संयंत्र में यांत्रिकी खराबी की वजह से हुई दुर्भाग्यपूर्ण पर घटना पर खेद जताते हैं। हमारे कर्मचारियों ने बहादुरी से स्थिति का सामना किया। इफको ने बयान में कहा कि हादसा उस समय हुआ जब अमोनिया प्लंजर पंप अचानक टूट कर अलग हो गया और अमोनिया गैस का भारी रिसाव होने लगा। इफको फूलपुर के जनसंपर्क अधिकारी विश्वजीत श्रीवास्तव ने कहा कि घटनास्थल पर ड्यूटी पर तैनात सहायक प्रबंधक वीपी सिंह और उप प्रबंधक अभय नंदन कुमार भी अमोनिया गैस रिसाव की चपेट में आ गए। श्रीवास्तव ने कहा कि दोनों अधिकारियों को उपचार के लिए शहर के एक अस्पताल में ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

10 आईपीएल टीमों को मिलेगी मंजूरी

गुरुवार को होने वाली बोर्ड की सालाना बैठक में कर में छूट और क्रिकेट समितियों का गठन एजेंडे में

भाषा। अहमदाबाद

अगले साल भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप को कर में पूरी छूट दिए जाने का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को आश्वासन देने के लिए मिली समय सीमा खत्म होने में एक सप्ताह ही रह गया है और ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड की गुरूवार को यहां होने वाली आम सभा की 89वीं सालाना बैठक में यह मसला प्रमुख रहेगा।

इसके अलावा दो नई आईपीएल टीमों को शामिल करना और विभिन्न क्रिकेट समितियों का गठन भी एजेंडे में शामिल होगा। अगले साल अक्टूबर नवंबर में भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप के आयोजन के लिए कर में पूरी छूट की गारंटी देने के लिए आईसीसी ने बोर्ड को 31 दिसंबर तक की समय सीमा दी है। कर छूट नहीं मिलने पर टूर्नामेंट यूएई में खेला जाएगा। इससे पहले भी वैश्विक टूर्नामेंटों को कर में छूट देने की परंपरा रही है लेकिन मौजूदा कर कानूनों के तहत खेल आयोजनों को ऐसी रियायत नहीं मिलती। अब देखना होगा कि इस मसले पर बीसीसीआई का क्या रूख रहता है। बीसीसीआई और आईसीसी के बीच कर छूट का यह मसला नया नहीं है। इससे पहले भी 2016 में भारत में हुए टी-20 विश्व कप पर लगाए गए कर की वसूली के लिए आईसीसी ने बीसीसीआई के सालाना राजस्व का हिस्सा काटने की धमकी दी थी।

इस बीच बीसीसीआई के नए उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला के चयन की भी इस बैठक में औपचारिक घोषणा होगी जो सर्वसम्मति से चुने गए हैं। बृजेश पटेल आईपीएल संचालन परिषद के प्रमुख बने रहेंगे। ऐसी भी अटकलें हैं कि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली से उनके विज्ञापनों और उससे जुड़े हितों के टकराव के मामले पर भी सवाल किए जाएंगे लेकिन अभी इस पर कोई स्पष्टता नहीं है।

आईपीएल 2022 के लिए दो नई टीमों को भी मंजूरी दी जाएगी। बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस समय आईपीएल में 10 टीमें रखना 2021 के लिए संभव नहीं है। इसके लिए निविदा की प्रक्रिया और नीलामी लंबा समय लेगी और इतने कम समय में यह मुमकिन नहीं। उन्होंने कहा कि यह सही होगा कि मंजूरी ले ली जाए और 2022 में 94 मैचों का टूर्नामेंट हो।

आईसीसी के मंचों पर बीसीसीआई सचिव और गांगुली बोर्ड के प्रतिनिधि बने रहेंगे। बीसीसीआई अगर 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने का समर्थन करता है तो उसकी स्वायत्ता खत्म हो जाएगी और वह राष्ट्रीय खेल महासंघ होने के नाते खेल मंत्रालय के अंतर्गत आ जाएगा। बीसीसीआई की विभिन्न समितियों का गठन भी लंबे समय से रूका हुआ है। समझा जाता है कि नई क्रिकेट सलाहकार समिति का गठन होगा जो तीन नए चयनकर्ता चुनेगी।

भारत ने दूसरे टेस्ट के लिए तैयारी शुरू की

भाषा। मेलबर्न

पहले टेस्ट में मिली शर्मनाक हार को भुलाकर भारतीय क्रिकेट टीम ने कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे के साथ शनिवार से शुरू हो रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट की तैयारी शुरू कर दी और शुभमन गिल भी नेट्स पर अभ्यास करते नजर आए। गुलाबी गेंद से खेले गए अभ्यास मैच में 43 और 65 रन बनाने के बावजूद गिल को पहले मैच में मौका नहीं मिला था। उन्होंने मयंक अग्रवाल के साथ अभ्यास किया जिससे संकेत मिला है कि दोनों दूसरे टेस्ट में पारी का आगाज कर सकते हैं।

भारत अब भी पासा पलट सकता है: डेरेन लीमैन

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के पूर्व कोच डेरेन लीमैन का मानना है कि एडीलेड में पहले टेस्ट में करारी हार के बावजूद भारत के पास ऐसे स्तरीय खिलाड़ी हैं जो आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की मौजूदा टेस्ट श्रृंखला में पासा पलट सकते हैं। एडीलेड ओवल में दूसरी पारी में भारतीय टीम सिर्फ 36 रन पर सिमट गई थी जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में उसका न्यूनतम स्कोर है। आस्ट्रेलिया ने यह दिन-रात्रि टेस्ट आठ विकेट से जीतकर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 1-0 की बढ़त बनाई। लीमैन ने कहा कि अब उनके लिए चीजें मुश्किल होंगी लेकिन उनके पास कुछ स्तरीय खिलाड़ी हैं जो लय में आ जाएं तो पासा पलट सकते हैं। आस्ट्रेलिया के 50 साल के पूर्व बल्लेबाज लीमैन का मानना है कि भारत के पास प्रभावी गेंदबाजी आक्रमण है और अगर उनके बल्लेबाज उछाल लेती गेंदों से निपट सके तो मेहमान टीम श्रृंखला में वापसी कर सकती है। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर वे गेंद से परेशान कर सकते हैं, यह इस पर निर्भर करेगा कि बल्लेबाज उछाल से निपट पाते हैं या नहीं। एमसीजी की पिच उनके अधिक अनुकूल होगी क्योंकि यह थोड़ी सपाट है। लीमैन ने कहा, इसलिए हमें देखना होगा कि उनके बल्लेबाज वापसी करते हुए कुछ रन बना सकते हैं, विशेषकर पहली पारी में। यह उनके लिए अहम होगा। दोनों टीमों के बीच बॉक्सिंग डे टेस्ट 26 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा। भारतीय टीम इस मैच में नियमित कप्तान विराट कोहली और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के बिना उतरेगी।

दूसरा टेस्ट भी नहीं खेल सकेंगे वॉर्नर और एबोट

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और तेज गेंदबाज सीन एबोट चोट और कोरोना प्रोटोकॉल के कारण भारत के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू हो रहा दूसरा क्रिकेट टेस्ट भी नहीं खेल सकेंगे। वॉर्नर और एबोट अपनी अपनी चोटों के उपचार के लिए टीम के बायो बबल से बाहर थे। दोनों शनिवार को मेलबर्न पहुंचे हैं चूंकि सिडनी में कोरोना संक्रमण के नए मामले सामने आए हैं। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा कि कोई भी खिलाड़ी सिडनी में कोरोना हॉटस्पॉट पर नहीं था लेकिन क्रिकेट आस्ट्रेलिया के जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत वे बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए टीम से नहीं जुड़ सकते हैं। इसमें कहा गया कि दोनों खिलाड़ी सिडनी से मेलबर्न आ गए हैं जहां रिहैबिलिटेशन जारी रखेंगे।

वॉर्नर को वनडे श्रृंखला के दौरान ग्रोइन की चोट लगी थी और वह पहला टेस्ट भी नहीं खेल सके थे। वहीं एबोट चोट से उबर चुके हैं लेकिन पहले टेस्ट की टीम में जगह नहीं बना सके। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने कहा , बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए टीम में अतिरिक्त खिलाड़ी नहीं लिया जाएगा। तीसरे टेस्ट से पहले वॉर्नर और एबोट टीम से जुड़ेंगे। तीसरा टेस्ट सात जनवरी से होगा लेकिन इसका सिडनी में होना अभी तय नहीं है।

चेतेश्वर पुजारा विश्व स्तरीय बल्लेबाज, उसे रोकना बड़ी चुनौती: नाथन लियोन

भाषा। मेलबर्न

आस्ट्रेलियाई गेंदबाज पहले टेस्ट में चेतेश्वर पुजारा के बल्ले पर अंकुश लगाने में कामयाब रहे लेकिन स्पिनर नाथन लियोन का कहना है कि इस विश्व स्तरीय बल्लेबाज को बाकी मैचों में रोक पाना कड़ी चुनौती होगा। लियोन ने कहा कि पुजारा के लिए उनकी टीम ने विशेष रणनीति बनाई है। दूसरा टेस्ट शनिवार से मेलबर्न में शुरू होगा। लियोन ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मैं राज का खुलासा नहीं कर सकता लेकिन पुजारा विश्व स्तरीय बल्लेबाज है और बाकी मैचों में उसके बल्ले पर अंकुश लगाना काफी चुनौतीपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि हमने श्रृंखला शुरू होने से पहले ही उसके बारे में काफी बात की। एडीलेड में रणनीति कारगर साबित होते देखना अच्छा लगा लेकिन आगे कुछ नया करना होगा। उन्होंने कहा कि उसके मैदान पर उतरने के बाद हम उन योजनाओं पर अमल करेंगे। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को सामने खुद को आजमाना हमेशा रोचक होता है और पुजारा उन्हीं खिलाड़ियों में से एक है। लियोन ने एडीलेड टेस्ट में पुजारा को 43 के स्कोर पर आउट किया। आस्ट्रेलिया ने वह मैच आठ विकेट से जीता। इस अनुभवी स्पिनर ने यह भी कहा कि कप्तान विराट कोहली के स्वदेश लौटने के बावजूद भारतीय टीम में उनकी जगह लेने के लिए काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। लियोन ने कहा कि अजिंक्य रहाणे और पुजारा हैं। इनके अलावा केएल राहुल, मयंक अग्रवाल भी शानदार खिलाड़ी हैं।विराट की जगह लेने के लिए उनके पास काफी खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह फिर काफी चुनौतीपूर्ण होगा और हमें तैयारी पुख्ता रखनी होगी। भारतीय टीम के पास विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं जो दूसरे टेस्ट में मजबूती से वापसी करेंगे।हम यह सोचकर नहीं उतर सकते कि उन्हें फिर 50 रन पर आउट कर देंगे।

सिडनी ने दो टेस्ट की मेजबानी की पेशकश की

सिडनी। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच नए साल में होने वाले टेस्ट को बचाने की कवायद के तहत सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) ट्रस्ट ने ब्रिसबेन टेस्ट की मेजबानी की भी पेशकश की है। न्यू साउथ वेल्स से टेस्ट खेलकर लौटने वाली टीमों को क्वीन्सलैंड सरकार से छूट नहीं मिलने की स्थिति में एससीजी ट्रस्ट ने चौथे और अंतिम टेस्ट की मेजबानी की भी पेशकश की है। सिडनी के उत्तरी तटों पर कोविड-19 के मामलों में इजाफे के बाद इस महीने की शुरुआत से क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) हाई अलर्ट पर है। सिडनी को सात जनवरी से तीसरे टेस्ट की मेजबानी करनी है। उत्तरी तटों पर स्थिति में सुधार हुआ है लेकिन इस तरह की आशंका है कि क्वीन्सलैंड सरकार न्यू साउथ वेल्स के साथ अपनी सीमा को बंद कर सकती है जिसका मतलब होगा के खिलाड़ी और प्रसारणकर्ता चैनल के कर्मचारी तीसरे और चौथे टेस्ट के बीच सिडनी से ब्रिसबेन की यात्रा नहीं कर पाएंगे। सिडनी क्रिकेट एवं स्पोर्ट्स ग्राउंड ट्रस्ट के चेयरमैन टॉनी शेपर्ड ने द ऐज से कहा, अगर जरूरी हुआ तो हम दो टेस्ट का आयोजन कर सकते हैं, कोई समस्या नहीं है।

मौजूदा हालात में हालांकि मेलबर्न तीसरे टेस्ट की मेजबानी के प्रबल दावेदार के रूप में उभरा है। मेलबर्न में 26 दिसंबर से बॉक्सिंग डे टेस्ट भी खेला जाना है।

गेंदबाजों के कप्तान हैं रहाणे: ईशांत

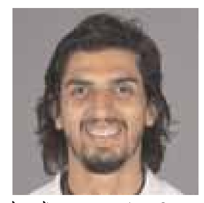

नई दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा का कहना है कि कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे गेंदबाजों के कप्तान हैं और अपने शांत स्वभाव और खिलाड़ियों से स्पष्ट संवाद के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ बाकी तीन मैचों में अच्छी कप्तानी करेंगे। नियमित कप्तान विराट कोहली के पितृत्व अवकाश पर स्वदेश लौटने के कारण रहाणे बाकी तीन टेस्ट में भारत की कप्तानी करेंगे। बाजू में चोट के कारण आस्ट्रेलिया दौरे से बाहर ईशांत ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा कि वह काफी चुप रहता है और आत्मविश्वास से ओतप्रोत है। मैं जरूर कहूंगा कि वह गेंदबाजों का कप्तान है। उन्होंने कहा कि जब भी हमने साथ खेला है और विराट मैदान पर नहीं है तो वह मुझसे पूछता है कि कैसी फील्ड चाहिए। कब गेंदबाजी करना चाहते हो वगैरह। उन्होंने कहा कि वह कभी आदेश नहीं देता। उसे अच्छी तरह से पता है कि उसे टीम से क्या चाहिए। कोहली की गैर मौजूदगी में आस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के खिलाफ रहाणे की कप्तानी में भारत ने दोनों टेस्ट जीते हैं। ईशांत ने कहा कि आपको उसकी कप्तानी से पता चल जाएगा कि वह कैसा इंसान है।वह काफी शांत और स्थिर है। ऐसा नहीं है कि वह मजाकिया नहीं है। वह हमारे साथ काफी मजाक मस्ती करता है। वह दबाव के क्षणों में शांत रहता है। उसके साथ तनाव नहीं रहता और वह गेंदबाजों से बखूबी संवाद करता है। विराट कोहली के बारे में उन्होंने कहा कि अगर कोई साझेदारी बन रही है और फील्डरों के करने के लिए कुछ नहीं है तो ऐसे में एक खिलाड़ी की ऊर्जा सारा परिदृश्य बदल देती है।विराट ऐसी ऊर्जा का स्रोत है। उसकी ऊर्जा का कोई मुकाबला नहीं है।

सार्वजनिक सूचना

विषयः- मरणोउपरान्त वसीयत पंजीकृत कराने के बारे में!

इन्द्रजीत सिंह पुत्र स्व0 सरदार हीरा सिंह निवासी मकान नं0 5एल-1, एनआईटी फरीदाबाद ने इस कार्यालय में हाजिर होकर एक प्रार्थना पत्र दिया है व बयान किया है कि उसकी माताजी श्रीमति सुरजीत कौर धर्मपत्नी स्व0 सरदार हीरा सिंह ने एक वसीयतनामा दिनांक 30-03-2016 को अपनी चल अचल सम्पत्ति की बाबत अपने सुपुत्र श्री इन्द्रजीत सिंह के हक में की है तथा श्रीमति सुरजीत कौर का दिनांक 28-06-2020 को देहान्त हो चुका है। इस वसीयतनामा के अनुसार इन्द्रजीत सिंह मृतका श्रीमती सुरजीत कौर की तमाम चल-अचल सम्पत्ति का मालिक होगा। यह वसीयतनामा गवाहन की श्री लखा सिंह पुत्र मित्त सिंह निवासी मकान नं0 एफ-629 एसजीएम नगर एनआईटी फरीदाबाद एवं गुरप्रीत सिंह पुत्र श्री गुरूचरन सिंह निवासी मकान नं0 5डी-69, एनआईटी फरीदाबाद के समक्ष लिखी गयी थी जिन्होने इस वसीयत पर बतौर गवाह अपने-2 हस्ताक्षर किये है प्रार्थी ने अनुरोध किया है कि वसीयतनामा दिनांक 30-03-2016 को मरणोउपरान्त पंजीकृत किया जाये।

अतः सर्व साधारण को इस नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इस वसीयत के पंजीकृत में कोई ऐतराज है तो वह अपना ऐतराज असालतन या वकालतन इस कार्यालय में इस नोटिस के प्रकाशित होने के 30 दिन के अन्दर दे सकता है अन्यथा इस वसीयतनामा को बिना त्रुटि के सही मानकर पंजीकृत करा दिया जाएगा।

आज दिनांक 22.12.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर सहित जारी किया गया।

No 716 RC
Date 22.11.2020

श्री इन्द्रजीत सिंह
कानूनी वारिसान

इलेक्ट्रॉनिक तरीके से हो सकते हैं चुनाव, निश्चित कार्यक्रम दें

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के चुनाव इलेक्ट्रॉनिक तरीके से हो सकते हैं और इस संबंध में महासंघ को आठ जनवरी 2021 तक चुनाव का निश्चित कार्यक्रम भी तैयार करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति जयंत नाथ ने उत्तर प्रदेश अमैच्योर मुक्केबाजी संघ की याचिका पर 18 दिसंबर को यह निर्देश दिया। प्रदेश संघ ने बीएफआई को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार या 31 दिसंबर से पहले कभी भी चुनाव संपन्न कराने का निर्देश देने का अनुरोध किया था।

PUBLIC NOTICE

Notice Is Hereby Given That, Sanjeev Kumar Goel, S/d/w/o Kanwar Bhan Goel, C8/15 Model Town-iii New Delhi-110009 Have Lost My Original Sale Deed Dt.27/09/1965 By Sh. Bhagwan Singh S/o S, Sahib Singh In Favour Of Shri Rati Ram S/o Shri Phool Chand. Registration No.11933.addl.book No-i, Volume No-1405 On Pages 60 To 62.property Address C8/15 Model Town-iii New Delhi-11000 If Found Pls Contact - 9810010625

जयपुरिया की इतिशा का वर्ल्ड ताइक्वांडो पार्टनरशिप प्रोग्राम के लिए चयन

लखनऊ। सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल लखनऊ की 10वीं की छात्रा इतिशा सिंह का वर्ल्ड ताइक्वांडो पार्टनरशिप प्रोग्राम (लेवेल-2 इंटरमीडिएट) के लिए चयन हुआ है। यह कार्यक्रम मुजु दक्षिण कोरिया में ऑनलाइन मीटिंग (लेक्चर) के माध्यम से होगा। कार्यक्रम के तहत इतिशा कोरियाई प्रोफेसरों से कोरियाई भाषा और कोरियाई संस्कृतिए पूमसे, फाइटिंग तकनीक, ताइक्वांडो और ताइक्वांडो जिमनास्टिक्स का शारीरिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगी। पूरी दुनिया के 300 विद्यार्थियों ने वर्ल्ड ताइक्वांडो पार्टनरशिप के लिए आवेदन किए और भारत से चुने गए कुछ उम्मीदवारों में एक इतिशा सिंह है। यह वैश्विक खेल ताइक्वांडो प्रोग्राम पूरी दुनिया के विकासशील देशों के सक्षम और होनहार ताइक्वांडो खिलाड़ियों और ताइक्वांडो प्रशासकों के लिए तैयार किया गया है जो अपने देश में ताइक्वांडो को बढ़ावा देने और बेहतर बनाने के इच्छुक हैं। इतिशा को विशेषज्ञ पूमसे, फाइटिंग, तकनीक, ताइक्वांडो और ताइक्वांडो जिमनास्टिक्स में शारीरिक प्रशिक्षण और कोरियाई भाषा और कोरियाई संस्कृति के बारे में भी जानकारी देंगे।

खफा बिशन सिंह बेदी ने डीडीसीए से स्टैंड्स पर से नाम हटाने को कहा

नई दिल्ली। फिरोजशाह कोटला मैदान पर डीडीसीए के दिवंगत अध्यक्ष अरूण जेटली की प्रतिमा लगाने के फैसले से खफा महान स्पिनर बिशन सिंह बेदी ने क्रिकेट संघ से उनका नाम दर्शक दीर्घा से हटाने के लिए कहा है। उनके नाम पर दीर्घा 2017 में बनाई गई थी। दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) पर बरसते हुए बेदी ने भाई भतीजावाद और क्रिकेटरों से ऊपर प्रशासकों को रखने का आरोप लगाते हुए संघ की सदस्यता भी छोड़ दी। उन्होंने डीडीसीए के मौजूदा अध्यक्ष और अरूण जेटली के बेटे रोहन जेटली को लिखे पत्र में कहा कि मैं काफी सहनशील इंसान हूं लेकिन अब मेरे सब्र का बांध टूट रहा है। डीडीसीए ने मेरे सब्र की परीक्षा ली है और मुझे यह कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर किया।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I NIDHIWALA Asthana, W/O Late Rakesh Asthana, R/O Flat No-263, pocket-1 sector-19, Dwarka, New Delhi-110075 have changed my minor son name. Wrong Name- Kunal Asthana, Correct Name- Siddharth Asthana. For all future purpose

PD(8844)A

इंग्लैंड की महिला फुटबॉल में कोरोना वायरस के 32 पॉजिटिव मामले

लंदन। इंग्लैंड की महिला फुटबॉल में कोरोना वायरस संक्रमण के 32 मामले सामने आए हैं। शीर्ष दो फुटबॉल लीग में 864 खिलाड़ियों और क्लब के स्टाफ के परीक्षण में ए मामले सामने आए हैं। महिला सुपर लीग और महिला चैंपियनशिप में साप्ताहिक परीक्षण के बाद इंग्लिश फुटबॉल संघ द्वारा घोषित ए सर्वाधिक कोविड-19 मामले हैं। इंग्लैंड में कोविड-19 के नए संक्रमण के फैलने को लेकर जारी चिंताओं के बीच बड़ी संख्या में पॉजिटिव मामलों का सामने आए।

राहुल तीसरे व कोहली सातवें स्थान पर पहुंचे

भाषा। दुबई

लोकेश राहुल बुधवार को जारी आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की टी-20 खिलाड़ियों की बल्लेबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर बरकरार हैं जबकि भारतीय कप्तान विराट कोहली एक पायदान के सुधार के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। राहुल और कोहली ही केवल दो भारतीय बल्लेबाज हैं जो तीनों वर्गों (बल्लेबाज, गेंदबाज और हरफनमौला) की खिलाड़ियों की रैंकिंग में शीर्ष-10 में शामिल हैं। राहुल 816 अंक से डेविड मलान (915) और बाबर आजम (820) के पीछे हैं जबकि कोहली के 697 अंक हैं। कोहली सभी तीनों प्रारूपों में शीर्ष 10 रैंकिंग में शामिल हैं, वह वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर हैं जबकि टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज हैं। अन्य खिलाड़ियों में न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट और तेज गेंदबाज टिम साउदी ने पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में मिली 2-। की जीत में अहम भूमिका अदा करने के बाद करियर के सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल किए। सिफर्ट श्रृंखला में कुल 176 रन बनाने से 24 पायदान की उछाल से नौंवे स्थान पर पहुंच गए जबकि साउदी ने कुल छह विकेट हासिल किए जिससे वह 13वें स्थान से सातवें स्थान पर पहुंच गए। साउदी अपने करियर में सभी तीनों प्रारूपों में शीर्ष 10 में भी पहुंचने में सफल रहे।

गर्भवती महिला ने टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरू रेस पूरी की

बेंगलुरू। टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरू 2020 की प्रेरणादाई कहानियों में से एक पांच महीने की गर्भवती महिला का सिर्फ 62 मिनट में रेस पूरी करना है। जल्द ही मां बनने जा रही अंकिता गौड़ ने रविवार को टीसीएस वर्ल्ड विश्व 10के रन पूरी की। पिछले नौ साल से नियमित रूप से दौड़ रही अंकिता का मानना है कि एक्टिविटी उनके लिए सांस लेने की तरह है। अंकिता ने कहा, यह ऐसी चीज है जिसे मैं पिछले नौ साल से कर रही हूं, लगभग रोजाना। आप उठते हो और दौड़ने के लिए जाते हो। बेशक कभी-कभी आप चोटिल, बीमार होते हैं और ऐसा नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मैं पिछले नौ साल से नियमित रूप से दौड़ रही हूं, इसलिए यह मेरे लिए सांस लेने की तरह है।

यह मेरे अंदर प्राकृतिक रूप से है। पेशे से इंजीनियर अंकिता 2013 से टीसीएस वर्ल्ड 10के में हिस्सा ले रही हैं।

शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 437 अंक और चढ़ा

संवाददाता। मुंबई

वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच आईटी और एफएमसीजी शेयरों में तेजी से शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन बढ़त का सिलसिला कायम रहा। कारोबारियों ने कहा कि रुपए में सुधार तथा दवा कंपनियों के इस दावे कि कोविड-19 का टीका ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन के खिलाफ प्रभावी रहेगा, से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 437.49 अंक या 0.95 प्रतिशत की बढ़त के साथ 46,444.18 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 134.80 अंक या एक प्रतिशत की बढ़त के साथ 13,601.10 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर सबसे अधिक 2.67 प्रतिशत चढ़ गया। इन्फोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एसबीआई, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और टीसीएस के शेयर भी लाभ में रहे।

वहीं दूसरी ओर टाइटन, पावरग्रिड, एनटीपीसी और एचडीएफसी के शेयर 0.81 प्रतिशत तक टूट गए। वैश्विक बाजारों का ज्यादातर रुख सकारात्मक था। दवा कंपनियों बायोनटेक, मॉडर्ना और एस्ट्राजेनेका ने भरोसा जताया है कि कोविड-19 का टीका ब्रिटेन में मिले वायरस के नए प्रकार या स्ट्रेन के खिलाफ प्रभावी होगा। हालांकि वैश्विक बाजारों का यह लाभ सिमट गया क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह कांग्रेस द्वारा पारित 900 अरब डॉलर के आर्थिक सहायता पैकेज को वीटो करेंगे क्योंकि इसमें लोगों के लिए 600 अरब डॉलर की मदद काफी कम है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, नए वायरस स्ट्रेन को लेकर चिंता, लॉकडाउन और कमजोर वैश्विक रुख के बीच आईटी, मिड कैप और स्मॉल कैप शेयरों में तेजी से बाजार में बढ़त का सिलसिला जारी है।

अमेरिका में तो अतिरिक्त प्रोत्साहन की घोषणा की गई है, उससे बाजारों को कोई खास लाभ नहीं हुआ है। बाजार इसके लाभ को पहले से ही जोड़कर चल रहे थे। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिन के दौरान बाजार की निगाह ब्रेक्जिट व्यापार करार पर रहेगी। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप 2.65 प्रतिशत तक चढ़ गए। अन्य एशियाई बाजारों में शंघाई, सियोल, हांगकांग और तोक्यो लाभ के साथ बंद हुए। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार भी बढ़त में थे।

कार्यालय जिला पंचायत, गाजि़याबाद

पत्रांकः-602/नि0वि0/जि0पं0गा0/2020-21 दिनांकः- 23/12/2020

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

जिला पंचायत अनुश्रण कोष्ठक उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के शासनादेस संख्या 3386/33-सेल/2020 दिनांक 13 नवम्बर 2020 के द्वारा रू0 10.00 लाख से अधिक लागत के 14 निर्माण कार्यों की तकनीकी स्वीकृति के क्रम में क्रमांक 09.10.12 पर अंकित कार्य की ई-निविदा पुन': आमंत्रित की जाती है।

2- कार्यालय पत्र संख्या 576/वि0वि0/जि0पं0गा0/2020-21 दिनांक 02.12.2020 द्वारा समाचार पत्र दैनिक हिन्दुस्तान एवं दैनिक पायनियर में प्रकाशित ई-निविदा के 15 कार्यों में से क्रमांक 09,10 व 12 पर अंकित कार्यों की विभिन्न कारणों से पुनः ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

अपरोक्त कार्यों की शासकीय वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर ई-निविदा आमंत्रण कार्यक्रम निम्नानुसार है।

1-वेबसाईट पर निविदा प्राकशित की तिथि	दिनांक 24.12.2020 को पूर्वान्ह 11.00 बजे
2-वेबसाईट पर निविदा अपलोड किये जाने की तिथि	दिनांक 30.12.2020 को सॉय 5.00 बजे तक
3-ई-निविदा खोले जाने की तिथि को पूर्वान्ह 11.00 बजे से	दिनांक 31.12.2020 समस्त निविदाएं खुलने तक।

निविदा मूल्य इण्टरनेट बैंकिंग/आर0टी0जी0एस0/एन0ई0एफ0टी0 के माध्यम से जिला पंचायत, गाजियाबाद के यूनियन बैंक कविनगर खाता संख्या 448402010003855 आई0एफ0एस0सी0 कोड UBIN 0544841 में जमा किया जा सकता है। आगणन मूल्य की निविदा प्रपत्र का मूल्य व धरोहर धनराशि की प्रति भी निविदा के साथ अपलोड की जायेगी। शासनादेश संख्या 1791/33-2-2020-198जी/2018 दिनांक 07.09.2020 के अनुसार निविदा शुल्क तथा धरोहर राशि (EMD) प्रणाली के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रों के अरिक्त मूल अभिलेखों एवं निविदा शुल्क तथा धरोहर राशि (EMD) सम्बन्धी डिमांड ड्राफ्ट/पे आडर्स की स्कैन प्रति अथवा प्रतिभूति प्रमाण पत्र विभाग के पक्ष में बन्धक कराने पर प्राप्त ट्रान्जेक्शन नम्बर को निविदा के समय अपलोड किया जायेगा तथा निविदा प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख एवं निविदा शुल्क तथा धरोहर राशि (EMD) सम्बन्धी डिमान्ड ड्राफ्ट/पे आडर्स/प्रतिभूति प्रमाण पत्र मूलरूप में प्रस्तुत नही किए जाने पर निविदादाता के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जाएगी तथा उसका पंजीयन निरस्त कर काली सूचि में डालने की भी कार्यवाही की जाएगी। निर्माण कार्यों की सूची, निविदा मूल्य, 2 प्रतिशत धरोहर राशि, बी0ओ0क्यू0 एवं समस्त शर्ते पूर्ववत रहेंगी जो कि उपरोक्त वर्णित शासकीय वेबसाईट पर देखी जा सकती है। क्रमांक 12 पर अंकित कार्य का अनुबन्ध शासन से पन्द्रवॉ वित्त आयोग के मदे प्राप्त होने वाली धनराशि के उपरान्त किया जायेगा।

हं/-
योगेश कुमार
अभियन्ता अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत गाजियाबाद

हं/-
लक्ष्मी मावी
अध्यक्ष
जिला पंचायत गाजियाबाद

कोविड-19 के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता कम से कम आठ महीने तक रहती है

भाषा। मेलबर्न

अध्ययन

कोरोना वायरस संक्रमण के बाद स्वस्थ होने वाले लोगों में इस संक्रमण के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता संक्रमणमुक्त होने के कम से कम आठ महीने बाद तक रहती है।

यह दावा एक नए अध्ययन में किया गया है। यह अध्ययन इस उम्मीद को प्रबल करता है कि कोविड-19 रोधी टीके लंबे समय तक प्रभावी रहेंगे।

पहले कई अध्ययनों में यह दावा किया गया था कि कोरोना वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी संक्रमण के शुरुआती कुछ महीने बाद ही समाप्त हो जाते हैं, जिसके बाद यह चिंता उठने लगी थी कि लोगों में इसके खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता जल्द ही खत्म हो सकती है, लेकिन साइंस इम्युनोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित नए अनुसंधान ने इन चिंताओं को दूर कर दिया है।ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों समेत विशेषज्ञों का कहना है कि रोग प्रतिरोधी प्रणाली में विशेष मेमोरी बी कोशिकाएं वायरस के संक्रमण को याद रखती हैं और यदि कोई व्यक्ति दूसरी बार वायरस के संपर्क में आता है, तो सुरक्षात्मक एंटीबॉडी के तेजी से पैदा होने से सुरक्षात्मक रोग प्रतिरोधी क्षमता काम करने लगती है।इस अध्ययन के लिए अनुसंधानकर्ताओं ने कोविड-19 के 25 मरीजों का दल चुना और संक्रमण के बाद चौथे दिने से लेकर 242वें दिन तक रक्त के 36 नमूने लिए।

वैज्ञानिकों ने पाया कि वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी में संक्रमण के 20 दिन बाद कमी आनी शुरू हो गई। हालांकि, उन्होंने कहा कि सभी मरीजों में मेमोरी बी कोशिकाएं थीं, जो वायरस के दो घटकों स्पाइक प्रोटीन और न्यूक्लियोकैप्सिड प्रोटीन में से एक घटक को पहचान लेती हैं। स्पाइक प्रोटीन वायरस को कोशिकाओं में प्रवेश करने में मदद करता है।वैज्ञानिकों ने विश्लेषण के बाद पाया कि मेमोरी बी कोशिकाएं संक्रमण के आठ महीने बाद तक व्यक्ति के शरीर में मौजूद रहती हैं। उनका मानना है कि यह परिणाम इस उम्मीद को बल देता है कि वायरस रोधी टीके का असर लंबे समय तक बना रहेगा। मोनाश यूनिवर्सिटी में इम्युनोलॉजी एंड पैथोलॉजी डिपार्टमेंट के मेनो वाल जेल्म ने कहा, ए परिणाम महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ए दर्शाते हैं कि कोविड-19 से संक्रमित हुए मरीजों में बीमारी के खिलाफ रोग प्रतिरोधी क्षमता बनी रहती है।

अंटार्कटिका में सामने आए कोविड-19 के मामले, अब दुनिया के हर महाद्वीप में पहुंच चुका है वायरस

सैंटियागो (चिली) । चिली के प्राधिकारियों ने घोषणा की है कि अंटार्कटिका में दो सैन्य शिविरों में तैनात और महाद्वीप में नौसेना की एक नौका पर मौजूद कुल 58 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और इसके साथ ही यह घातक संक्रमण अब पृथ्वी के हर महाद्वीप में पहुंच चुका है। अंटार्कटिका में मौजूद किसी अन्य देश ने वहां संक्रमण के मामले सामने की अभी तक पुष्टि नहीं है। चिली की सेना ने सोमवार को घोषणा की कि जनरल बर्नार्डो ओ हिगिंस रिकेल्मे अंटार्कटिका शिविर में 36 लोग संक्रमित पाए गए हैं। चिली के बिओ-बिओ क्षेत्र के स्वास्थ्य मंत्री ने मंगलवार को बताया कि चिली की नौसेना के सार्जेंट एल्डिया आपूर्ति पोत पर सवार लोगों में से 21 लोग संक्रमित पाए गए हैं। मैगलेन्स के क्षेत्रीय स्वास्थ्य सचिव एडुवर्डो कास्टिल्लो ने बताया कि लास एस्ट्रेलास गांव में भी एक मामला सामने आया है। सेना ने बताया कि सबसे पहले संक्रमित पाए गए 36 लोगों में से 26 सेना के सदस्य हैं और 10 असैन्य नागरिक हैं, जो रखरखाव का काम करने वाली कम्पनी के कर्मचारी हैं।उसने बताया कि किसी भी संक्रमित व्यक्ति को कोई परेशानी नहीं है। अंटार्कटिका में अमेरिकी कार्यक्रमों की देखरेख करने वाली एजेंसी यूएस नेशनल साइंस फाउंडेशन ने कहा कि उसे सार्जेंट एल्डिया पर सवार लोगों के संक्रमित पाए जाने की जानकारी है।

अमेरिका की जनसंख्या में पिछले 120 साल में सबसे कम बढ़ोतरी हुई

वाशिंगटन। अमेरिका की जनसंख्या में 2019 से 2020 में पिछले कम से कम 120 साल में सबसे कम बढ़ोतरी हुई है। अमेरिकी जनगणना ब्यूरो ने मंगलवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी। जनसांख्यिकी विशेषज्ञों का कहना है कि ए आंकड़े कोरोना वायरस महामारी की मार की झलक दिखाते हैं। द ब्रूकिंग इंस्टीट्यूट के कर्मी विलियम फ्रे ने कहा कि अमेरिका में आव्रजन संबंधी प्रतिबंधों और प्रजनन क्षमता में गिरावट के कारण पिछले कई वर्षों से जनजंख्या की बढ़ोतरी पहले ही सुस्त बनी हुई थी, लेकिन कोरोना वायरस के कारण हुई लोगों की मौत के कारण यह वृद्धि दर और धीमी हो गई।फ्रे ने कहा, मुझे लगता है कि जनसंख्या की कम बढ़ोतरी को लेकर यह पहली झलक है। उन्होंने कहा, यह आपको बता रहा है कि इसका (महामारी का) जनसंख्या पर असर पड़ रहा है। जनगणना ब्यूरो के अनुमान के अनुसार, अमेरिका की जनसंख्या में जुलाई 2019 से जुलाई 2020 में 0.35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, यानी जनसंख्या में 11 लाख की बढ़ोतरी हुई है। जुलाई में अनुमानित जनसंख्या 32 करोड़ 90 लाख थी। फ्रे के विश्लेषण के अनुसार, यह इस सदी में हुई सबसे कम बढ़ोतरी है।स्पैनिश फ्लू के दौरान भी 1918 से 1919 में जनसंख्या बढ़ोतरी की दर 0.49 प्रतिशत थी। अमेरिका के पूर्वोत्तर और मध्य पश्चिम क्षेत्रों में 2019 से 2020 तक जनसंख्या में मामूली गिरावट आई है, जबकि दक्षिण एवं पश्चिमी क्षेत्रों में मामूली बढ़ोतरी हुई है। इदाहो की जनसंख्या में पिछले एक साल में सर्वाधिक बढ़ोतरी हुई है, जबकि देश के सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य कैलिफोर्निया समेत 16 राज्यों की जनसंख्या में कमी आई है। बसंत में महामारी का केंद्र रहे न्यूयॉर्क की जनसंख्या में सर्वाधिक गिरावट (0.65 प्रतिशत की) आई है।

कोविड 19 की पाबंदियों के बीच यूक्रेन में हो रही भारी बर्फबारी के दौरान राष्ट्रपति कार्यालय के निकट जमी बर्फ पर स्केटिंग का लुत्फ लेते लोग

मोरक्को की ऐतिहासिक यात्रा में इज़राइल के प्रतिनिधिमंडल के साथ कुशनर शामिल

● मोरक्को की सम्प्रभुता को मान्यता देने के अमेरिका के फैसले को भी सही ठहराते हुए कुशनर कहा, वह उस असफल यथास्थिति को अस्वीकार करना था जिससे किसी को फायदा नही पहुंच रहा था

एपी। रबात (मोरक्को

इज़राइल और मोरक्को के इस महीने की शुरुआत में पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित करने पर सहमति के बाद दोनों देशों के बीच उड़ान भरने वाले पहले विमान में व्हाइट हाउस के वरिष्ठ सलाहकार जारेड कुशनर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मोरक्को पहुंचा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद कुशनर ने संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, सूडान और मोरक्को के साथ इज़राइल के संबंध सामान्य करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और कई ऐतिहासिक समझौते भी किए, जिसके तहत इन्हें वाशिंगटन से कई फायदे भी मिले। समझौते के तहत अमेरिका ने पश्चिमी सहारा के विवादित क्षेत्र पर मोरक्को के दावे को भी मान्यता प्रदान की है, जिसे संयुक्त राष्ट्र मान्यता नहीं देता है। कुशनर के साथ इज़राइल के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मीर बेन-शब्बत भी मौजूद थे। दोनों ने मोरक्को के किंग मोहम्मद और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। कुशनर ने पत्रकारों से बात करते हुए इस बैठक को बेहद फलदायक बताया। उन्होंने कहा, मोरक्को और इज़राइल पूर्ण राजनयिक संबंधों को फिर से शुरू करने, आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने और अपने सम्पर्क कार्यालयों को फिर से खोलने के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं पर काफी उन्नति कर रहे हैं। कुशनर ने पश्चिमी सहारा में मोरक्को की सम्प्रभुता को मान्यता देने के अमेरिका के फैसले को भी सही ठहराते हुए कहा, वह उस असफल यथास्थिति को अस्वीकार करना था, जिससे किसी को फायदा नहीं पहुंच रहा था। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को व्यापक स्वायत्तता देने के प्रस्ताव को लागू करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के साथ काम करने का दोनों पक्षों से आह्वान किया। कुशनर ने कहा, वास्तविक स्वायत्तता एकमात्र संभव विकल्प है, लेकिन इस पर काम करना होगा।

अमेरिकी कांग्रेस ने अगले दलाई लामा का चुनाव तिब्बती बौद्ध समुदाय द्वारा किए जाने की वकालत की

वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस ने चीन पर निशाना साधते हुए एक विधेयक पारित किया है जिसमें तिब्बतियों को उनके आध्यात्मिक नेता का उत्तराधिकारी चुनने के अधिकार को रेखांकित किया गया है और तिब्बत के मुद्दों पर एक विशेष राजनयिक की भूमिका का विस्तार किया गया है।विधेयक के तहत तिब्बत मामलों पर अमेरिका के विशेष राजनयिक को यह अधिकार दिया गया है कि अगले दलाई लामा का चयन सिर्फ तिब्बत बौद्ध समुदाय द्वारा किया जाए यह सुनिश्चित करने के लिए वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन कर सकता है।तिब्बत नीति और समर्थन कानून, 2020 को सोमवार को पारित किया गया। इसमें तिब्बत में तिब्बती समुदायों के समर्थन में गैर-सरकारी संगठनों को सहायता का प्रस्ताव है।

मेक्सिको में इस साल सबसे ज्यादा पत्रकारों की हत्या

एपी। मेक्सिको सिटी

साल 2020 में पत्रकारों की उनके काम की वजह से हत्या के सबसे अधिक मामले मेक्सिको में और उसके बाद अफगानिस्तान तथा फिलिपीन में सामने आए हैं। न्यूयॉर्क स्थित पत्रकार रक्षा समिति (सीपीजे) ने अपनी नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

दरअसल, इस साल 15 दिसंबर तक दुनियाभर में कम से कम 30 पत्रकारों की हत्या की गई जबकि पिछले वर्ष इस दौरान 26 पत्रकारों की हत्या हुई थी। इस साल कम से कम 21 पत्रकारों की हत्या उनके काम की वजह से की गई। साल 2019 में अपने काम की वजह से जान गंवाने वाले पत्रकारों की संख्या 10 थी। सीपीजे 15 अन्य पत्रकारों की हत्या की जांच कर पता लगाने में जुटी है कि क्या उनकी हत्या भी उनके काम की वजह से हुई।मेक्सिको में साल 2020 में कम से कम चार पत्रकारों की निशाना बनाकर हत्या की गई जबकि पांचवे पत्रकार की अपराध स्थल की तस्वीरें खींचने के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। सीपीजे ने कहा कि वह कम से कम चार अन्य हत्याओं के पीछे की वजह पता लाने की कोशिश कर रही है। अन्य पत्रकार समूहों ने मेक्सिको में इस साल मारे गए पत्रकारों की संख्या 11 बताई है। रिपोर्ट में कहा गया है, मेक्सिको पश्चिमी गोलार्ध में पत्रकारों के लिए सबसे खतरनाक देश है। यहां पत्रकार अपराधियों, मादक पदार्थ तस्करों और भ्रष्टाचार में डूबे सरकारी तंत्र के बीच काम करते हैं। अफगानिस्तान में आतंकवादी समूहों ने कम से कम चार पत्रकारों की उनके काम की वजह से हत्या कर दी जबकि फिलीपीन में ऐसे पत्रकारों की संख्या कम से कम तीन रही।

काबुल में अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा मारे गए गैर सरकारी फ्री एंड फेयर इलेक्शन फोरम ऑफ अफगानिस्तान (एफईएफए) के कार्यकारी निदेशक युसूफ रशीद के जनाजे को कंधा देते लोग

क्विक न्यूज

कराची में बर्फ फैक्ट्री में धमाके में आठ की मौत, 30 घायल

कराची। दक्षिणी पाकिस्तान के कराची शहर में बर्फ के एक कारखाने के बॉयलर में विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई जबकि 30 अन्य जख्मी हो गए। न्यू कराची औद्योगिक क्षेत्र में स्थित कारखाने में मंगलवार रात हुआ धमाका इतना जबर्दस्त था कि इससे आसपास के तीन और कारखानें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए जबकि पास के रिहाइशी क्षेत्र के घरों में खिड़कियों के शीशे टूट गए। पुलिस ने बुधवार को कहा कि बॉयलर का एक बड़ा हिस्सा धमाके के बाद करीब 250 गज दूर जाकर गिरा जिससे दूसरे कारखानों और आवासीय सुविधाओं को नुकसान हुआ। बचाव दल के अधिकारियों के मुताबिक मलबे से आठ शवों को निकाला गया है जबकि 30 घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। राहत कार्य से जुड़े एक अधिकारी ने कहा, बर्फ के कारखाने में ड्रम में भरकर रखे रसायनों की वजह से नुकसान ज्यादा हुआ। पुलिस ने कहा कि कारखाने का मालिक अपने परिवार के साथ कनाडा में रहता है।

काबुल में बम धमाके और गोलीबारी में दो लोगों की मौत

काबुल । अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बुधवार को हुए धमाके और गोलीबारी की दो अलग-अलग घटनाओं में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई जिनमें से एक स्वतंत्र अफगान चुनाव निगरानीकर्ता समूह के प्रमुख थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान में हिंसा की यह नवीनतम घटना है और ए ऐसे समय हो रही है जब तालिबान और अफगान सरकार के वार्ताकार कतर में दो दशक पुराने युद्ध की समाप्ति के उद्देश्य से शांति समझौता करने का प्रयास कर रहे हैं। काबुल पुलिस प्रमुख के प्रवक्ता फिरदौस फरामर्ज ने बताया अज्ञात बंदूकधारियों ने गैर सरकारी फ्री ऐंड फेयर इलेक्शन फोरम ऑफ अफगानिस्तान (एफईएफए) के कार्यकारी निदेशक युसूफ रशीद की गोली मारकर हत्या कर दी।उन्होंने बताया कि रशीद की हत्या उस समय की गई जब वह एफईएफए के कार्यालय जाने के लिए निकले थे, इस हमले में उनका वाहन चालक भी घायल हुआ है जिसे अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। फरामर्ज ने बताया कि एक अलग घटना मे बुधवार को काबुल के पूर्वी इलाके मे पुलिस के वाहन को निशाना बनाकर बम धमाका किया गया जिसमे एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हुए है।

यूएई के इस्लामी निकाय ने पोर्क के इस्तेमाल पर भी कोविड टीकों को जायज करार दिया

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शीर्ष इस्लामी निकाय यूएई फतवा काउंसिल ने कोरोना वायरस टीकों में पोर्क (सुअर के मांस) के जिलेटिन का इस्तेमाल होने पर भी इसे मुसलमानों के लिए जायज करार दिया है।टीकों में सामान्य तौर पर पोर्क जिलेटिन का इस्तेमाल होता है और इसी वजह से टीकाकरण को लेकर उन मुस्लिमों की चिंता बढ़ गई है जो इस्लामी कानून के तहत पोर्क से बने उत्पादों के प्रयोग को हराम मानते है। काउंसिल के अध्यक्ष शेख अब्दुल्ला बिन बय्या ने कहा कि अगर कोई और विकल्प नही है तो कोरोना वायरस टीकों को इस्लामी पाबंदियों से अलग रखा जा सकता है क्योंकि पहली प्राथमिकता मनुष्य का जीवन बचाना है। काउंसिल ने कहा कि इस मामले पोर्क-जिलेटिन को दवा के रूप में इस्तेमाल किया जाना है न कि भोजन के तौर पर।

बाइडन ने कोरोना वायरस राहत प्रयासों को बढ़ाने का किया वादा

विलमिंगटन (अमेरिका) । अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि कांग्रेस द्वारा पारित कोरोना वायरस राहत पैकेज देश की परेशानियों को दूर करने की दिशा में महज पहला कदम और एक शुरुआती राशि है।बाइडन ने मंगलवार को कहा कि 2021 की शुरुआत में वह एक योजना का प्रस्ताव देंगे, जिसमें कांग्रेस को दमकलकर्मियों, पुलिस, अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों और लाखों कामकाजी परिवारों की और मदद करने को कहा जाएगा।उन्होंने कहा कि हालिया राहत पैकेज में बेरोजगारी लाभ का विस्तार दस हफ्तों के लिए किया गया है लेकिन यह इससे भी ज्यादा अवधि तक चलेगा।बाइडन ने यह भी कहा कि वह कोविड-19 टीकों के वितरण के लिए और संसाधनों की मांग करेंगे तथा जांच क्षमता बढ़ाने को भी कहेंगे क्योंकि स्कूलों को पुनः खोलने के लिए यह आवश्यक है।

पाकिस्तान ने संघर्ष विराम समझौते के उल्लंघन को लेकर भारतीय राजनयिक को किया तलब

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास संघर्ष विराम समझौते के भारतीय बलों द्वारा कथित रूप से उल्लंघन किए जाने को लेकर अपना विरोध दर्ज कराने के लिए एक वरिष्ठ राजनयिक को तलब किया है।पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने आरोप लगाया है कि मंगलवार को हॉटस्प्रिंग और जंदरोट सेक्टरों में गोलीबारी के कारण 50 वर्षीय एक आम नागरिक की मौत हो गई और दो किशोर एवं चार साल का एक बच्चा घायल हो गए।भारतीय पक्ष को 2003 संघर्षविराम समझौते का सम्मान करने, समझौते के उल्लंघन के इस मामले समेत अन्य घटनाओं की जांच करने और एलओसी एवं कामकाजी सीमा पर शांति बनाए रखने संबंधी बात करने को बुलाया गया।

चीन ने रेल परियोजना के लिए कर्ज से पहले पाकिस्तान से गारंटी देने को कहा

भाषा। इस्लामाबाद

चीन ने पाकिस्तान की कमजोर आर्थिक स्थिति के मद्देनजर मेन लाइन-एक रेलवे लाइन परियोजना के लिए छह अरब डॉलर कर्ज को मंजूरी देने के पहले उससे अतिरिक्त गारंटी मांगी है।

मीडिया की एक खबर में कहा गया है कि चीन ने रेल परियोजना को वित्तीय राशि मुहैया कराने के लिए वाणिज्यिक और रियायती, दोनों तरह का कर्ज देने का प्रस्ताव रखा है। एक्सप्रेस ट्रब्यून के मुताबिक 10 दिन पहले (13 दिसंबर) मेन लाइन-एक रेलवे परियोजना के लिए संयुक्त वित्तीय कमेटी की बैठक में अतिरिक्त गारंटी का मुद्दा उठा।बैठक में शामिल रहे पाकिस्तान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चीन ने वार्ता के दौरान अतिरिक्त गारंटी के मुद्दे उठाए लेकिन पाकिस्तान के साथ साझा किए गए ब्योरे के मसौदा दस्तावेज में इसे शामिल नहीं किया गया। दोनों देशों ने कागजातों पर अब तक दस्तखत नहीं किए हैं।मेन लाइन-एक परियोजना के तहत पेशावर से कराची तक।,872 किलोमीटर रेल मार्ग का दोहरीकरण, पटरियों की मरम्मत करने का काम शामिल है और चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर (सीपीईसी) के दूसरे चरण के लिए यह काफी महत्वपूर्ण है।अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान ने जी-20 देशों से कर्ज राहत के लिए आवेदन किया है। इस कारण से देश की आर्थिक स्थिति को लेकर स्पष्टता के लिए चीन ने अतिरिक्त गारंटी के मुद्दे उठाए। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि वित्तीय मुद्दों पर बातचीत के तीसरे चरण में परियोजना के लिए छह अरब डॉलर के कर्ज को लेकर और स्थिति स्पष्ट की गई। जी-20 देशों से कर्ज राहत के तहत, पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक के प्रारूप के मुताबिक पूर्व की मंजूरी के अलावा, ऊंची दरों पर वाणिज्यिक कर्ज नहीं ले सकता। इस साल, अगस्त में राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की कार्यकारी समिति (ईसीएनईसी) ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 6.8 अरब डॉलर की लागत से बनने वाली मेन लाइन-एक परियोजना को मंजूरी दी थी। ईसीएनईसी की बैठक महज 20 मिनट तक चल पाई और वित्तीय और तकनीकी मुद्दे नहीं सुलझ पाए। सूत्रों ने कहा है कि पाकिस्तान छह अरब डॉलर की रकम एक प्रतिशत ब्याज दर पर हासिल करना चाहता है जबकि चीन ने वाणिज्यिक और रियायती, दोनों श्रेणियों के तहत कर्ज देने की पेशकश की है।

संसद भंग करने के खिलाफ याचिकाओं को संविधान पीठ के पास भेजा

काठमांडू। नेपाल के उच्चतम न्यायालय ने संसद भंग करने के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के फैसले के खिलाफ दायर सभी याचिकाओं को बुधवार को संविधान पीठ के पास भेज दिया।प्रधान न्यायाधीश चोलेंद्र एसजे बी राणा की एकल पीठ ने प्रतिनिधि सभा को भंग करने के खिलाफ दायर 12 अलग-अलग याचिकाओं पर आरंभिक सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। संविधान पीठ याचिकाओं पर शुक्रवार को सुनवाई शुरू करेगी। पीठ की अध्यक्षता प्रधान न्यायाधीश राणा करेंगे तथा चार अन्य न्यायाधीशों का वह चुनाव करेंगे।याचिकाकर्ताओ ने फैसले के खिलाफ अंतरिम आदेश का भी अनुरोध किया लेकिन शीर्ष अदालत ने ऐसा कोई आदेश जारी करने से इनकार कर दिया।माय रिपब्लिका अखबार के मुताबिक नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के पुष्प कमल दहल प्रचंड के नेतृत्व वाले खेमे के नेताओं ने निर्वाचन आयोग का रुख कर कहा है कि पार्टी में उनके पास दो तिहाई बहुमत है इसलिए चुनाव आयोग द्वारा उन्हें आधिकारिक तौर पर मान्यता देना चाहिए।पार्टी की स्थाई कमेटी के सदस्य लीलामणि पोखरेल के हवाले से अखबार ने कहा, हम यहां यह साबित करने आए है कि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी पर हमारा हक है। पोखरेल ने कहा कि उनके खेमे को बहुमत हासिल है और पार्टी की केंद्रीय समिति के 315 सदस्यों के दस्तखत हैं। चुनाव आयोग से आधिकारिक तौर पर मान्यता के लिए खेमे को पार्टी के भीतर बहुमत, सदस्यों के हस्ताक्षर, उनके विवरण जमा करने होंगे।

ट्रंप की आव्रजन नीतियों को पलटने में कुछ महीनों का समय लगेगा: बाइडन

● बाइडन ने अपनी चुनाव प्रचार मुहिम में इन कदमों को शीघ्र वापस लेने की बात की थी

एपी। विलमिंगटन (अमेरिका),

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि देश के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आव्रजन संबंधी कदमों को वापस लेने में कुछ महीनों का समय लगेगा। बाइडन ने अपनी चुनाव प्रचार मुहिम में इन कदमों को शीघ्र वापस लेने की बात की थी, लेकिन अब उन्होंने कहा है कि इसमें कुछ महीनों का समय लगेगा।बाइडन के शीर्ष विदेश नीति सलाहकारों ने भी सोमवार को एक साक्षात्कार के दौरान इसी प्रकार के विचार रखे थे। बाइडन के आगामी प्रशासन में घरेलू नीति सलाहकार का पद संभालने वाली सुसन राइस, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का पद संभालने वाले जेक सुलिवन और अब स्वयं बाइडन ने सचेत किया है कि

इस मामले में बहुत जल्दबाजी करने से सीमा पर नया संकट पैदा हो सकता है।बाइडन ने यहां बुधवार को कहा कि उन्होंने मेक्सिको के राष्ट्रपति और लातिन अमेरिका में हमारे दोस्तों से पहले ही इस मामले और ऐसा करने संबंधी समयसीमा पर चर्चा करनी शुरू कर दी है, ताकि चीजें वास्तव में खराब होने के बजाए बेहतर हों।उन्होंने ट्रंप द्वारा लागू किए गए शरण संबंधी प्रतिबंधों में ढील देने का वादा करते हुए कहा, इसमें संभवत: छह महीने का समय लग सकता है।

अमृता शेरगिल के पति की दुर्लभ तस्वीर करीब 11 करोड़ रुपए में नीलाम हुई

नई दिल्ली। आधुनिक भारतीय चित्रकला की प्रतिष्ठित चित्रकार अमृता शेरगिल के पति विक्टर इगन की दुलर्भ तस्वीर 10.86 करोड़ रुपए में नीलाम हुई है। नीलामी गृह अस्तागुरु ने बताया कि यह तस्वीर हाल में मार्डन इंडियन आर्ट की ऑनलाइन बिक्री में बिकी। अस्तागुरु ने बताया कि इस कलाकृति की प्रभावशाली नीलामी हुई और अंततः प्रतिष्ठित कला संग्राहक मनोज इसरानी ने इसे खरीदा। इस तस्वीर की बिक्री के दौरान सबसे अधिक कीमत मिली है। अस्तागुरु के मुताबिक इस तस्वीर में शेरगिल के पति और हंगरी की सेना में डॉक्टर इगन वर्दी में दिख रहे हैं जो उनके निजी जीवन और भावनात्मक जुड़ाव को प्रदर्शित करता है।उल्लेखनीय है कि यह तस्वीर 1939 में हंगरी से भारत स्थानांतरित होने के फैसले के मद्देनजर शेरगिल ने अपने पति के परिवार को उपहार स्वरूप देने के लिए बनाई थी। इस नीलामी में कुल करीब 59.89 करोड़ रुपए की कलाकृतियों की बिक्री हुई जिनमें रामकुमार की तस्वीर की बिक्री 4.34 करोड़ रुपए में हुई।

'मेरा एलबम 'आई' वास्तव में मेरे संघर्षों की ही कहानी है'

रैप गायक अंकित सिंह पात्याल, जिन्हें उनके उपनाम इक्का से भी जाना जाता है, ने 'डा क्लब से बॉलिवुड में पदार्पण किया था। पायनियर संवाददाता शालिनी सक्सेना के साथ एक विशेष बातचीत में अपने नए गाने, डिवाइन में उनके द्वारा किये गए सहयोग तथा उनके रैपर बनने की कहानी आदि के बारे में उनसे जाने उनके विचार। प्रस्तुत हैं बातचीत के अंश ....

■ आपका नया एलबम 'आई' किस बारे में है?

ये एलबम 'आई' नाम से इसलिये है क्योंकि इसमें मेरी कहानी है- मेरी अब तक की यात्रा का पूरा विवरण। इसमें नौ गाने हैं और वे सभी मेरे जीवन, अनुभव तथा मेरी अब तक की यात्रा के बारे में हैं। इनमें से कुछ गाने डार्क भी हैं और कुछ मेरी अब तक की उपलब्धियों के बारे में भी हैं। जो लोग भी मेरे बारे में जानना चाहते हैं उन्हें इन्हें अवश्य सुनना चाहिये।

■ आपको अपना नाम 'इक्का' कैसे मिला?

वास्तव में मेरा नाम अंकित है। मैंने बचपन में ही अपने पिता से कहा कि उन्हें मेरा इतना सामान्य नाम रखने की क्या पड़ी थी। जब मैं स्कूल में था तो अंकित नाम के मेरी कक्षा में ही 6 बच्चे थे। मैंने पिता से कहा था कि उन्होंने मेरा नाम शाहरुख या ऋतिक क्यों नहीं रख दिया। लेकिन उन्होंने मुझसे कहा कि अब तुम्हें इसी नाम से कम से कम ये पूरा जीवन तो जीना ही होगा। लेकिन उन्होंने इसे बाद में छोटा करके अक्की कर दिया और इसके बाद यदि आप इसे देखेंगे तो ये अक्की का ठीक उल्टा है यदि अक्की को पीछे से पढ़ा जाए तो ये इक्का ही होगा।

■ आपने एक नया गाना 'अंगार' भी रिलीज़ किया है। इसके बारे में कुछ बताइये?

ये गाना हमारे संघर्षों के बारे में है तथा इसमें दिखाया गया है कि हम सभी में काफी प्रतिभाएं विराजमान हैं जिनके चलते हम आज प्रगति करते करते यहां तक पहुंचे हैं। इसकी विशेष बात ये है कि इसमें रफ्तार भी हैं और इसका संगीत दिया है सेज़ ने द बीट का संगीत दिया है। रफ्तार और मैं एक दूसरे को काफी समय से जानते हैं लेकिन किसी भ्रम के कारण हममें मतभेद हो गया था लेकिन दस साल बाद वो दूर हो चुका है और उन्होंने इस गाने में साथ आना स्वीकार किया है।

■ क्या आपने डिवाइन का भी सहयोग किया है?

जी हां, लॉक डाउन के दौरान ऐसा हुआ था। इंस्टा पर डिवाइन और मैं नियमित रूप से एक दूसरे के संपर्क में रहते हैं। ऐसी ही एक बातचीत के दौरान उन्होंने साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की। मैं उस समय एक एलबम पर काम कर रहा था। मैं सहमत हो गया। तो मैंने उससे मेरे दो तीन गाने भेजे और उनमें से चुनने के लिए कहा। उसे 'लेवेल अप' अच्छा लगा और उसने अपना लेखन मुझे पांच दिनों के बाद भेज दिया। तो इस प्रकार से वो गाना तैयार हो गया।

■ संगीत में आपकी रुचि कैसे जागृत हुई?

संगीत में मेरी रुचि नहीं थी मैं तो वीडियो गेम्स और कॉमिक्स पढ़ने में अधिक रुचि रखता था। मुझे चित्रकारी करना प्रिय था और मैं रचनात्मक कार्यों में रुचि रखता था। लेकिन एक दिन मेरा एक मित्र एमिनेम-लूज़ योरसेल्फ नामक कैसेट लेकर मेरे घर आया। उसमें मुझे कुछ अधिक समझ में नहीं आया लेकिन गाने में कुछ ऐसा था जो मुझे अच्छा लग गया। फिर मैंने हिप-हॉप के बारे में खोजबीन की और कई कलाकारों को सुना तो मुझे ये शैली, ड्रेसिंग सेंस तथा संगीत अच्छा लगा। मुझे ये बहुत अच्छा लगा और मैं इस प्रकार संगीत से जुड़ गया।

■ आप रैपर कैसे बने?

मैं तो इसमें ऐसे ही आ गया। पहले मैं हिपहॉप सुना करता था लेकिन इसके बाद मैं बहाव में बहता चला गया। मेरे मित्र रैप संगीत किया करते थे। इसके बाद ये मेरा भी जीवन बनता चला गया। मैंने रैप का इतिहास पढ़ा और दुनिया भर के रैप गायकों के जीवन के बारे में भी पढ़ा। मुझे ये अत्यंत जीवंत लगा और इससे मैं प्रभावित होता चला गया। वैसे भी मैं वास्तविक चीजों को पसंद करता हूं। मेरे लिए हिप-हॉप एक अलग चीज थी।

■ आप गायक, गीत लेखक, लिरिसिस्ट तथा संगीतकार और निर्माता आदि सबकुछ हैं। आप इतना कुछ कैसे कर पाते हैं?

मुझे गुरु रंधावा, दिलजीत दोसांझ तथा यो यो हनी सिंह जैसे कुछ अद्भुत कलाकारों के साथ काम करने का अवसर कॅरियर के प्रारंभ से ही मिला है। ये मेरा सौभाग्य है। ये लोग जो भी करते हैं उसमें सर्वश्रेष्ठ होते हैं। कुछ ने मुझे संगीत, कुछ ने निर्माण और किसी ने मुझे लेखन के बारे में भी षिक्षित किया। मैं सबकुछ निकटता से देखता हूं और सीखता भी हूं बस ऐसे ही सबकुछ होता गया।

■ क्या भारत में रैप परिदृश्य के प्रति आकर्षण समाप्त हो गया है?

नहीं ऐसा तो नहीं है। लोगों ने तो अभी रैप सुनना ही प्रारंभ किया है। लेबल्स ने भी इनका प्रचार प्रसार बस प्रारंभ ही किया है। ऐसे में अधिक से अधिक लोग हिप-हॉप सुनना चाहते हैं। मुझे इस जॉनर की सफलता का पूरा भरोसा है क्योंकि अब और भी अच्छा काम इस दिशा में हो रहा है।

■ भविष्य के बारे में आपने क्या सोच रखा है?

मैं अपने अगले एलबम पर काम कर रहा हूं। मेरे पास कुछ काम है और फिर बॉलिवुड भी तो है कुछ परियोजनाएं वहां से भी मिली हैं।

शकुंतला देवी का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर सोनी मैक्स पर

वाराणसी। मैथेमेटिक्स ऐसा विषय है जिससे अच्छे अच्छे स्टूडेंट्स भी घबराते हैं लेकिन शकुंतला देवी के लिए यही मैथ्स चुटकियों का खेल था। इसीलिए उन्हें ह्यूमन क प्यूटर कहा जाता था। इस दिसंबर सोनी मैक्स अपने दर्शकों के लिए पेश कर रहा है वह फिल्म जिसका उन्हें लंबे अर्से से इंतजार था, देखिए, फिल्म शकुंतला देवी का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 27 दिसंबर की दोपहर, 12.00 बजे सिर्फ सोनी मैक्स पर शकुंतला देवी। यह फिल्म जिसमें शकुंतला जी की भूमिका विद्या बालन ने की है, उनकी आत्मकथा का ड्रामा हैण् इसमें अन्य भूमिकाएं की हैं जिश्शू सेनगुप्ता, सान्या मल्होत्रा और अमित साध नेण् यह फिल्म उस महान हस्ती की रोचक कहानी है जिनके लिए गणित के लंबे और मुश्किल गुणा भाग सेकेंड्स में हल कर दिखाना बस खेल जैसा था शकुंतला देवी अपनी विलक्षण प्रतिभा के लिए विश्ववि यात तो थीं ही, अपने समय से कहीं आगे की महिला थीं। उनकी ज़िंदगी से जुड़ी इस फिल्म का निर्देशन किया है अनु मेनन ने शकुंतला जी ने जीवन अपनी शर्तों पर और सदा बेफिक्र रह कर जियाण् यह फिल्म एक तरह से उनका जीवनवृत्त तथा उनकी प्रतिभा का सम्मान है जिसमें उनका मां का स्वरूप, उनकी कमियां और खामियां भी शामिल है एक ऐसी महिला के चरित्र को विद्या बालन ने बखूबी निभाया है देखिए, फिल्म शकुंतला देवी का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 27 दिसंबर की दोपहर, 12ण्00 बजे सिर्फसोनी मैक्स पर

अभिनेत्री पूजा भट्ट ने शराब छोड़ने की चौथी सालगिरह मनाई

भाषा। मुंबई

अभिनेत्री और फिल्म निर्माता पूजा भट्ट ने बुधवार को शराब की लत छोड़ने की चौथी सालगिरह मनाई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वह जीवन के प्रति आभारी है जिसने उन्हें इस लत को छोड़ने की ताकत दी।

पूजा भट्ट ने अपनी बात कहने के लिए ट्विटर का सहारा लिया और गुलाबी आसमान वाली तस्वीर साझा करते हुए कहा कि यह पुरानी जीवनशैली त्यागने की सालगिरह है जब वह शहर के बार में समय व्यतीत करती थीं। उन्होंने ट्वीट किया, संयम के आज चार साल हो गए। इससे पहले गुलाबी शैम्पेन, माल्ट और शहर की भीड़ होती थी। अब यह गुलाबी आसमान और शहरों से दूर एकांत सड़के हैं। यह कितनी समृद्ध करने और तीव्र यात्रा है। भट्ट (48 वर्षीय) ने कहा, जीवन और अलौकिक शक्तियों के प्रति आभार जिन्होंने मुझ पर नजर रखी, सच्चा बनाए रखा और कमजोरियों के प्रति मजबूत बनाए रखा। उल्लेखनीय है कि पूजा भट्ट अपनी शराब की लत पर खुलकर बात करती हैं और उन्होंने कहा था कि वह इस नशे को छोड़ना चाहती है क्योंकि उन्हें इसकी लत लग गई है और वह स्वयं इसे स्वीकार करती हैं।

2021 में भी व्यस्त रहेंगी यामी

फिल्म विकी डोनर, जिसने उन्हें लोगों की सराहना दिलाई, से अपने कॅरियर का प्रारंभ करने वाली अभिनेत्री यामी गौतम अब निरंतर आगे बढ़ती जा रही हैं। फिल्मों के बारे में उनके चयन ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा को साबित किया है। प्रतिभा और समर्पण के बल पर ही यामी अभिनय की दुनिया में अपना स्थान बनाने में सफल रही हैं। वो अपनी फिल्मों में जो अभिनय करती हैं वो उनकी अभिनय क्षमता को प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त है। अपने चरित्र को उन्होंने हर फिल्म में सार्थक बनाया है। 2019 में उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक, बाला उनकी सफल फिल्में थीं लेकिन अब 2020 में भी वो अपनी सफलता को दोहराने के लिए दृढ़संकल्पित दिखाई देती हैं। उनके पास इस समय कई फिल्में हैं और यही कारण है कि वो इस साल भी व्यस्ततम अभिनेत्रियों में से एक होंगी। एक सूत्र के अनुसार, 'यामी को वर्तमान में आठ अलग अलग लेकिन रोचक स्क्रिप्ट के साथ निर्माताओं ने संपर्क किया है जिनमें से उन्होंने 6 फिल्मों को अपनी सहमति भी दे दी है। अब इनकी शूटिंग भी 2021 में प्रारंभ हो जाएगी। उन्हें मिलने वाले ये ऑफर अच्छे हैं और इनमें यामी दमदार अभिनय वाली स्क्रिप्ट में ही रुचि प्रदर्षित कर रही हैं जिनसे वो अपनी अभिनय क्षमता को चुनौती प्रदान कर सकें।' उनकी हाल ही में प्रदर्षित फिल्मों-गिन्नी वेड्स सनी, जिसमें वो विक्रांत मैसी के साथ दिखाई दी हैं, एक अत्यंत सफल फिल्म साबित हुई है जिसे लोगों ने रुचि के साथ देखा और सराहा भी। हाल ही में उन्होंने भूत पुलिस की धर्मषाला में हो रही शूटिंग पूरी की। फिल्म में उनके साथ सैफअली खान, अर्जुन कपूर तथा जैकलीन फर्नांडीज़ भी हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि 2021 भी उनके लिए एक सफल साल होने वाला है। हमें भी आषा है कि वो अपने प्रषंसकों को अपनी नई फिल्मों के माध्यम से चकित करने में अवष्य सफल होंगी। अतः कहा जा सकता है कि वर्ष 2021 यामी के लिए महत्वपूर्ण होने वाला है।

वेबबेड

द मिडनाइट स्काइ

जॉर्ज क्लूनी लिली ब्रूक्स-डाल्टन के उपन्यास 'गुड मॉर्निंग, मिडनाइट' के रूपांतरण के लिए इसका निर्देषन कर रहे हैं। वो इस फिल्म में एक बड़ी सी दाढ़ी वाले वैज्ञानिक का चरित्र निभाते दिखाई भी देंगे जो आर्कटिक में प्रलय के बाद के दिनों में फेलिसिटी जोन्स के एक अंतरिक्ष दल को विनाषग्रस्त पृथ्वी पर आने से रोकना चाहते हैं। फिल्म 23 दिसंबर से नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होगी।

ब्रिजरटन

शोंडा राइम्स अब नेटफ्लिक्स पर भी दिखाई देगा। शो के आयोजक इसकी पहली रिलीज़ में जूलिया क्विन के रोमांटिक उपन्यास की श्रंखला का रूपांतरण प्रस्तुत करने जा रहे हैं। इसमें एक समृद्ध, अंग्रेज परिवार और उसके अफेयर्स की कहानी होगी। जूलिया एंड्रूज़ इसके स्टार्स में से एक है। ये 25 दिसंबर को रिलीज़ होगी।

बेस्ट लेफ्टओवर्स एवर!

क्या आप अपने बचे हुए खाने को माइक्रोवेव में रखते हैं या फिर उसे कचरे में डाल देते हैं? यदि ऐसा है तो आपको पाककलाविदों की इस प्रतियोगिता श्रंखला से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है। ये पाक-कला विषेषज्ञ बचे हुए खाने के विषेषज्ञ हैं और वे बचे खाने को नया रूप देने की चुनौती को स्वीकार कर रहे हैं। ये 30 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ हो रही है।